ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पाखंड छोड़ें, सीएम पद से इस्तीफा दें सीबीआई जांच के लिए प्रस्तुत हों: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 19 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-18

बांग्लादेश को इस्लामिक गणराज्य घोषित करने की तैयारी में यूनुस

पाकिस्तान से फिर बांग्लादेश लौट आया फरार मेजर

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश को इस्लामिक गणराज्य बनाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटाने का शातिराना प्रस्ताव इसी कुचक्र के तहत पेश कराया गया। दूसरी तरफ पाकिस्तान समर्थित आतंकी तत्वों को बांग्लादेश में प्रवेश की खुली छूट दे दी गई है। इसका ताजा उदाहरण है बांग्लादेश से फरार फांसी के सजायाफ्ता पूर्व सैनिक अधिकारी मेजर जियाउल हक की बांग्लादेश में सुरक्षित

वापसी। मेजर (पूर्व) जियाउल हक को बांग्लादेश आने की इजाजत देने वाले मुहम्मद यूनुस ने उस अमेरिकी घोषणा को ताक पर रख दिया, जिसमें अमेरिका ने मेजर जियाउल हक को जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए पांच मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर रखा था। बांग्लादेश सेना से बर्खास्त मेजर जियाउल हक कुख्यात आतंकी संगठन अल कायदा से जुड़े अंसार अल इस्लाम का प्रमुख सदस्य है। जियाउल हक ने ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ साजिश कर अमेरिकी नागरिक ब्लॉगर अभिजित रॉय की हत्या कराई थी। वर्ष 2013 में जियाउल हक ने शेख हसीना सरकार का तख्तापलट कराने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम होने के बाद वह पाकिस्तान भाग गया था। इसके बाद ही उसे सेना से बर्खास्त किया गया था और उसके अपराध के लिए उसे फांसी की सजा सुनाई गई थी। बांग्लादेश से भागने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने उसकी मदद की थी और उसे पनाह दिया था।

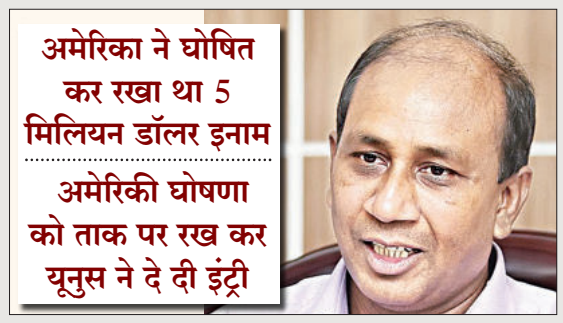

अमेरिका ने घोषित कर रखा था 5 मिलियन डॉलर इनाम

अमेरिकी घोषणा को ताक पर रख कर यूनुस ने दे दी इंट्री

विडंबना यह है कि उसी जियाउल हक को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने ▶10 पर

20-25 मिनट देर हो जाती तो हम मारे जाते: शेख हसीना

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश पांच अगस्त की तारीख को इतनी आसानी से नहीं भुला सकेगा। उस समय शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और देश छोड़कर भारत जाना पड़ा था। उसके बाद से यहां के हालात बदतर बने हुए हैं। हिंदुओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। अब इस पूरे मामले पर पूर्व पीएम शेख हसीना ने बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सत्ता से बेदखल होते ही उनकी और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना की हत्या की साजिश रची गई थी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार रात फेसबुक पर अपनी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के पेज पर एक ऑडियो संदेश में यह बड़ा दावा किया। ▶10 पर

भारत सरकार की बड़ी कानूनी तैयारी

बजट सत्र में पेश होगा नया आयकर विधेयक

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है, जिसका उद्देश्य मौजूदा आईटी कानून को सरल बनाना, इसे समझने योग्य बनाना और पृष्ठों की संख्या लगभग 60 प्रतिशत कम करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम-1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी।

वित्त मंत्रालय के एक आला अधिकारी ने बताया कि नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। फिलहाल, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है और बजट सत्र के दूसरे हिस्से में इसे संसद में पेश किए जाने की संभावना है। बजट सत्र 31 जनवरी

नए आयकर विधेयक के मसौदे पर विधि मंत्रालय कर रहा है विचार

आयकर अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट एवं आसान बनाने का उद्देश्य

से 4 अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग (31 जनवरी-13 फरवरी) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और ▶10 पर

एक लाख हो सकती है मानक कटौती की सीमा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

पुरानी कर प्रणाली को खत्म करने के इरादे से सरकार आगामी आम बजट में नई कर प्रणाली को करदाताओं के लिए और आकर्षक बनाएगी। सरकार की योजना नई प्रणाली में नए टैक्स स्लैब जोड़ने, आयकर मुक्त आय की सीमा के साथ मानक कटौती की सीमा में भी बढ़ोतरी करने की है। सरकार इसी आम बजट में पुरानी कर प्रणाली को आगामी वित्तीय वर्ष या इसके एक साल बाद खत्म करने पर भी विचार कर रही है।

साल 2020 के आम बजट में पुरानी कर प्रणाली को ही खत्म करने के लिए नई कर प्रणाली की शुरुआत की गई थी। तब सरकार की योजना इस प्रणाली के जरिए कर अदायगी को आसान बनाने ▶10 पर

प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

न्यायालय ने संजय रॉय को दोषी करार दिया

कोलकाता, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या किए जाने के बहुचर्चित मामले में अदालत ने संजय रॉय को दोषी करार दिया है। अदालत सोमवार को सजा सुनाएगी। सियालदह जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में आज अपना फैसला सुनाया। इस मामले के मुख्य आरोपी संजय रॉय को अदालत ने दोषी करार दे दिया। फैसला दोपहर ढाई बजे कोर्टरूम 210 में सुनाया गया। आरोपी संजय रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि उसे सोमवार को अदालत में बोलने का मौका दिया जाएगा। अदालत सोमवार को सजा सुनाएगी। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दुष्कर्म और हत्या

संजय रॉय को डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया

सोमवार को सजा सुनाएगा सियालदह जिला एवं सत्र न्यायालय

का दोषी पाया गया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत में 11 नवंबर को मामले की ▶10 पर

कैसे पकड़ा गया अभियुक्त और कैसे साबित हुआ जुर्म

कोलकाता, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

यह जानना अहम है कि आखिर कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में उस दिन क्या घटना हुई थी? इस घटना का खुलासा कैसे हुआ और आरोपी की किस गलती से उसे पकड़ लिया गया? पुलिस और सीबीआई ने इस मामले में क्या-क्या किया? पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक जूनियर महिला डॉक्टर की पिछले साल अगस्त में हत्या हो गई थी। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल था। मामले की जांच में पश्चिम बंगाल पुलिस के बाद सीबीआई को भी लगा दिया गया था। घटना के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर देशभर में ▶10 पर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा

मुश्किल हालात में भी विकास की गति बनाए रख रहा है भारत

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों में भी अपने विकास की रफ्तार को बनाए रखना भारत के लिए बड़ी चुनौती है। इसके लिए आंतरिक विकास के साथ ही आधुनिकीकरण करने और बाहरी जोखिम को कम करने की जरूरत है। ▶10 पर

भारत-अमेरिका साइबर खतरों की खुफिया जानकारी साझा करेंगे

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने साइबर खतरों और अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी की कार्यवाहक उप सचिव क्रिस्टी ए कैनगैलो ने वाशिंगटन डीसी में साइबर क्राइम जांच पर एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच साइबर खतरों की खुफिया जानकारी साझा की जाएगी और डिजिटल फोरेंसिक की जांच में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

पीएम मोदी ने बांटे 65 लाख सम्पत्ति कार्ड्स

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

भूमि विवादों को कम करने के लिए शुरू की गई स्वामित्व योजना के तहत पीएम मोदी ने आज 65 लाख से अधिक सम्पत्ति कार्डों का वितरण किया। पीएम मोदी के इस कदम से देश के 230 से अधिक जिलों के करीब 50,000 गांवों में सम्पत्ति मालिकों को फायदा मिलेगा।

जमीन के रिकॉर्ड डिजिटल होने से मिलेगा फायदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में देश के 230 से अधिक जिलों के करीब 50,000 गांवों में सम्पत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक सम्पत्ति कार्ड वितरित किए। इस स्वामित्व योजना से 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के लाखों लोगों को फायदा होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल, मप्र, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओड़ीशा, पंजाब, राजस्थान, यूपी और जम्मू- कश्मीर एवं लद्दाख के सम्पत्ति मालिकों को सम्पत्ति कार्ड जारी किए गए।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन देश के गांवों ▶10 पर

सीमा पर बाड़ लगाने से चिहुंक रहा बांग्लादेश

भारत-बांग्लादेश सीमा को अपराधमुक्त करने पर भारत दृढ़

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा सुरक्षा को लेकर तनाव गहराता जा रहा है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के शुकदेवपुर गांव में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बांग्लादेश की बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) के बीच सीमा बाड़बंदी को लेकर विवाद सामने आया। बांग्लादेश ने भारत पर सीमा पर बाड़ लगाने के प्रयास में द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। वहीं भारत ने अपने इस कदम को लेकर बांग्लादेश को दो टूक जवाब दिया।इस मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने बांग्लादेश के ▶10 पर

सूचना

शुभ-लाभ हिंदी दैनिक द्वारा प्रकाशित नव-वर्ष का कैलेंडर लेना न भूलें। शुभ-लाभ अखबार के साथ ही कल, सोमवार, दि. 20 जनवरी 2025 को नव वर्ष कैलेंडर भी संलग्न होगा। इसे नि:शुल्क प्राप्त करें।

प्रबंधक, शुभ लाभ

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 19°

कनाडा, अमेरिका, यूरोप में सेट्ल कराने का प्रलोभन

पंजाब में दो साल में 3.5 लाख सिख बने ईसाई

पगड़ीधारी सिख नहीं, ईसाई भी हो सकते हैं

चंडीगढ़, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

पंजाब के सिखों को कनाडा, अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों में सेट्ल कराने और सम्पन्न जीवन का प्रलोभन देकर व्यापक पैमाने पर उनका ईसाईकरण किया जा रहा है। ईसाई बनने वाले सिखों का नाम नहीं बदला जा रहा है और न उन्हें पगड़ी पहनने मना किया जा रहा है। उन्हें सिखों की वेशभूषा में ही ईसाई बना कर सिखों की भीड़ में छोड़ दिया गया है। इस सोचे-समझे तरीके से पंजाब में सिखों का हो रहा ईसाई धर्मांतरण बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है। पिछले कुछ समय

के अंदर राज्य में ईसाई मिशनरियों की ताकत और उनका विस्तार काफी बढ़ गया है। कई बार इसे लेकर कई सिख संगठनों ने चिंता भी जाहिर की, लेकिन फिर भी न कांग्रेस सरकार ने और न मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस मुद्दे पर गौर किया। पंजाब में केवल 2 वर्षों में ही साढ़े तीन लाख लोग अपना धर्म बदलकर ईसाई बन चुके हैं। पंजाब में केवल साल 2023-24 में ही 1.5 लाख लोग धर्मांतरित हुए जबकि साल के 2024-25 के अंत तक दो लाख लोगों ने अपना धर्म बदल लिया।हैरानी और भी ज्यादा तब बढ़ती है जब धर्मांतरित लोगों की बढ़ती संख्या अन्य राज्यों के हिसाब से देखी जाए। अन्य राज्यों में होने वाले धर्मांतरण से पंजाब का ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

कर्नाटक सरकार ने अभी तक केंद्र द्वारा आवंटित धन का नहीं किया उपयोग: शिवराज सिंह चौहान

गरीबों की सेवा भगवान की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धन का उपयोग नहीं किया है। केंद्र सरकार द्वारा धन आवंटन में भेदभाव के कांग्रेस के आरोप के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं यहां कर्नाटक में हूं और धन की पेशकश कर रहा हूं। कर्नाटक सरकार ने अनुरोध नहीं किया है, लेकिन मैंने फिर भी धन की घोषणा की है। उन्होंने कहा हमारा ध्यान विकास और लोगों के कल्याण की राजनीति पर है। केंद्र सरकार की कई योजनाएं हैं, जिनके तहत कर्नाटक सरकार ने आवंटित धन का उपयोग नहीं किया है। मैं इस पर अधिक विस्तार से बात नहीं करना चाहता। उन्होंने राज्य सरकार से समय पर धन का उपयोग करने और प्रमाण पत्र जमा करने की

अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह सुपारी किसानों से मिलने के लिए शिवमोग्गा जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित कर्नाटक का होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सितंबर में केंद्र सरकार ने कर्नाटक में 2,57,246 घरों के निर्माण को मंजूरी दी है। हमने कर्नाटक सरकार से पहले जारी किए गए फंड का तुरंत उपयोग करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, राजस्व मंत्री के अनुरोध के अनुसार, कर्नाटक को 97 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। कृषि मंत्री ने मशीनीकरण योजना के लिए भी फंड की मांग की, जिसे हमने मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, तीनों मंत्रियों ने अतिरिक्त मांगें रखी हैं। हमने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) योजना के तहत अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध कराने पर भी सहमति जताई है। कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बारे में पूछे जाने पर, जिसकी वे देखरेख कर रहे हैं, केंद्रीय मंत्री ने कहा जिला स्तर पर तय सीटों के लिए चुनाव होने के बाद, जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या मनोनयन किया जाएगा, उन्होंने कहा भाजपा में तो बूथ अध्यक्ष भी चुने जाते हैं। अध्यक्षों का चुनाव चुनाव या सामूहिक सहमति से होता है, जिससे सर्वसम्मति से निर्णय सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा मोदी का संकल्प है कि हर गरीब को घर मिले। पिछले सितंबर में, हम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कर्नाटक के लिए 2,57,246 घर बनाने पर सहमत हुए थे। हमने अनुदान भी दिया। उन्होंने बताया कि आज फिर कर्नाटक के गरीब लोगों के लिए घर बनाने का लक्ष्य बढ़ाया गया है। हम 4,67,580 घर बनाने पर सहमत हुए हैं। हमारा मानना है कि गरीबों की सेवा भगवान की सेवा है। सभी गरीबों के लिए घर बनाने का लक्ष्य पूरा करना है। इसके लिए मकानों के निर्माण में तेजी लाने का सुझाव दिया गया है। इससे पहले उन्होंने राज्य के कृषि, ग्रामीण विकास और राजस्व मंत्रियों के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों की समीक्षा की।

केंद्र को घोषित करना चाहिए कि सुपारी हानिकारक नहीं: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री मधु बंगारप्पा ने शनिवार को कहा कि केंद्र को यह घोषणा करनी चाहिए कि सुपारी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है।

उन्होंने डब्ल्यूएचओ द्वारा इसे कैंसर पैदा करने वाला बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। बंगारप्पा ने कहा भारत सरकार को जवाब देना चाहिए और कहना चाहिए कि यह (सुपारी) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है, और उन्हें किसानों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने शिवमोग्गा में सुपारी उत्पादकों के लिए भाजपा के सम्मेलन को केवल प्रचार के लिए करार दिया, जहां केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाग लिया। बंगारप्पा ने केंद्र से शिवमोग्गा में सुपारी उत्पादकों के लिए 500 करोड़ का शोध केंद्र

स्थापित करने के लिए कहा, जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सालों पहले वादा किया था।

बंगारप्पा ने कहा 10 साल पहले अमित शाह शिवमोग्गा आए थे और कहा था कि हम अनुसंधान केंद्र के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहे हैं। 10 साल से वे वादे पर अड़े हुए हैं। उन्होंने सुपारी उत्पादकों का सम्मेलन सिर्फ प्रचार के लिए बुलाया है। इससे पहले दिन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कर्नाटक के कृषि मंत्री चालुवरयास्वामी के साथ राज्य के कृषि क्षेत्र के विकास के बारे में चर्चा की। बैठक में कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे और राज्य के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

ब्रह्मराकोटलू में टोल कर्मचारियों द्वारा ट्रक चालक पर हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ब्रह्मराकोटलू टोल गेट पर टोल शुल्क का भुगतान न करने पर टोल कर्मचारियों द्वारा ट्रक चालक पर हमला करने का एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बंतवाल तालुक के विवादास्पद टोल गेट पर यह घटना शुक्रवार शाम को हुई। वीडियो के ऑनलाइन चर्चा में आने के बावजूद, स्थानीय बंटवाल टाउन पुलिस स्टेशन में अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

वीडियो में, टोल कर्मचारी ट्रक चालक पर शारीरिक हमला करते, ट्रक का दरवाजा खोलते, उसका हाथ पकड़कर उसे बाहर खींचते और उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्रक को पीछे की ओर मोड़कर टोल गेट से बाहर निकलने के लिए भी मजबूर

किया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा कर रहे अन्य मोटर चालकों द्वारा रिकॉर्ड की गई इस हरकत को संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया, लेकिन पुलिस विभाग द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मेंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ब्रह्मराकोटलू टोल गेट अपनी स्थापना के बाद से ही नियमित विवादों के लिए कुख्यात रहा है। कर्मचारियों द्वारा दुर्व्यवहार की खबरें, जिसमें शारीरिक हमले और ड्राइवरों के साथ मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हैं, लगातार सामने आती रही हैं। टोल कर्मचारियों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने के बावजूद, आरोप लगे हैं कि इस तरह के अनियंत्रित व्यवहार को रोकने के लिए कोई महत्वपूर्ण कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतों के अलावा, स्थानीय लोगों और संगठनों ने टोल गेट पर बुनियादी सुविधाओं की कमी पर चिंता जताई है, इसे केवल नाम का टोल गेट करार दिया है। इसके अवैज्ञानिक संचालन और अपर्याप्त सुविधाओं के कारण इसे बंद करने की मांग करते हुए विभिन्न समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया है।

मुडा मामले में लोकायुक्त पुलिस कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि मुडा साइट आवंटन मामले की जांच में लोकायुक्त पुलिस कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। ऐसा लगता है कि वे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को क्लीन चिट देने की तैयारी कर रहे हैं। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा इस मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने बिचौलियों का पैसा जब्त कर लिया है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस ने कुछ नहीं किया है। इसलिए हमने सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। अशोक ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि कर्नाटक लुटेरा राज्य बन गया है और लोग डर के साए में जी रहे हैं। लोगों की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। बीदर में बैंक डकैती और एक कर्मचारी की

हत्या हुई। मेंगलूरु में हॉलीवुड स्टाइल में बैंक का 15 करोड़ रुपये लूट लिया गया। राज्य पुलिस से कोई नहीं डरता। इससे पता चलता है कि मुख्यमंत्री का पुलिस अधिकारियों पर कितना नियंत्रण है। इससे पता चलता है कि राज्य की कानूनी व्यवस्था कितनी खराब हो गई है। दूसरे राज्यों से चोर आ रहे हैं, लोगों को लूट रहे हैं और उन्हें बसों और ट्रेनों में ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा ऐसी स्थिति आ गई है कि लोगों को खुद ही अपनी सुरक्षा करनी पड़ रही है। पुलिस के पास पिस्तौल नहीं है। हालांकि, लुटेरों के पास आधुनिक हथियार हैं।

व्यक्ति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर तेजाब पीकर की आत्महत्या

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुल्लिया के नेल्लुर केमराजे गांव में शुक्रवार देर रात शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में तेजाब पीकर खुद भी आत्महत्या कर ली।

मृतक रामचंद्र गौड़ा और उनकी पत्नी विनोदा कुमारी हैं। मृतक के 26 वर्षीय बेटे प्रशांत एस आर ने शिकायत में कहा है कि उसके पिता रामचंद्र गौड़ा को शराब पीने की आदत थी।

नशे की हालत में रामचंद्र ने निर्माणाधीन घर की रसोई में शिकायतकर्ता के दादा-दादी और मां विनोदा कुमारी के साथ गाली-गलौज की। झगड़े के दौरान उसने कथित तौर पर अपने हाथ में पकड़े हुए हथियार से विनोदा कुमारी पर जानलेवा हमला कर दिया। बाद में उसने रबर शीट बनाने में इस्तेमाल होने वाला तेजाब पीकर आत्महत्या कर ली।

सुल्लिया पुलिस स्टेशन में बीएनएस एक्ट 2023 की धारा 103 और आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक के प्रदर्शन के आधार पर जारी हो धनराशि: राजस्व मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के वित्तीय आवंटन को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण बैठक में, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कर्नाटक को केंद्रीय निधियों के समान वितरण पर चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा हमने अनुरोध किया है कि कर्नाटक के प्रदर्शन के आधार पर, कर्नाटक राज्य के लिए जो भी धनराशि योग्य है, उसे जारी किया जाना चाहिए।

मैंने कर्नाटक द्वारा हकदार

निधियों की गणना में विसंगति और कुछ योजनाओं के तहत कर्नाटक के साथ अन्याय होने की बात कही है। उन्होंने इन मुद्दों को हल करने में अपने विश्वास पर जोर देते हुए कहा मुझे विश्वास है कि वह विशेष पूंजी सहायता के तहत कर्नाटक को जारी किए गए धन में असंतुलन को ठीक कर देंगे।

बेंगलूरु में नंदिनी के इडली और डोसा बैटर की मांग आपूर्ति से अधिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जब कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) ने अपने नंदिनी ब्रांड के तहत व्हे प्रोटीन से भरपूर इडली और डोसा बैटर लॉन्च किया, तो डोसा और इडली के शौकीन इस उत्पाद को खरीदना चाहते थे। लेकिन वर्तमान में मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं होने के कारण, कई ग्राहक उत्पाद की अनुपलब्धता से निराश हैं।

येलहंका की निवासी विजया कुमारी ने कहा जब से नंदिनी डोसा बैटर की घोषणा की गई है, तब से मैं इसे आजमाने के लिए बहुत उत्साहित थी। मैंने अपने घर के पास दो नंदिनी पार्लरों में पूछताछ की। उनमें से किसी के पास भी यह नहीं था। उन्होंने कहा कि बटर

की आपूर्ति नहीं है। विजया बैंक लेआउट के निवासी राम कुमार का भी ऐसा ही अनुभव रहा। कुमार ने कहा मेरे क्षेत्र में नंदिनी पार्लर के विक्रेता ने लॉन्च के बाद से बैटर का एक भी पैकेट नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति में कमी है और उन्हें बैटर नहीं मिल रहा है। इस बैटर को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 25 दिसंबर को लॉन्च किया था। बैटर में 5 प्रतिशत व्हे प्रोटीन है और यह दो मात्रा में आता है - 450 ग्राम और 900 ग्राम के पैकेट। 450 ग्राम की कीमत 40 और 900 ग्राम की कीमत 80 है।

केएमएफ के अधिकारियों के अनुसार, हालांकि बैटर अभी केवल बेंगलूरु में ही बेचा जा रहा है, लेकिन आपूर्ति शहर के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में अधिक केंद्रित है। बेंगलूरु एक बड़ा शहर है, और यह सुनिश्चित करने में हमें कुछ समय लगेगा कि बैटर व्यापक रूप से उपलब्ध हो। हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, और हम अपने उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जो वर्तमान में 5,000 किलोग्राम प्रति दिन है। हमें लगा कि उत्पाद को लोकप्रिय होने में कम से कम एक महीने या उससे अधिक समय लगेगा, लेकिन 10 दिनों में ही इसकी भारी मांग होने लगी। केएमएफ की योजना बेंगलूरु में प्रतिक्रिया के आधार पर कर्नाटक के अन्य जिलों में भी बैटर पेश करने की है।

बाजार में अन्य निजी ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए लॉन्च किए गए इस बैटर को आजमाने वाले अधिकांश ग्राहक उत्पाद से प्रभावित हुए। जयनगर के निवासी श्रीहर्ष एम. ने कहा हमें 450 ग्राम का पैकेट मिला और हम छह डोसा बना सकते थे। इसका स्वाद अच्छा था और बनावट कुरकुरी थी और यह उन कई अन्य बैटरों से बहुत बेहतर था जो हम नियमित रूप से खरीदते थे।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। *हुब्बल्ली सहित राज्य के अनेक क्षेत्रों में यात्री सेवाओं में सुधार लाने के लिए पिछले कई वर्षों से कार्यरत प्रवासी ट्रैवेलर्स एसोसिएशन के राज्य कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक को दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेन्द्र सिंघी, भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली मंडल सलाहकार समिति सदस्य (डीआरयूसिसी) गोपाल कृष्णा ने सम्मानित कर आगे भी इसी प्रकार कार्य करने के लिए प्रेरित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *भारतीय जैन संगठन के चामराजपेट चैप्टर ने युवाह फाउंडेशन कार्यक्रम के तहत टेन पिन बॉलिंग नेशनल चैंपियन आकाश मरलेचा को सम्मानित किया। इस मौके पर बेंगलूरु क्षेत्र अध्यक्ष सुरेश कनुगा, राज्य वैवाहिक प्रमुख पुष्पा लुंकड, चामराजपेट अध्यक्ष सुशील, चामराजपेट अध्याय सचिव सुनीता मरलेचा, सदस्य विनोद कोठारी, सुनीता बाफना और नेहा ओस्तवाल आदि लोग मौजूद थे।*

विधायक यशपाल सुवर्णा ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

कलसांका जंक्शन पर फ्लाईओवर बनाने का अनुरोध

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी शहर में बढ़ती यातायात भीड़ से निपटने के लिए, विधायक यशपाल सुवर्णा ने सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी के माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को एक अनुरोध प्रस्तुत किया है,

जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तहत कलसांका जंक्शन पर एक फ्लाईओवर के निर्माण की मांग की गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 169ए पर एक महत्वपूर्ण बिंदु कलसांका जंक्शन, उडुपी कृष्ण मठ, मणिपाल और अंबागिलु जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ता है। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण, विशेष रूप से छुट्टियों के दिनों में, इस क्षेत्र में अक्सर गंभीर यातायात जाम का सामना करना पड़ता है, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा होती है।

स्थायी समाधान की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, विधायक यशपाल सुवर्णा ने आगामी नगर परिषद की बैठक में एक प्रस्ताव पेश करने का भी प्रस्ताव रखा है, जिसमें केंद्र सरकार से फ्लाईओवर परियोजना को मंजूरी देने का आग्रह किया गया है। अनुरोध के जवाब में, कोटा के सांसद श्रीनिवास पुजारी ने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही विधायक यशपाल सुवर्णा के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर परियोजना की मंजूरी के लिए दबाव डालेंगे। इसका उद्देश्य कार्रवाई में तेजी लाना और कलसांका जंक्शन पर यातायात की समस्याओं का समाधान करना है, ताकि निवासियों और आगंतुकों के लिए आवागमन का एक सुगम अनुभव सुनिश्चित हो सके।

क्या आप ऐसे बात कर रहे हैं जैसे आपने विधायक को फंड देकर एहसान किया हो?

पाखंड छोड़ें, सीएम पद से इस्तीफा दें

सीबीआई जांच के लिए प्रस्तुत हों: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मैसूरु मुडा घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस्तीफा देने से पहले मामले को सीबीआई जांच के लिए सौंप दिया जाना चाहिए। यहां शनिवार को शिवानंद सर्कल के पास अपने आवास के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्नेहमई कृष्णा ने मुडा घोटाले के सर्वव्यापी भ्रष्टाचार को उजागर किया है। भाजपा और जेडीएस पार्टी इसके खिलाफ सदन के अंदर और बाहर संघर्ष करती रही है। उन्होंने बताया कि हमने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री को रोका था। मुडा घोटाले में शुक्रवार को अहम मोड़ आ गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 300 करोड़ से अधिक की अचल संपत्ति जब्त की है। मुडा घोटाले में यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री ने अवैध तरीके से

अपने परिवार के लिए 14 भूखंड हासिल किये हैं। उन्होंने बताया कि घोटाले से मुडा को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

यह स्पष्ट है कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने गरीबों को जो भूखंड आवंटित किए जाने चाहिए थे, उन्हें रियल एस्टेट उद्यमियों और दलालों को दे दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और मुडा को हजारों करोड़ का नुकसान होना एक बार फिर साबित हो गया है। उन्होंने मामले को प्रकाश में लाने के लिए स्नेहमई कृष्णा को बधाई दी। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार ने स्नेहमई कृष्णा की आवाज को दबाने का काम किया है। राज्य सरकार स्नेहमई कृष्णा को गिरफ्तार करने की हद तक भी गई थी।

उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया अपने कृत्यों से एक बार फिर अपराधी की स्थिति में खड़े हो गये हैं। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्री ने सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने वाले माननीय राज्यपाल पर भी आपत्ति जताने का काम किया था। उन्होंने राज्यपाल द्वारा मुकदमा चलाने की अनुमति देने के बाद ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि यह कोई अपराध है। प्रथम दृष्टया, मुडा घोटाले में गलती और भूल थी। साथ ही उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट ने एक बार फिर कहा है कि प्रथम दृष्टया यह साबित हो गया है कि सीएम के परिवार को 14 प्लॉट अवैध तरीके से दिए गए हैं। हमें सिद्धरामैया से कोई नफरत नहीं है। लेकिन अपराध होने पर, गलत काम होने पर मुख्यमंत्री को पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। मुख्यमंत्री को स्वेच्छा से मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप देना चाहिए था। उन्होंने आपत्ति जताई कि घोटाला काफी लंबा खिंच गया है। सिद्धरामैया और प्रियांक खड़गे निर्वाचन क्षेत्र को 10 करोड़ देकर हम पर एहसान कर रहे हैं? कई विधायक बिना फंड के हताश हैं। सरकार संभाले 2 साल हो गए हैं। उन्होंने आलोचना की कि अगर उन्होंने हमारे क्षेत्रों के विकास के लिए 50 करोड़ रुपये नहीं दिये हैं तो वे सरकार कैसे चला रहे हैं। उनका कर्तव्य है कि वे खेतों के विकास के लिए पैसा दें। सरकार कोई अहसान नहीं कर रही है। उन्होंने इस संबंध में तत्काल धनराशि जारी करने की मांग की।

राज्य में सिलसिलेवार लूट की वारदातों को लेकर पुलिस अलर्ट पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के तीन सीमावर्ती जिलों में डकैती की घटनाओं से राज्य पुलिस सतर्क हो गई है और इन तीन डकैती की घटनाओं के मद्देनजर राज्य के पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों में सतर्कता बरतने के आदेश दिए हैं। शहर के पुलिस आयुक्त, जोनल आईजीपी और सभी एसपी को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। डीजीपी और आईजी ने सुझाव दिया है कि बैंक, सहकारी समितियां, एटीएम समेत वित्तीय लेनदेन करने वाली संस्थाओं को लेकर सावधानी बरती जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि वित्तीय संस्थानों और बैंकों में सीसी कैमरे लगवाए जाएं और सशस्त्र सुरक्षा गार्ड नियुक्त किए जाएं। एटीएम में पैसा भरने आने वाली एजेंसी की गाड़ियों में अनिवार्य रूप से सशस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं, बैंकों के सामने आने वाली घटनाओं से सचेत रहने के लिए सुरक्षा गार्ड नियुक्त किए जाएं। लूटपाट की ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए बाहर से आने वाले लोगों पर नजर रखी जाए। इस संबंध में जिला एसपी, नगर आयुक्त, वित्तीय लेनदेन संगठनों के साथ बैठक कर चर्चा की जानी चाहिए। इससे पहले बीदर में लुटेरों ने दिनदहाड़े एसबीआई दफ्तर के सामने एटीएम में पैसे भरने आए एजेंसी के वाहन स्टाफ पर फायरिंग कर दी थी, जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। दक्षिण कन्नड़ जिले के उल्लाल पुलिस स्टेशन के तहत सहकारी बैंक के पास शुक्रवार दोपहर 1.20 बजे के आसपास एक कार में तीन लोग आए और कर्मचारियों को बंदूक से धमकाया और 6 करोड़ के सोने के गहने एक बैग में भरकर बिना किसी डर के भाग गए। यह एक चिंताजनक घटनाक्रम है कि लुटेरे दिनदहाड़े वित्तीय संस्थानों में घुसकर भय का माहौल बना रहे हैं और पैसे तथा आभूषण लूट रहे हैं।

भाजपा मुडा घोटाले में चाहे जितनी भी गहराई में जाए, उन्हें पलट दिया जाएगा: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा मुडा घोटाले में चाहे जितनी भी गहराई में जाए, उन्हें पलट दिया जाएगा और उनकी नाक काट दी जाएगी।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मुडा घोटाले में छापेमारी के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी करने वाले प्रवर्तन निदेशालय पर टिप्पणी कर कहा हम शुरू से कह रहे हैं कि पिछले 10-15 साल से नगर विकास विभाग में जो कुछ हुआ है, उसकी जांच होनी चाहिए। हमने कई बार मांग की है कि आयकर प्रवर्तन निदेशालय से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी होगा सब कुछ कानून के मुताबिक किया जाएगा। किसी भी अवैध चीज के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। मुडा में भाजपा और जेडीएस के भी पार्टी सदस्य थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद कहा कि लोगों को पता होना चाहिए कि उनके

प्रशासन में क्या हो रहा है। किसी भी जांच में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। आयकर, प्रवर्तन निद-ेशालय, राज्यपाल कार्यालय के प्रतिनिधियों समेत जिसे चाहें भेज दें। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि मंत्रियों को राज्य में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मुंह बंद करके काम करना चाहिए, प्रियांक खड़गे ने वही दोहराया जो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव ने पहले कहा था। जो भी बदलाव होंगे, पार्टी संगठन का खाका हाईकमान तय करेगा। जनता ने ताकत दी है। हर किसी को इसका इस्तेमाल करने की इजाजत है। मुँह पर आयी बात बोलना उचित नहीं है, कहावत है कि चुगली से चूल्हा और वाणी से घर बिगड़ जाता है। किसी के मुंह पर ताला नहीं लगाया जा सकता। सभी को विवेक के अनुसार कार्य करना चाहिए। आपको उस संवेदनशी-लता के प्रति जागरूक रहना होगा। अनुयायियों को जिला पंचायत, तालुक पंचायत का टिकट देने, विधायक, विधान परिषद सदस्य, सांसद बनने के लिए कांग्रेस बी फॉर्म की आवश्यकता होती है। सत्ता मिलने के बाद हर वक्त सवाल पूछना सही नहीं है। ऐसे में उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया है। राजनीति में दोस्तों का बार-बार मिलना स्वाभाविक है। आलाकमान ने ऐसी कोई बैठक न करने की बात नहीं कही है। उन्होंने कहा भाजपा पहले अपनी पार्टी का ख्याल रखे। उनकी पार्टी के नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि विजयेंद्र संक्रांति के बाद बदल जाएंगे। भाजपा के अपने ही नेता इस बात पर गंभीर चर्चा कर रहे हैं कि भाजपा को कैसे खत्म किया जाए और कैसे नेतृत्व परिवर्तन किया जाए। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि हमारे यहां ऐसा माहौल नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर रोजगार गारंटी योजना में नये कार्य करने हेतु अपनाये जाने वाले परिवर्तनों के संबंध में अनुरोध प्रस्तुत किया है।

मुडा घोटाला मामला : मैसूरु सांसद ने नैतिक आधार पर सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व राजपरिवार के सदस्य और मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा (वाईकेसी) वाडियार ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बयान दिया था कि उसने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले में अनियमितताओं के चलते 300 करोड़ रुपये की 142 अचल संपत्तियों को जब्त किया है। ईडी मैसूरु में कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा मुडा में कथित घोटाले में दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रहा है, जिसमें सिद्धरामैया मुख्य आरोपी हैं। मैसूरु में शनिवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए वाईकेसी वाडियार ने कहा कि सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि यह साबित हो चुका है कि मुडा में घोटाला हुआ है। घोटाला सामने आने के तुरंत बाद हमने सीएम के इस्तीफे की

मांग की थी। लेकिन, उन्होंने कहा था कि इसकी जांच होनी चाहिए। अब, जबकि ईडी ने जांच की है और अनियमितताओं की पुष्टि करते हुए एक बयान जारी किया है।

सिद्धरामैया को इस्तीफा दे देना चाहिए और निष्पक्ष जांच में मदद करनी चाहिए। जांच के बाद, अगर यह साबित हो जाता है कि वह निर्दोष हैं, तो वह फिर से पद संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा सीएम के इस्तीफे के लिए अपनी लड़ाई फिर से शुरू करेगी, क्योंकि यह मुडा को साफ करने की दिशा में पहला कदम है। मुडा को पूरी तरह से साफ होने में अभी दो साल और लगेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा को पार्टी से निष्कासित करने की याचिका के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में वाडियार ने कहा ऐसा लगता है कि पूर्व सांसद के हालिया कार्यों से कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा हुआ है।

पिछले तीन महीनों में उनके बयानों और कुछ घटनाओं ने कार्यकर्ताओं को परेशान किया होगा। इसलिए, उन्होंने याचिका दायर की है। उन्होंने कहा पत्र पर पार्टी के नेता फैसला करेंगे। लेकिन, व्यक्तिगत रूप से, मैं नहीं चाहता कि कोई भी पार्टी छोड़े। कर्नाटक में एक विपक्षी दल के रूप में, हमें एकजुट रहना चाहिए और एक साथ लड़ना चाहिए। आंतरिक संघर्ष और असंतोष नहीं होना चाहिए। हमें सब कुछ ठीक करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। बेंगलूरु पैलेस मुद्दे पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए वाडियार ने कहा कई वर्षों से पैलेस और कर्नाटक सरकार के बीच कानूनी संघर्ष चल रहा है। राजनीति में मेरे प्रवेश ने इसे और नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा संघर्ष तब शुरू हुआ जब सिद्धरामैया दशकों पहले पहली बार उपमुख्यमंत्री बने थे। सरकार द्वारा पैलेस को निशाना बनाए जाने में कोई आश्चर्य नहीं है। हमें हमेशा निशाना बनाया गया है। हम कानूनी रूप से हर चीज का सामना करेंगे।

ईडी ने सीएम से जुड़े मुडा घोटाले में 300 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को झटका देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जिनका बाजार मूल्य करीब 300 करोड़ रुपये है। इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पहले नंबर पर आर-ोपी हैं और मुडा के जरिए अवैध आवंटन करवाने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच चल रही है। उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती दूसरी आरोपी हैं। ईडी ने एक बयान में कहा पूर्व मुडा आयुक्त डी.बी. नटेश की भूमिका मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को मुआवजा स्थलों के अवैध आवंटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली के रूप में सामने आई है। जांच के दौरान की गई तलाशी में यह भी पता चला कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को आवंटित 14 साइटों के अलावा, बड़ी संख्या में साइटों को मुडा द्वारा अवैध रूप से रियल एस्टेट व्यवसायियों को मुआवजे के रूप में आवंटित किया गया है, जिन्होंने बदले में इन साइटों को भारी मुनाफे पर बेच दिया है

और भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी अर्जित की है। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया है कि मुडा द्वारा अवैध आवंटन की राशि हजारों करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा कि इस तरह से अर्जित लाभ को वैध स्रोतों से प्राप्त दिखाया गया है। ईडी ने कहा छापेमारी में यह भी पता चला कि साइटों को प्रभावशाली व्यक्तियों और रियल एस्टेट व्यवसायियों के बेनामी/डमी व्यक्तियों के नाम पर आवंटित किया गया है। तत्कालीन मुडा अध्यक्ष और मुडा आयुक्त को अचल संपत्ति, मुडा साइटों, नकदी आदि के रूप में अवैध रिश्वत के भुगतान के संबंध में सबूत बरामद किए गए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इस तरह से प्राप्त अवैध रिश्वत को और अधिक वैध स्रोतों से प्राप्त दिखाया गया। ईडी ने कहा जब्त की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं, जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने मैसूरु के लोकायुक्त पुलिस द्वारा आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ दर्ज एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। आरोप है कि सिद्धरामैया ने मुडा द्वारा अधिग्रहित 3 एकड़ 16 गुंटा भूमि के बदले अपनी पत्नी बी.एम. पार्वती के नाम पर 14 साइटों का मुआवजा पाने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया है। यह भूमि मूल रूप से मुडा द्वारा 3.24 लाख रुपये में अधिग्रहित की गई थी। मैसूरु के पॉश विजयनगर इलाके में 14 साइटों के रूप में मुआवजे की कीमत लगभग 56 करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा कि यह भी पता चला है कि जी.टी. दिनेश कुमार, जो मुडा के पिछले आयुक्त थे, के खिलाफ आगे की जांच चल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अवैध आवंटन के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनकी पत्नी पार्वती ने आवंटित 14 साइटें मुडा को वापस कर दी थीं। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई 27 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोकायुक्त के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को मामले की अगली सुनवाई की तारीख से एक दिन पहले जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करने का निर्देश दिया।

मीडिया जगत इन दिनों बहुत सारे बदलावों से गुजर रहा: गृह मंत्री

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मीडिया जगत इन दिनों बहुत सारे बदलावों से गुजर रहा है, ऐसा लगता है कि यह राह के दोराहे पर चल रहा है और यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बन गया है। सिद्धार्थ टेक्निकल यूनिवर्सिटी में कर्नाटक एसोसिएशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित पत्रकारों के 39वें राज्य सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले पत्र रेन मोल्ड का उपयोग करके तैयार और मुद्रित किए जाते थे। हालाँकि, आज तकनीक बहुत बदल गई है। हमारे पास तुरंत समाचार पत्र छापने की तकनीक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की चौथी भुजा पत्रकारिता में काफी बदलाव आये हैं और एक बटन दबाते ही चटपटी खबरें आप तक पहुंच जाती हैं। कहा जा रहा है कि अखबार पढ़ने वालों की संख्या कम हो रही है। हालाँकि, वे केवल कुछ वर्ग के समाचार पत्र पढ़कर ही जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। पत्रकारों में समाज को बदलने की ताकत है। उन्होंने पत्रकारों से वस्तुनिष्ठ रिपोर्टों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उद्घाटन से पहले परमेश्वर ने पत्रकारों के 39वें राज्य सम्मेलन के जुलूस का उद्घाटन किया।

थलसेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा

रोजगार में कमी, अस्थिर सीमाएं समेत कई मुद्दों पर ध्यान देना होगा

सूरत, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

थल सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने शुक्रवार को सूरत लिटफेस्ट 20225 में राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत 2047 विषय पर बात की। उन्होंने बताया कि रोजगार के पर्याप्त अवसरों की कमी, अस्थिर सीमाएं कुछ ऐसी कमजोरियां हैं जिन पर भारत को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है। थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि 2047 के भारत को अपने प्रतिक्रिया तंत्र को एकीकृत करना चाहिए और जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में अपनी आंतरिक समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा, हमारी ताकत भौगोलिक स्थिति, युवा, आर्थिक विकास, फार्मा और

आइटी है, जिसमें हम प्रगति कर रहे हैं। हमारी कमजोरी क्या है? पहला, पर्यावरण परिवर्तन, दूसरा, हमारा विनिर्माण क्षेत्र मजबूत नहीं है और तीसरा, हमारे पास रोजगार के उतने अवसर नहीं है। चीन और पाकिस्तान के साथ हमारी सीमा विकसित नहीं है। हमें मानव विकास सूचकांक में सुधार करना होगा।

सुब्रमणि ने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम समाज के आंतरिक मुद्दों पर काम करें, चिंताओं को कम करें और विकास की तरफ बढ़े। तभी हमारी आतंरिक सुरक्षा बेहतर होगी। उन्होंने कहा, जम्मू और कश्मीर, मणिपुर और नेपाल से संबंधित मुद्दों को हल करना होगा, ताकि सामाजिक और सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे और 2047 तक भारत विकसित देश बन जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने बताया कि आर्थिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अगर राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा समान नहीं होगा तो भारत कभी प्रगति नहीं पाएगा।

थलसेना उपप्रमुख ने बताया कि आज अर्थव्यवस्था को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। दुनिया को विभिन्न ब्लॉकों में विभाजित किया जा रहा है। देश वैश्वीकरण के खिलाफ जा रहा है और क्षेत्रीय ब्लॉक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा में भारत भी प्रभावित है। सीमा मुद्दों पर उन्होंने कहा, पाकिस्तान और चीन के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं। हम हिंद सागर में अपना प्रभुत्व बनाए रखते हैं। हम तकनीकी समाधानों का उपयोग करके अपनी सुरक्षा का प्रबंधन करते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा, जहां तक आंतरिक सुरक्षा का सवाल है तो अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू कश्मीर की स्थिति सामान्य है और हाल के चुनावों में यहां 60 फीसदी से अधिक मतदान हुआ। उन्होंने आगे बताया कि 2047 में भारत एक ऐसा देश होगा जहां दुनिया भर के लोग रहना चाहेंगे। इसके लिए अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की होनी चाहिए।

प्राचीन शिवलिंग, जलाधारी और नागदेव की प्रतिमा मिली

भोपाल, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश का दमोह जिला एक बार फिर चर्चा में है। तेंदूखेड़ा विकासखंड में आने वाले गांव दोनी में प्राचीन शिवलिंग, जलाधारी और नागदेव की प्रतिमा मिली है। कलचुरी काल के होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन अभी इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

दोनी गांव में पुरातत्व विभाग सर्वे कर रहा है। शुक्रवार को खुदाई के दौरान सदियों पुराने भग्नावशेष मिले हैं। फिलहाल इस बारे में पुरातत्व विभाग की ओर से तो कुछ नहीं कहा जा रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों ने यहां शिवलिंग, जलाधारी और नागदेव की पाषाण प्रतिमा निकलने का दावा किया है। दमोह के दोनी गांव में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर है। जिला प्रशासन की पहल के बाद यहां सर्वे किया जा रहा है। यहीं सास-बहू के नाम से एक प्राचीन

बहर (कुंड) है। इसका जीर्णोद्धार चल रहा है, जिसमें पाषाण मूर्तियां और भग्नावशेष पाए गए हैं। शिवलिंग और जलाधारी मिलने की खबर फैलने के बाद यहां दर्शन करने वालों का तांता लग गया है। गांव वालों ने इन प्रतिमाओं को प्रतिस्थापित कराने के लिए एक मंदिर बनाने की भी बात कही है। ग्रामीणों का कहना है कि खुदाई के दौरान बड़ी संख्या में सर्प निकले और इसके बाद नागदेव की पाषाण आकृतियां भी निकलीं।

दोगी गांव में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर कलचुरी कालीन बताया जा रहा है, जो कि युवराज देव के शासकाल के होने का दावा किया जा रहा है। उस दौर में पहले चरण मंदिर हैं। पुरात्तव विभाग की आयुक्त उर्मिला शुक्ला ने बताया कि खुदाई कार्य तीन महीने से किया जा रहा है। अभी आगे और काम किया जाएगा।

कांग्रेस के विद्वान नेता का फिर आया विद्वत वक्तव्य

राहुल गांधी ने बिहार की जातिगत जनगणना को फर्जी बताया

पटना, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोलते हुए कांग्रेस के विद्वान सांसद लोकसभा में विपक्ष के गंभीर नेता राहुल गांधी ने कहा, देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जातिगत जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जातिगत जनगणना जैसी नहीं होगी, जातिगत जनगणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए, कांग्रेस जातिगत जनगणना को लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। हम 50% आरक्षण की बाधा को ध्वस्त कर देंगे।

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा, इस किताब (भारत के संविधान) में कहां लिखा है कि भारत की सारी सम्पत्ति सिर्फ दो से तीन लोगों के हाथ में चली जानी चाहिए, आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई ताकत नहीं है। जब मैं पिछड़े समुदाय, दलितों, आदिवासियों से ताल्लुक रखने वाले भाजपा सांसदों से मिलता हूं तो वे कहते हैं कि हमें पिंजरे में डाल दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा, हम चाहते थे कि जैसे गंगा का पानी हर जगह बहता है, वैसे ही संविधान की विचारधारा भी देश के हर व्यक्ति, हर संस्था तक पहुंचे। कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी नहीं मिली थी। अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कह रहे हैं कि भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी नहीं मिली, तो वह भारत के संविधान को खारिज कर रहे हैं। वह भारत की हर संस्था से डॉ. बीआर अंबेडकर, भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी की विचारधारा को मिटा रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतरे 1521 उम्मीदवार

नई दिल्ली सीट पर हुआ सबसे अधिक नामांकन

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया 17 जनवरी को पूरी हो गई है। 10 जनवरी से 17 जनवरी के बीच कुल 981 उम्मीदवारों ने कुल 1521 नॉमिनेशन भरे हैं। चुनाव से जुड़े अधिकारी ने बताया कि शनिवार को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसमें जिस भी दस्तावेज में कुछ गड़बड़ी होगी, उसका नामांकन पत्र रद्द किया जाएगा। सबसे ज्यादा नामांकन नई दिल्ली विधानसभा सीट पर भरे गए हैं। यहां पर 29 प्रत्याशियों ने 40 नॉमिनेशन फाइल किए।

नई दिल्ली विधानसभा सीट काफी चर्चित सीट है। इस सीट से दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल चुनावी दंगल में हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी से पूर्व दिल्ली के सीएम के बेटे प्रवेश वर्मा टक्कर दे रहे हैं। इन दोनों का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित से है। 20 जनवरी तक जो भी उम्मीदवार अपना नामांकन वापस लेना चाहते हैं तो वह वापस ले सकते हैं। दिल्ली में पांच फरवरी को वोटिंग होगी और 8 फरवरी को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली के चुनावी दंगल में अकेले उतरी है। वहीं भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में अपने साथियों के साथ में ही चुनाव लड़ रही है।

पार्टी ने जेडीयू और लोजपा रामविलास को दो सीटें दे दी हैं। दिल्ली की बुराड़ी सीट नीतीश कुमार की जेडीयू और देवली सीट लोजपा रामविलास को दी गई है। जेडीयू ने बुराड़ी सीट से शैलेंद्र कुमार को मैदान में उतारा है और उनका मुकाबला तीन बार के विधायक रहे आपा के संजीव झा से है। वहीं देवली सीट से लोजपा ने दीपक तंवर को टिकट दिया है।

दिल्ली में आखिरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार 1993 में बनी थी। उस समय मदनलाल खुराना दिल्ली के सीएम बने थे। उस साल के चुनाव में वीपी सिंह के मंडल की राजनीति का असर दिल्ली में भी साफ तौर पर दिखा था और जनता दल ने राज्य के 12 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल किए थे।

वही कांग्रेस को करीब 35 फीसदी और भाजपा को करीब 43 फीसदी वोट मिले थे। साल 1993 में 49 सीटों पर मिली बड़ी जीत के बाद भी उस दौरान पांच साल में भाजपा को तीन बार मुख्यमंत्री बदलने पड़े थे। भाजपा ने पहले मदनलाल खुराना, फिर साहिब सिंह वर्मा और आखिर में सुषमा स्वराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया था।

एक देश-एक चुनाव पर कानून मंत्री मेघवाल की दो टूक

एक साथ चुनाव कराना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक देश एक चुनाव की हिमायत की। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है। मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से शासन में सुधार होगा।

मंत्री मेघवाल ने एक इंटरव्यू में कहा कि 1952 से पहले के कुछ लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे। अगर वह संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं थे, तो अब क्यों कोई समस्या होगी। उन्होंने कहा कि जो लोग एक देश, एक चुनाव का विरोध कर रहे हैं, वे राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चाहते थे कि सदन की एक समिति मसौदा कानूनों की जांच करे। संयुक्त समिति की पहली बैठक में विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि ने सदस्यों को एक साथ चुनाव कराने के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया था। 39 में से 38 सदस्यों ने इस बैठक में भाग लिया

था। सभी दलों के लोग थे।

मेघवाल ने कहा, अब आरोप लगा रहे हैं कि यह संघीय ढांचे के खिलाफ है। मैं कहना चाहता हूं कि 1952 के चुनाव हुए, सभी विधानसभाओं के चुनाव भी एक साथ हुए। 1957, 1962 के चुनाव एक साथ हुए थे। 1967 के चुनाव एक साथ हुए। तब संघीय ढांचा खराब नहीं हुआ तो अब यह कैसे खराब हो जाएगा? उन्होंने यह भी कहा कि एक साथ चुनाव कराने से सुशासन को बढ़ावा मिलेगा और विकास की गति बढ़ेगी। आदर्श आचार संहिता के कारण समय-समय पर उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों को दूर किया जाएगा।

कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति में विपक्ष के सदस्यों को समझाया गया है कि समकालिक प्रणाली क्या है और उन्होंने इसे समझ लिया है। लोकसभा की नियत तारीख क्या है, यह उन्हें भी बता दिया गया है, वे सब कुछ समझ गए हैं। अगर अब कोई विरोध कर रहा है तो यह सब राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। वक्फ संशोधन बिल के मसले पर कानून मंत्री ने कहा कि इस पर संसद की संयुक्त समिति विचार कर रही है और जब रिपोर्ट तैयार हो जाएगी, तब इसे संसद में पेश किया जाएगा। मेघवाल ने सवाल करते हुए कहा, लेकिन यह कैसे हो सकता है कि एक दिन आप आएंगे और कहेंगे कि यह वक्फ की सम्पत्ति है और यह वक्फ की सम्पत्ति बन जाएगी? उन्होंने कहा कि अतिक्रमण की स्थिति में एक व्यवस्था होनी चाहिए। समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद इसे संसद में पेश किया जाएगा। उपासना स्थल कानून के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब मामला उच्चतम न्यायालय में है तो इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्धता 10 साल में 12.5 प्रतिशत से बढ़ कर 22.4 प्रतिशत: खट्टर

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने संसद की एक समिति को बताया कि पिछले 10 वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति में बड़ा सुधार है और इन क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता अब 12.5 घंटे से बढ़कर 22.4 घंटे हो गयी है और बिजली वितरण में सुधार के कार्यक्रम प्रगति पर हैं।

उन्होंने बताया कि एक दशक में शहरी क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता 22 घंटे से बढ़कर 23.4 घंटे हो गयी है। श्री खट्टर विद्युत मंत्रालय से सम्बद्ध संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की अध्यक्षता कर रहे थे। राजधानी में 16 जनवरी 2025 को हुई इस बैठक में बिजली क्षेत्र में सुधार के नीति और कार्यक्रमों के अनुपालन में प्रगति की जानकारी दी गयी।

विद्युत मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्यान्वयन पर चर्चा करते हुये मंत्री ने कहा कि स्मार्ट मीटर बिलिंग त्रुटियों को कम करके, ऊर्जा दक्षता को बढ़ाकर

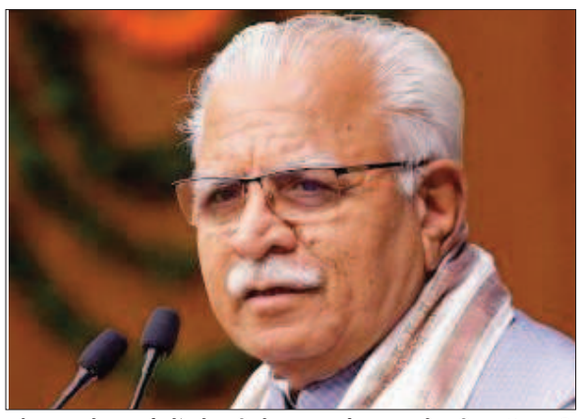

और उपयोगकर्ताओं के लिये अधिक सुविधा प्रदान करके उपभोक्ता और वितरण कंपनियों दोनों को लाभान्वित करते हैं। इससे डिस्कॉम को घाटे को कम करने, बिजली खरीद लागत का अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण आदि में मदद करते हैं।

बैठक में बिजली राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने सेवा की गुणवत्ता में सुधार और उपभोक्ता विश्वास का निर्माण करने में पुन: वितरित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरडीएसएस के तहत परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन से डिस्कॉम की वित्तीय स्थिरता मजबूत होगी केंद्र सरकार से 97,631 करोड़ रुपये मिले हैं।

बैठक को बताया गया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक निगरानी समिति (एमसी) की 45 बैठकें हो चुकी हैं। 19.79 करोड़ स्मार्ट उपभोक्ता मीटर, 52.53 लाख वितरण ट्रांसफार्मर (डीटी) मीटर और 2.1 लाख फीडर मीटर को कवर करने वाले सिस्टम मीटरिंग कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, 32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये के नुकसान कम करने के कार्यों को मंजूरी दी गयी है।

विज्ञप्ति के अनुसार अब तक 1.12 लाख करोड़ रुपये के कार्यों को मंजूरी दी गयी है जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अलावा, स्मार्ट मीटर के कामों में भी तेजी आई है। अब तक लगभग 11.5 करोड़ स्मार्ट उपभोक्ता मीटर, 45 लाख डीटी मीटर और 1.70 लाख फीडर मीटर दिए जा चुके हैं और इनकी स्थापना की जा रही है।

बैठक में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर वितरण कंपनियों का सकल तकनीकी एवं वाणिज्यक बिजली नुकसान (एटीएंडसी नुकसान) वित्त वर्ष 2020-21 में 22.32 प्रतिशत था, जो घटकर 2022- 23 में 15.37 प्रतिशत पर आ गया है। अधिकांश राज्य अब सब्सिडी और सरकारी विभाग के बकाये का समय पर भुगतान कर रहे हैं।

बैठक में संसदीय समिति के सदस्य, पंकज अग्रवाल, सचिव (विद्युत) और विद्युत मंत्रालय के अन्य अधिकारी, सीईए के अध्यक्ष और आरईसी लिमिटेड और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीएमडी ने भाग लिया।

सैफ हमला : संदिग्ध को हिरासत में लेने मुंबई पुलिस की टीम मध्य प्रदेश रवाना

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के मामले में 31 वर्षीय एक संदिग्ध को शनिवार दोपहर छत्तीसगढ़ के दुर्ग से हिरासत में लेने के बाद मुंबई पुलिस की एक टीम मध्य प्रदेश के लिए रवाना हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मुंबई पुलिस की सूचना के आधार पर दुर्ग में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है।

अभी भी हालाँकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि संदिग्ध वास्तविक हमलावर है या अपराध से जुड़ा कोई व्यक्ति है। मुंबई पुलिस ने हिरासत को लेकर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है।

गौरतलब है कि सैफ अली खान पर 15 और 16 जनवरी की रात को उनके बांद्रा स्थित आवास में घुसे एक घुसपैठिए ने छह बार चाकू मारा था। हमलावर अभी भी फरार है और मुंबई पुलिस ने उसकी तलाश में बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 20 टीमें बनाई हैं।

श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे

श्रीनगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शनिवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

श्रीनगर के मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 8.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में रात के न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ में संगम स्नान करना मेरा सौभाग्य: रक्षा मंत्री

महाकुंभ नगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में संगम तट पर सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। महाकुंभ के महासम्मेलन में भाग लेने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। बमरौली हवाई अड्डे पर उन्हें विधायक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने रिसीव किया। राजनाथ सिंह के साथ सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहे। प्रयागराज पहुंच कर रक्षा मंत्री ने सबसे पहले गंगा, यमुना, सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान कर, सनातन की जय, गंगा मैय्या की जय का उद्घोष किया। उन्होंने संगम तट से अक्षयवट, पातालपुरी और बड़े हनुमान जी का दर्शन कर, महाकुंभ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रक्षा मंत्री शाम को सेना के अधिकारियों के साथ महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग भी करेंगे।

महाकुंभ के दिव्य अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्य सभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा के जल का आचमन कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और राष्ट्र की मंगलकामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज प्रयागराज, संगम में मैंने स्नान किया। यह भारतीयता का आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महापर्व है। किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ इसे

जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। किसी को यदि भारत और भारतीयता को समझना है तो आकर महाकुंभ को देखिए।

रक्षा मंत्री अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बमरौली हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर से डीपीएस ग्राउंड नैनी पहुंचे। नैनी के अरैल घाट से जेटी के जरिए संगम पहुंच कर स्नान किया। संगम से वीआईपी घाट पर उतर कर अक्षयवट कॉरीडोर में प्रयागराज के छत्र अक्षयवट का दर्शन पूजन किया। इसके बाद रक्षा मंत्री ने पातालपुरी मंदिर और सरस्वती कूप का भी दर्शन किया। वहां से निकल कर बड़े हनुमान जी का दर्शन कर मंदिर में विशेष पूजन अर्चन किया। मंदिर के पुजारी जी का हाल चाल लिया और महाकुंभ के लिए की गई व्यवस्था के बारे में भी पूछा।

मंदिर में दर्शन पूजन कर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मेले का भ्रमण करते हुए सर्किट हाउस की ओर रवाना हुए। इस बीच साधु-संतों से मुलाकात के बाद रक्षा मंत्री महाकुंभ में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर में सेना के अधिकारियों से भी मीटिंग की। महाकुंभ में आतंकी हमले की धमकी और बम मिलने की अफवाह के मुताबिक किए गये सुरक्षा इंतजामों की भी उन्होंने जानकारी ली।

रक्षा मंत्री ने सीएम योगी को दी बधाई

महाकुंभ 2025 के कुशल संचालन को लेकर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर सराहना की और उन्हें साधुवाद दिया। अपने प्रयागराज दौरे पर त्रिवेणी संगम मैं आस्था की डुबकी लगाने के बाद रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े आयोजन और सबसे बड़े जन समागम का कुशल संचालन जिस तरह से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा किया गया है वह सराहनीय है। जिस श्रद्धा भाव से यह आयोजन किया जा रहा है उसके लिए मुख्यमंत्री को साधुवाद देता हूं। प्रशासनिक दृष्टि से भी यह आयोजन ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं।

संभल हिंसा : पाकिस्तानी मौलाना से जुड़े अकील को खोज रही पुलिस

संभल, 18 जनवरी (एजेंसियां)। संभल जिले में पिछले साल हुई हिंसा से जुड़े एक मामले में पुलिस ने एक युवक की तलाश तेज कर दी है, जो पाकिस्तानी मौलाना से वीडियो कॉल पर बातचीत करता हुआ देखा गया है। पुलिस ने इस मामले में वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में दिख रहा युवक, जिसका नाम मोहम्मद अकील बताया जा रहा है, पाकिस्तानी मौलाना से हिंसा में मारे गए लोगों को शहीद कहे जाने को लेकर चर्चा करता नजर आ रहा है।

वायरल वीडियो में अकील नाम का युवक पाकिस्तानी मौलाना से पूछ रहा है कि क्या मस्जिद के लिए मारे गए युवकों को शहीद कहा जा सकता है। युवक ने मौलाना से यह भी कहा कि गैर-मुस्लिम लोग पुराने धार्मिक स्थलों को कब्जाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर मौलाना ने मृतकों को शहीद कहे जाने का समर्थन किया, लेकिन साथ ही यह सलाह दी कि किसी भी तरह का विवाद कानून के दायरे में सुलझाया जाना चाहिए। मौलाना ने कहा कि प्रशासन या न्यायालय की शरण लेना ही उचित है और कानून अपने हाथ में लेना गलत है।

संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि अकील की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। साथ ही उस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की भी जांच की जा रही है, जिसका इस्तेमाल अकील ने पाकिस्तानी मौलाना से संपर्क करने के लिए किया था। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और सभी तथ्य स्थापित होते ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संभल में शाही जामा मस्जिद पर सर्वे के दौरान हुई पत्थरबाजी के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार को पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान मोहसिन (निवासी खग्गू सराय) और हुसैन (निवासी हिंदूपुरा) के रूप में हुई है। इन दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। एसपी ने जानकारी दी कि अब तक 59 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इनमें से 19 लोगों को थाना नखासा क्षेत्र से और 40 को कोतवाली संभल क्षेत्र से पकड़ा गया है। इसके अतिरिक्त नखासा क्षेत्र में अब तक 24 गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) जारी किए गए हैं, और जल्द ही 55 और एनबीडब्लू जारी किए जाएंगे।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि हिंसा में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में सोशल मीडिया पर फैलाए गए भ्रामक और भड़काऊ बयानों की भी जांच की जा रही है। एसपी ने जनता से अपील की है कि अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। संभल हिंसा के मामले में पुलिस की जांच जारी है, और भड़काऊ गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने यह भी साफ किया है कि कानून-व्यवस्था के खिलाफ काम करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

माफिया अतीक का गुर्गा पुलिस को चकमा देने में हुआ कामयाब

दुबई भाग निकला इनामी गुड्डू मुस्लिम

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या में शामिल शातिर अपराधी गुड्डू मुस्लिम जांच एजेंसियों को चकमा देकर दुबई फरार हो गया।

वह बीते 6 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से एतिहाद एयरलाइंस की कोलकाता-दुबई फ्लाइट से भाग गया। उसने सैयद वसीमुद्दीन के नाम से फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने यह सूचना यूपी पुलिस के साथ साझा की है।

24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के घूमनगंज इलाके में उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या में शामिल गुड्डू मुस्लिम लगातार फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए शासन ने 5 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया था। उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट और एसटीएफ कई महीनों तक उसे राजस्थान के अजमेर और ओड़ीशा के भुवनेश्वर में पनाह लेने की सूचना के बाद तलाशती रही, लेकिन वह हाथ नहीं लगा।

पाकिस्तानी महिला के बरेली में शिक्षक बनने का मामला

शुमायला खान की जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

बरेली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। फर्जी दस्तावेजों के सहारे शिक्षिका की नौकरी हासिल कर लेने वाली पाकिस्तानी महिला शुमायला खान पर अब गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। बरेली पुलिस उसे जल्द गिरफ्तार कर सकती है। बरेली में फर्जी दस्तावेजों के सहारे प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका की नौकरी हासिल कर लेने वाली पाकिस्तानी महिला शुमायला खान को बर्खास्त करने के साथ ही फतेहगंज पश्चिमी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोप है कि उसने फर्जी निवास प्रमाणपत्र लगाकर नागरिकता छिपाई और सहायक अध्यापक पद पर नौकरी भी पा ली। जांच में प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने पर तीन अक्टूबर 2024 को उसे निलंबित कर दिया गया था। वह 2015 से प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अब जल्द ही उसकी गिरफ्तारी भी हो सकती है।

फर्जीवाड़ा कर शिक्षिका बनी शुमायला और उनकी मां माहिरा लॉन्ग टर्म वीजा पर रामपुर में रह रही हैं। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पाकिस्तानी शिक्षिका शुमायला के विरुद्ध बरेली के फतेहगंज थाने में एफआईआर

दर्ज है। इस मामले में बरेली पुलिस विवेचना करेगी। इसकी मां का भी एक मामला पहले सामने आया था जिसमें वह शिक्षिका पद से बर्खास्त हुई थी।

रामपुर के बजोड़ी टोला में गली नंबर चार के मकान नंबर-20 निवासी शुमायला खान पुत्री एसए खान पर रिपोर्ट फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) भानु शंकर गंगवार ने दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उसकी नागरिकता को लेकर शिकायत आई थी। आरोप था कि वह पाकिस्तानी नागरिक है। इस मामले में विभाग ने उसके प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया था।

तहसीलदार सदर रामपुर की जांच में साफ हुआ था कि शुमायला का निवास प्रमाणपत्र फर्जी है। वास्तव में वह पाकिस्तानी नागरिक है। इसके बाद उसका प्रमाणपत्र पिछले साल निरस्त कर दिया गया था।

बेसिक शिक्षा विभाग ने कई बार स्पष्टीकरण मांगा पर वह प्रमाणपत्र की सत्यता नहीं साबित कर सकी। इस पर बीएसए संजय सिंह ने शुमायला को निलंबित कर दिया था। अब जांच के बाद उसकी सेवा समाप्त कर बीएसए ने रिपोर्ट बेसिक शिक्षा विभाग लखनऊ मुख्यालय भेज दी है।

शुमायला खान के दस्तावेजों की जांच वर्ष 2021 में मुरादाबाद एलआईयू से प्राप्त पत्र के बाद शुरू हुई थी। तत्कालीन नोटिस पर शुमायला ने जवाब दिया था कि मां माहिरा बेगम पाकिस्तान से वर्ष 1981 में भारत आईं थीं। तब वह दो वर्ष की थी। 1985 में रामपुर में मां की दूसरी शादी हुई। वर्ष 1992 में मां रामपुर के एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका बनीं। 2007 में रामपुर की पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में आवास आवंटित हुआ था। उसकी शिक्षा रामपुर में हुई। मीरगंज के राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज से बीएड किया था। हालांकि जांच में निवास प्रमाणपत्र फर्जी पाया गया था।

शुमायला को 2015 में नौकरी मिली थी। तब से प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक पद पर तैनात थी। सेवाएं समाप्त करने के साथ ही बीएसए संजय सिंह ने वेतन, भत्ता की रिकवरी प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके लिए विभागीय वित्त एवं लेखाधिकारी को पत्र भेजा गया है। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने बताया कि फतेहगंज पश्चिमी के खंड शिक्षा अधिकारी ने शुमायला खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

घरौनी बनाने में ड्रोन दीदी का भी लें सहयोग: सीएम योगी

सीएम ने लाभार्थियों को वितरित की घरौनी

लखनऊ, 18 जनवरी

देशभर में 2 करोड़ 23 लाख से अधिक घरौनियां बनायी गयी हैं जबकि अकेले उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ 50 हजार से अधिक घरौनियां बनायी गयीं। इनमें से 37 हजार से अधिक गांव की 55 लाख 14 हजार से अधिक घरौनियों को पहले ही वितरण किया जा चुका है। वहीं आज शनिवार को 29 हजार से अधिक गांव की 45 लाख 35 हजार से अधिक घरौनियों का वितरण किया गया। इससे गांवों में प्रापर्टी को लेकर होने वाले विवादों में कमी आयी है। पहले दबंग कमजोर व्यक्ति की जमीन पर

कब्जा कर लेता था, लेकिन पहली बार तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन सर्वे के माध्यम से गांवों में घरौनी (कानूनी दस्ता-वेज) के जरिए घर का मालिकाना हक दिया जा रहा है, जिसे अब कोई भी दबंग नहीं छीन सकेगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण कार्यक्रम में कही।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली बटन दबाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से संवाद भी किया। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर कई लाभार्थियों को घरौनी वितरित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में घरौनी के लाभार्थियों से संवाद कर उनसे इसके लाभ के बारे में जानकारी हासिल की। लाभार्थियों ने बताया कि उनको कानूनी दस्तावेज के रूप में घरौनी मिलने से व्यापार करने के लिए आसानी से बैंक से लोन मिल रहा है। साथ ही भूमि संबंधी विवाद भी खत्म हो गया है। पीएम ने कार्यक्रम में 4 राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश के लाभार्थी से संवाद किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घरौनियों के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले गरीब की 3 से 4 फुट जमीन दबंग इधर-उधर करके कब्जा कर लेते थे। वहीं स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन सर्वे के जरिये गरीबों को उनका हक दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ड्रोन सर्वे के जरिये गरीबों को उनका वास्तविक हक दिलाया है। सीएम ने कहा कि अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों को घरौनी वितरित की जा चुकी है। शेष 25 हजार को जल्द ही घरौनी वितरित की जाएगी।

सीएम ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब ग्रामीण क्षेत्र में आबादी की जमीन पर बसे हुए लोगों को उनकी जमीन का कानूनी हक दिया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 57,000 से अधिक ग्राम पंचायत हैं। इन ग्राम पंचायत में एक-एक ग्राम सचिवालय के निर्माण का कार्य हो रहा है, जिससे हर गांव में रोजगार का सृजन हो रहा है। आज नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में हर ग्राम पंचायत अपने यहां पांच से सात लोगों को रोजगार दे रहा है।

ऐसे में प्रॉपर्टी कार्ड भी अब स्वरोजगार के नये अवसर लेकर आया है। सीएम योगी ने राजस्व विभाग को निर्देश दिये कि शेष गांव में तय समय में पैमाइश कराकर लोगों को घरौनी दी जाए। इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए राजस्व विभाग को सर्वे ऑफ इंडिया से वार्ता करने के निर्देश दिये।

साथ ही ड्रोन सर्वे के लिए ड्रोन दीदी की सहायता लेने के निर्देश दिए। ऐसे में समय रहते शेष ग्रामीणों को घरौनी प्राप्त हो जाएगी। इससे जहां एक ओर राजस्व से जुड़े हुए तमाम वादों का निस्तारण होगा, वहीं आर्थिक विकास में भी तेजी आएगी। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, विधायक नीरज बोरा, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद आदि उप-स्थित थे।

खानपान

जानिए बच्चों को फिश खिलाने से क्या होता है फायदा और क्या है नुकसान

हर मां चाहती है उसके बच्चे को हर वो चीज़ मिले जिससे उसकी बेहतर ग्रोथ हो सके. वो सारे पोषक तत्व मिले जिससे बच्चे का ब्रेन शार्प बन सके ताकि वो आगे चलकर इंटेलिजेंट बनें. उसकी बोन्स मज़बूत हो सके ताकि भविष्य में लगने वाली चोटों से वो अंदर से सुरक्षित रहे. लेकिन अक्सर पेरेंट्स के साथ परेशानी आती है कि कौन-सा फूड बच्चों के लिए कितना अच्छा है और उसे किस मात्रा में खिलाना चाहिए. ऐसा ही एक फूड है मछली.

हाई-क्वालिटी प्रोटीन, आइरन और मिनरल्स से भरपूर मछली बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होती है. यह उनके दिल और दिमाग दोनों की सेहत को दुरुस्त करती है. सेलमॉन, एनकॉविज़ और सार्डिनेज़ जैसी मछलियों में भरपूर मात्रा में ओमेगा-3, विटामिन डी और DHA मौजूद होता है. ये गुण बाकि खाद्य पदार्थों से मिल पाना मुश्किल है. वहीं, ट्रूना, कोड, हेलिबट और मैकरेल जैसी मछलियां में भी कई और गुण पाए जाते है.

लेकिन कई मछलियों में मरक्यूरी भी पाई जाती है जो याद रखने की क्षमता को कमज़ोर करती है, नर्व सेल्स को विषैली बनाती है और आंखों को कमज़ोर बनाती है. इससे बचने के लिए बच्चों को सैलमॉन, स्वॉर्डफिश, ऑरेंड रॉफी और टिलापिया जैसी मछलियां खिलाएं, क्योंकि इन मछलियों में मरक्यूरी की मात्रा ना के बराबर होती है. यू.एस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन एंड एनवारमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी के सुझाव के अनुसार दो साल तक के बच्चों को हर हफ्ते 30 से 60 ग्राम तक की मात्रा में मछली खिलानी चाहिए. वहीं, इससे बड़े बच्चों में इसकी मात्रा इसी अनुसार बढ़ानी चाहिए.

ओमेगा-3 फैट्स

फैटी फिश ओमेगा-3 एसिड का बहुत अच्छा सोर्स होती है. बच्चों की दिमागी शक्ति को तेज़ बनाने के लिए यह बहुत ज़रूरी होता है. इसके अलावा मछली में मौजूद भरपूर मात्रा में आयरन, कैल्शियम, ज़िंक और मैग्निशियम भी बच्चों की बढ़ती उम्र के लिए बहुत फायदेमंद होती है.

आंखों और दिमाग के लिए

मछली में मौजूद विटामिन ए, डीएचए आंखों और दिमाग को मज़बूत बनाते हैं. यह तीनों चीज़ें नए ब्रेन टिश्यूज़ बनाती हैं और आंखों के रेटिना को नरिश करती हैं. इस वजह से दिमाग तेज़ और आंखों में लंबे समय तक विज़न की परेशानी नहीं होती.

याददाश्त बढ़ाए

मछली याददाश्त बढ़ाने के साथ-साथ ADHD (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसॉर्डर) से भी बचाती है. इसके साथ बेहतर नींद भी देता है. जिससे बच्चे सही समय पर सो पाते हैं और दिनभर एक्टिव रहते हैं.

हड्डियों को बनाए मज़बूत

सैलमॉन मछली में मौजूद कैल्सिटोनिन नामक प्रोटीन पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाती है. यह बच्चों की स्ट्रेंथ को बढ़ाती है और किसी भी जॉइंट की परेशानी से भी बचाती है.

डैंड्रफ को जड़ से खत्म करने केलिए 5 हेअर मास्क

सर्दियों की सबसे बड़ी परेशानी है डैंड्रफ. तमाम शैम्पू और तेल लगाने के बाद भी ये सिर में बना रहता है और पूरी विंटर परेशान करता है. कभी कंधों पर तो कभी माथे पर, डैंड्रफ हर जगह शर्मिंदा करता है. ऐसे में ज़रुरी है कि इसके लिए हेयर मास्क लगाया जाए और इससे छुटकारा पाया जाए. यहां आपका 5 हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं जिससे आपका डैंड्रफ छूमंतर हो जाएगा.

1. हिबिस्कस मास्क

5 से 6 हिबिस्कस के फूलों को उबालें. उबलने के बाद इन्हें पीसकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं. इस पेस्ट में 3 चम्मच गुनगुने नारियल का तेल मिलाएं. अब इस पेस्ट से धीरे-धीरे स्कैल्प की मसाज करें. दो घंटे बाद सिर को धो लें. इस पेस्ट में भरपूर मात्रा में विटामिन सी और अमिनो एसिड होता है, जिससे डैंड्रफ खत्म हो जाता है और बाल मज़बूत होते हैं.

2. मेथी मास्क

आधा कम दही, दो चम्मच मेथी के दाने, दो आंवले और तीन से चार कड़ी पत्ते. इन सबको मिक्स कर रातभर छोड़ दें. सुबह इस मिक्सचर को मिक्सी में पीसे. हल्के हाथों से इसे बालों की जड़ों में लगाएं. दो घंटे बाद गुनगुने पानी से बालों को धो लें.

3. ओटमील मास्क

आधाकप ओटमील, तीन चम्मच गुनगुना दूध और एक चम्मच बादाम का तेल. इन्हें मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्कैल्प पर सर्कुलर मोशन में लगाएं. एक घंटे बाद बालों को हल्के गुनगुने पानी में धो लें. ये मास्क बालों को नरिश करेगा और डैंड्रफ खत्म कर बालों को बढ़ने में मदद करेगा.

4. अंडा मास्क

अंडे के सफेद हिस्से में दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं. इसे अच्छे से फेंटे और स्कैल्प की इससे मसाज करें. 30 मिनट तक बालों में लगाएं और फिर धो लें. इस मास्क से बाल सिल्की बनेंगे और डैंड्रफ हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा.

5. लेमन मास्क

एक कप दही में दो चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं. इस पेस्ट को अच्छे से चलाकर बालों में लगाएं और एक घंटे के बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें. दही और नींबू डैंड्रफ खत्म करेगा और शहद बालों को मॉइश्चराइज़ करेगा.

कंप्यूटर की तरह स्मार्टफोन में बनाएं 'रिसायकल बिन'

कंप्यूटर में अगर गलती से कुछ डिलीट हो जाए तो उसे रिसायकल बिन में जाकर रीस्टोर किया जा सकता है। लेकिन अगर स्मार्टफोन में कुछ डिलीट हो जाए तो उसे रीस्टोर नहीं किया जा सकता है। इस खबर में हम आपको एक ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं जिससे आप अपने स्मार्टफोन में कंप्यूटर जैसा रिसायकल बिन बना सकते हैं।

स्मार्टफोन में रीसायकल बिन बनाने के लिए आपको अपने फोन में डंपस्टर और इएस फाईल एक्सप्लोरर में से कोई भी एक एप डाउनलोड करनी होगी। हम यहां आपको डंपस्टर के काम करने के तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे करें डंपस्टर का इस्तेमाल?

» सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाकर डंपस्टर को डाउनलोड कर इंस्टॉल करें। इसके बाद आपको एप को ओपन करें। यहां आपको एप का डेमो दिखाया जाएगा। इसे ओके करने के बाद फोन में रिसायकल बिन तैयार हो जाएगी। इसमें आपसे स्टोरेज परमीशन भी मांगी जाएगी, इसे 'ओके' कर दें।

» अब जब भी आपके मोबाइल से कोई फोटो डिलीट होगी वो यहां सेव हो जाएगी। आप इसे यहां से रीस्टोर कर सकते हैं।

» इस एप में टाइम भी सेट किया जा सकता है जिससे ज्यादा दिन होने के बाद भी पुरानी डिलीट हुई फाइल्स को रिकवर किया जा सके। अगर आप चाहें तो इस एप में पासवर्ड भी सेट कर सकते हैं, ताकि डिलीट की हुई फाइल आपके अलावा कोई और न देख सके।

» इसके अलावा अगर आपके गूगल ड्राइव से डाटा डिलीट हो जाता है तो उसे रिकवर करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन हम आपको इसका भी आसान तरीका बताने जा रहे हैं। आपको बता दें कि जब कभी कोई फाइल या फोल्डर गूगल ड्राइव से डिलीट किया जाता है, तो यह स्थायी रूप से डिलीट नहीं होता। ये फाइल्स सिस्टम के ट्रैश फोल्डर में चली जाती हैं।

» इसके लिए सबसे पहले drive.google.com/drive/trash पर जाएं।

» अब उस फाइल पर राइट क्लिक करें जिसे आप रिकवर करना चाहते हैं।

» रिस्टोर पर क्लिक करें।

खानपान

हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए खस-खस है फायदेमंद

खस कई मामलों में गुणकरी है। यह शरीर में उर्जा, मसूड़ों से संबंधित परेशानी आदि से मुक्ति दिलाता है। कई जगहों पर इससे कई स्वादिष्ट डिश भी तैयार किया जाता है।

खस में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र ठीक रहता है। एसिडिटी, गैस, कब्ज, पेट में जलन की समस्या से राहत देता है।

इसमें औषधीय गुण महिलाओं के लिए बहुत लाभदायक है।

यह मुंख से संबंधित रोगों के उपचार में काफी फायदेमंद है।

सके बीच में कैल्शियम, आयरन और कॉपर पाया जाता है, जो आपके दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए जरुरी होते हैं।

हड्डियों को मजबूती देता है और साथ ही हड्डियों में लगने वाले चोट से भी बचाता है।

यह हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए खस बीज युक्त भोजन का सेवन करें फायदेमंद है। स्टडी के अनुसार खस के बीज में ओलेयिक एसिड होता है जो ब्लडप्रेशर नियंत्रित करने में मदद करता है।

आलू के छिलके फेंकें नहीं, मिलेंगे 5 कमाल के फायदे

लगभग हर घर में सब्जी या अन्य व्यंजनों के लिए आलू का इस्तेमाल होता है, आपके घर में भी होता है। लेकिन अगर आप आलू के छिलकों को इस्तेमाल करने के बजाए फेंक देते हैं, तो अगली बार छिलकों को फेंकने से पहले इसे जरूर पढ़ लीजिए। इन फायदों को जानने के बाद आप आलू के छिलके नहीं फेंकेंगे

1 आलू की सब्जी अगर आप छिलकों के साथ बनाते हैं तो इसका स्वाद तो बढ़ता ही है, आपको अतिरिक्त पोषण भी मिलता है। क्योंकि छिलकों में पोषक तत्व होते हैं।

2 छिलकों के साथ आलू का सेवन आपको फाइबर भी देता है और आपको पाचन संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। बल्कि ये पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं।

3 आलू के छिलकों का सेवन न केवल आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है बल्कि शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करता है और एनीमिया से भी बचाता है। क्योंकि आलू के छिलके आयरन से भरपूर होते हैं।

4 सिर्फ सेहत ही नहीं आलू का छिलका सौंदर्य के लिए भी फायदेमंद है। त्वचा की झुर्रियों और दाग धब्बों से बचने के लिए आलू का छिलका त्वचा पर रगड़ें। कुछ समय तक इसे करें और फिर फर्क खुद ही देखें।

5 बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ आलू का छिलका धूप से झुलसी हुई त्वचा के लिए भी बेहद कारगर उपाय है। इसलिए अबकि बार आलू के छिलके फेंके नहीं, बल्कि उपयोग करें।

रेड वाइन के फायदों को जानकर दंग रह जाएंगे आप

कुछ लोगों को वाइन पीना बहुत पसंद होता है। हम लोग यह बात भी अच्छी तरह से जानते हैं कि नशीले पदार्थ सेहत के लिए हानिकारक होते हैं लेकिन अगर सही मात्र में किसी चीज का सेवन किया जाए तो वह सेहत के लिए फायदेमंद भी हो सकती है। वैसे तो बाजार में बहुत तरह की वाइन मिलती हैं लेकिन रेड वाइन का सेवन हैल्थ के लिए बहुत लाभकारी होता है। यह मोटापा कम,ब्लड प्रैशर की समस्या से राहत,दिल के रोग के अलावा बहुत सी परेशानियों को कम करती है।रेड वाइन के ये 9 दमदार फायदे आपको कर देंगे हैरान

रेड वाइन सिर्फ सेहत ही नहीं बल्कि स्किन और हेयर के लिए बहुत फायदेमंद है लेकिन जरूरत से ज्यादा इसका सेवन करने से नुकसान भी हो सकता है। रेड वाइन एक तरह का पेय पदार्थ है जो काले अंगूर से बनाया जाता है। इसमें विटामिन बी 6,आयरन, मैग्निशियम के अलावा और भी बहुत से जरूरी तत्व शामिल होते हैं जो स्वास्थय लाभ पहुंचाते हैं। हफ्ते में एक बार सीमित मात्र में इसका सेवन करने से फायदा मिलता है। आइए जानें इसके फायदों के बारे में।

पाचन शक्ति मजबूत

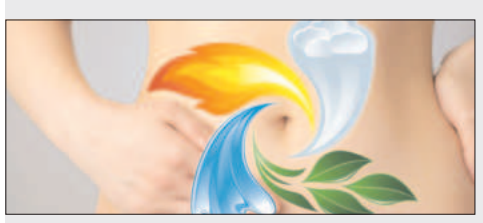

इसका सेवन करने पाचन शक्ति मजबूत होती है। इससे पेट के बैक्टिरिया खत्म हो जाते हैं और पेट का अल्सर भी कम हो जाता है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रेज वाइन

कोलेस्ट्रॉल के रोगियों के लिए रेज वाइन बहुत लाभकारी है। यह बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है। अगर आप रेड वाइन पीने से परहेज करते हैं तो इसकी जगह पर अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

कैंसर की रोकथाम

नियमित मात्र में इसका सेवन करने से बॉडी में कैंसर की कोशिकाएं पनपने की आशंका थोड़ी कम हो जाती है।

दिल रखें स्वस्थ

दिल रखें स्वस्थरेड वाइन सैचिरेटेड फैट,ब्लड क्लॉटिंग और कोलेस्ट्रॉल की परेशानी को भी कम करती है। जिससे दिल स्वस्थ रहता है।

डायबिटीज से राहत

डायबिटीज के रोगियों के लिए भी रेड वाइन लाभकारी है। यह खून से रक्त शर्करा के स्तर को कम करती है। जिससे शूगर के रोगी को लाभ मिलता है।

याददाश्त करें तेज

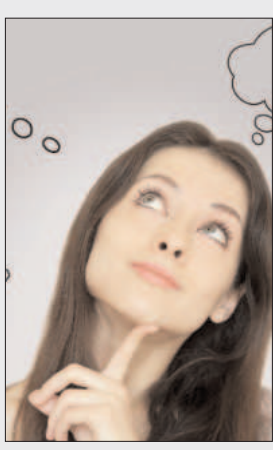

रेड वाइन पीने से याददाश्त में भी सुधार होता है। यह मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में सुधार करती है। जिससे आप चीजों को आसानी से याद रख सकते हैं।

वजन घटाएं

यह शरीर में मेटाबॉलिज्म का लेवल सही रखता है। रेड वाइन में मौजूद रेस्वेराट्रोल शरीर में वसा कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। जिससे अतिरिक्त फैट कम हो जाता है।

रेसिपी

सर्दी में सेहत बनाए गु?-मैथीदाना के लड्डू...

सामग्री

500 ग्राम मोटा पिसा गेहूं का आटा, 500 ग्राम मैथीदाना, 100 ग्राम खाने वाला गोंद बारीक किया हुआ, एक किलो गु?, 250 ग्राम शकर का बूरा (पिसी शकर), 100 ग्राम पिसी छनी बारीक सोंठ, 1 किलो के करीब शुद्ध घी, 100 ग्राम खसखस, 250 ग्राम बारीक कटा मेवा, 10 ग्राम इलायची पावडर।

विधि

सबसे पहले मैथीदाने को साफ करके दो दिन पानी बदलकर भिगोएं। ताजे पानी से धोकर बारीक पीस लें। मोटे तले की फ्राईंगपेन में एक बड़ा चम्मच घी डालकर धीमी आंच में भूनें। घी की जरूरत लगने पर थो?ा-थो?ा डालकर चलाते हुए भूनते रहें। ब्राउन होने और खुशबू आने पर उतार लें। आटे को छानकर घी के साथ अलग से इसी तरह भून लें।

गोंद को घी में फुलाकर हल्का-सा कुचल लें। कम गरम घी में सोंठ और खसखस को डालकर निकाल लें। गुड़ को कूटकर या बारीक करके घी के साथ चलाएं। जब गुड़ घी में अच्छी तरह से मिल जाए तो उतार लें। इसमें तैयार की हुई सारी सामग्री, कटे मेवे, इलायची पावडर मिला दें। आधा बूरा भी मिला दें।

घी कम लगे तो इसमें आवश्यकता नुसार गरम घी मिला लें। अब थोड़ा गरम रहते ही बूरे को हथेलियों से रगड़ें और एक साइज के लड्डू बना लें। सर्दी के दिनों में सुबह नाश्ते में यह लड्डू खाने से कमर दर्द, गठिया तथा जोड़ों का दर्द और वात रोग में लाभ मिलता है तथा स्फूर्ति बनी रहती है।

लाजवाब चटपटा भरवां कुलचा

सामग्री

1 किलो मैदा, नमक 50 ग्राम, काली मिर्च 20 ग्राम, जीरा 20 ग्राम, धनिया 20 ग्राम, लाल मिर्च 20 ग्राम, अजवायन 20 ग्राम, अनारदाना 20 ग्राम, मैथी 20 ग्राम, गरम मसाला 20 ग्राम, देशी घी 20 ग्राम, दालचीनी 100 ग्राम, लौंग 5 ग्राम, छोटी इलायची 15 ग्राम, आलू 1 किलो, आवश?यकतानुसार पानी।

विधि

पहले आलू उबाल लें और मैदा व देसी घी छोड़कर सभी सामग्रियां मिला लें। अब मैदे को पानी व नमक मिलाकर गूंथ लें। मैदे को आधा इंच मोटा बेल लें। इसमें देसी घी और सूखा मैदा छिड़क दें। इसे तीन परतों में मोड़कर दोबारा बेलें और मोड़कर गूंथ लें।

गूंथे हुए मैदे को 100 ग्राम की बॉल्स में विभाजित करें। इसमें आलू का मसाला भरकर गोलाकार बेल लें। कुलचे में हल्के छेद कर दें (जिससे फूल न सके)। अब तंदूर पर या ओवन में कम आंच पर पकाएं। गरम-गरम कुलचे बटर या देसी घी के साथ परोसें।

कविता

गुनगुनी धूप

सूरज के संग आती धूप,
आकर हमें जगाती धूप।

ठंडक जब ठिठुराती सबको,
तन को तब गरमाती धूप।

धीरे-धीरे तपन बढ़ाती,
दुपहर खूब तपाती धूप।

कभी आकर बादल छा जाएं,
शरमाकर छिप जाती धूप।

प्रकाश संश्लेषण करवाती,
ऑक्सीजन दे जाती धूप।

सागर जल को मेघ बनाकर,
बारिश खूब कराती धूप।

कहती कल आऊंगी फिर से,
शाम ढले घर जाती धूप।

काश याद करने का कोई ऐसा तरीका होता कि शाम को सोते समय किताब को तकिए के नीचे रखते और सुबह तक वह पूरी किताब हमारे दिमाग में छप जाती। सोना और पढ़ना दोनों एक साथ हो जाता। पर दोस्तो, सीखने और याद रखने का कोई शॉर्टकट नहीं है। यदि आप लगातार अभ्यास करेंगे, तो हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि यह बिल्कुल भी मुश्किल नहीं...

झट से याद होगा सब

इन दिनों आप जी-जान से परीक्षा की तैयारी में जुटे होंगे। आप लोगों ने बहुत कुछ याद भी कर लिया होगा। क्या आप हमें कोई ऐसी कविता या चैप्टर बता सकते हैं, जो आपको एक बार पढ़ने से ही पूरा याद हो गया हो? नहीं न। लेकिन यह तो बता ही सकते हैं कि उस कविता या चैप्टर को अच्छी तरह से याद करने के लिए आपको कितनी बार रिवीजन करना पड़ा। पर दोस्तो, आप कुछ हफ्तों या महीनों तक उसका रिवीजन नहीं करेंगे, तो आपका दिमाग उसका कुछ अंश ही याद रखेगा, लेकिन यदि आप उसे कुछ समय बाद बार-बार दोहराते रहेंगे, तो आपका दिमाग उस चीज पर मास्टरी कर लेगा और वह चीज आपके दिमाग में एक लम्बे समय तक रहती है।

कैसे सीखते हैं हम

हम सब अनुभव से सीखते हैं। जब तक कोई काम खुद नहीं कर लेते, तब तक कुछ सीख नहीं पाते। यही स्वयं कार्य करने का अनुभव भविष्य में सहायक होता है। कुछ तो हम औरों से भी सीखते हैं। जैसे कोई व्यक्ति हमें किसी काम को करने की प्रक्रिया बताता है और हम उसका अनुसरण करते हैं और हम वह काम सीख जाते हैं। वहीं किसी विषय के बारे में जिज्ञासा होने पर भी उस विषय को समझना आसान हो जाता है। इसके अलावा हर समय कुछ नया सीखने का प्रयास लगातार करते रहें। वैज्ञानिक भी बार-बार नए-नए प्रयोग करते हैं और बड़े-बड़े अविष्कार कर पाते हैं। इसलिए हर समय नए-नए प्रयोग करते रहना चाहिए, फिर चाहे बात पढ़ाई की हो या फिर कुछ और।

कैसे बढ़ाएं दिमाग और याद्दाश्त?

दिमाग को तेज करने और याद्दाश्त बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है। इसके लिए लगातार अभ्यास करना पड़ता है। किसी चीज को सीखने के लिए आपको अपने दिमाग को हर समय क्रियाशील रखना पड़ता है। किताबें बढ़ना, बातचीत करना, नई जगहों का भ्रमण करना और दिमागी खेल खेलना आदि ऐसी क्रियाएं है, जो आपके दिमाग को हर समय चुस्त-दुरुस्त रखती हैं।

याद रखने के तरीके

कुछ भी याद रखने के लिए आप अलग-अलग तरीके अपना सकते हैं? मान लीजिए यदि आपको इंद्रधनुष के रंगों को याद रखना है, वह भी सही क्रम में। इसके लिए आप सभी रंगों के नाम एक सीधी कतार में लिख लें, फिर इस कतार के पहले अक्षर को मिलाकर कूट वाक्य बनाएं-

बैंगनी- बै
आसमानी नीला- आ
नीला- नी
हरा-ह
पीला-पी
नारंगी-ना
लाल-ला

(इन सभी शब्दों के पहले अक्षर को मिलाने पर शब्द बनता है-**बैआनीहपीनाला**।)

इस तरह से कुछ भी सूचीबद्ध याद करना हो तो कूट वाक्य पद्धति का प्रयोग कर सकते हैं।

खेल-खेल में याद्दाश्त परखें

- अपनी स्मरण शक्ति का टेस्ट लेने के लिए सबसे पहले एक ट्रे लीजिए और उसमें अलग प्रकार की लगभग दस वस्तुएं रख दीजिए। अब ट्रे में रखी वस्तुओं को एक मिनट तक ध्यान से देखिए। अब इन सभी चीजों को एक कपड़े से ढंक दीजिए। अब बताइए कि ट्रे में कौन-कौन सी वस्तुएं रखी हैं। अब बताइए, कितनी वस्तुओं को याद रख पाए आप?
- दस अलग तस्वीरों वाले कार्ड लीजिए। सभी काड्र्स की दूसरी तरफ कोई अंक लिखिए। ध्यान रहे, प्रत्येक कार्ड का एक अलग अंक होना चाहिए। अब सभी काड्र्स के अंक दो-तीन बार ध्यान से देखिए। अब सभी काड्र्स को अलग-अलग जमीन पर रखिए। काड्र्स के फोटो वाले हिस्से ऊपर की तरफ होने चाहिए। अब याद करने की कोशिश कीजिए कि किस कार्ड पर आपने कौन-सा अंक लिखा है?
- तीन एक जैसे कप और एक टॉफी लीजिए। तीनों कप को उल्टा करके एक लाइन में रखिए। अब टॉफी को किसी एक कप के नीचे रखिए। इसके बाद तीनों कप को चार-पांच बार इधर से उधर कीजिए। अब अपने दोस्त से पूछिए कि टॉफी किस कप के नीचे है?

यह सब होने को छोटे-छोटे टेस्ट ही हैं, पर बहुत मजेदार खेल भी हैं। आया न मजा।

क्या तेरा क्या मेरा?

चिटर-पिटर दो दोस्त थे। दोनों ने घुड़दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने का मन बनाया। प्रतियोगिता के लिए चिटर-पिटर ने दो घोड़े भी खरीद लिए, लेकिन उन्हें एक दिक्कत थी। चिटर बड़ा परेशान होकर पिटर से बोला, 'भाई हमें यह कैसे मालूम पड़ेगा कि कौन-सा घोड़ा तुम्हारा है और कौन सा मेरा?' पिटर ने जवाब देते हुए कहा, 'अरे, बस इतनी सी बात। तू परेशान मत हो, मैं अपने घोड़े की पूंछ काट देता हूं। बिना पूंछ वाला घोड़ा मेरा और पूंछ वाला तेरा।'

चिटर-पिटर की बातें एक शरारती लड़का सुन रहा था। उस लड़के ने रात को चुपके से चिटर के घोड़े की पूंछ भी काट दी। दूसरे दिन जैसे ही दोनों दोस्त घुड़साल में गए, तो उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। पिटर ने फिर चिटर को समझाते हुए कहा, 'चिंता मत करो दोस्त, मैं अभी अपने घोड़े का कान काट देता हूं। बस इसके बाद कान वाला घोड़ा तुम्हारा और बिना कान वाल मेरा।' अब उस शरारती लड़के ने फिर से दूसरे घोड़े का कान भी काट दिया। इससे दोनों दोस्तों की मुश्किलें और भी बढ़ गईं। पिटर फिर चिटर को शांत कराते हुए बोला, 'यार परेशान मत हो मैं अभी अपने घोड़े की टांगें काट देता हूं, बस इसके बाद बिना टांगों वाला घोड़ा मेरा और टांगों वाला तुम्हारा।' उस शरारती लड़के ने दोनों दोस्तों की मुश्किलें दो से चार करने के लिए चुपके से दूसरे घोड़े की टांगें भी काट डालीं। घोड़े के अंगों के काटने का सिलसिला थमा नहीं और एक दिन दोनों घोड़े कटे पेड़ की तरह जमीन पर पड़े थे। बहुत झल्लाकर पिटर चिटर से बोला, 'बहुत हो गया यार। अब ऐसा कर, कि ये सफेद वाला घोड़ा तेरा है और काला वाला मेरा बेवकूफी की हद हो गई!!'

अंटार्कटिका पर था डायनासोर का राज

पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्ध पर स्थित अंटार्कटिका महाद्वीप को लंबे समय से बंजर माना जाता रहा है लेकिन अर्जेंटिना के वैज्ञानिकों का दावा है कि यह महाद्वीप हमेशा ही बर्फकी मोटी चादर के नीचे दफन और बंजर नहीं था और किसी समय में पेड़-पौधों से भरपूर इस महाद्वीप पर शाकाहारी डायनोसोरों का राज रहा होगा। द साईंस ऑफनेचर पत्रिका के ताजा अंक में प्रकाशित हुए अर्जेंटिना की राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकि शोध परिषद के डॉ. इग्नासियो अलेक्सान्द्रो सेर्दा के शोध में इस बात का खुलासा किया गया है।

डॉक्टर सेर्दा ने बताया है कि सौरापोडा कहलाने वाले ये शाकाहारी डायनोसोरों का उद्भव क्रेटेशियस काल में हुआ था और जल्द ही ये दुनिया के तमाम महाद्वीपों में फैल गए थे। यह पहली बार है जब अंटार्कटिका से सौरापोडा के अवशेष बरामद किए गए हों।

डॉक्टर सेर्दा के शोधपत्र में बताया गया है कि ध्यान से अध्ययन करने पर पता चला कि सौरापोडा श्रेणी के ये डायनोसोर टाईटेनोसोरस नामक एक काफी विकसित डायनोसोर प्रजाति के सदस्य थे। इन्हें डायनोसोरों का आखिरी वंशज भी करार दिया जा सकता है क्योंकि लगभग 6.5 करोड़ वर्ष पहले एक बड़े उल्कापात में डायनोसोरों का खात्मा होने के समय ये मौजूद थे।

क्विज

एंगल अलग है जनाब

ये सवाल आपके दिमाग को चकरा देने वाले हैं, सोच-सोच में सोचते मत रह जाना, चुटकी में इन सभी सवालों के जवाब हैं बताना।

1. ऐस्कीमोज को बहुत अच्छा शिकारी माना जाता है, लेकिन वे पेंग्विन का शिकार कभी नहीं कर पाते। ऐसा क्यों है बतलाइए?
2. क्या आप बता सकते हैं कि एवरेस्ट की खोज से पहले दुनिया की सबसे ऊंची चोटी कौन-सी थी?
3. जॉनी की मम्मी के चार बच्चे हैं। पहले बच्चे का नाम अप्रैल है, दूसरे का नाम मई है, तीसरे का नाम जून है। क्या आप बता सकते हैं कि चौथे बच्चे का क्या नाम है?
4. गाड़ी के इंजन में ऐसी कौन-सी बात होती है, जिसकी कोई उपयोगिता नहीं होती, लेकिन इसके बिना इंजन स्टार्ट ही नहीं होता?
5. कल्पना कीजिए कि आप बीच समुद्र में फंस गए हैं। आपकी नाव डूब रही है और आपको चारों ओर से शार्क ने घेर लिया है। अब आप को बचना है। आप कैसे बचेंगे?
6. वैसे पांच का आधा ढाई होता है चार नहीं। लेकिन पांच का आधा चार बनाने का एक तरीका है?
7. एक वकील अपने दोस्त से, 'यह जज मेरा भाई है।' पर जज का कोई भाई नहीं होता है। अब आप ही बताइए, दोनों में से सच कौन बोल रहा है और कौन है झूठा?...सोचिए-सोचिए!
8. एक बार एक पिता-पुत्र कार से जा रहे थे। अचानक उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। अस्पताल लाते-लाते पिता का देहांत हो जाता है, जबकि पुत्र को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया जाता है। लेकिन ऑपरेशन थिएटर में मौजूद सर्जन का कहना था कि यह उसका पुत्र है इसका ऑपरेशन करना उसके लिए सम्भव नहीं। यह कैसे सम्भव हो सकता है?
9. राम, श्याम, मीना, रीना, रेखा और दिनेश रिश्ते में भाई बहन लगते हैं। लेकिन राम, श्याम, मीना, रीना और रेखा की आंटी दिनेश की आंटी नहीं है। ऐसा क्यों?
10. मेले में जाते समय राहुल को रास्ते में दिनेश, उसके मम्मी-पापा, चाचा-चाची, दादा-दादी, चार दोस्त, चारों दोस्तों को मम्मी-पापा, चाचा-चाची और दादा-दादी मिले। क्या आप यह बता सकते हैं कि कुल मिलाकर कितने लोग मेला घूमने जा रहे थे?

यूं बैठकर सिर मत खुजाइए, दिमाग़ के घोड़े दौड़ाइए और सही जवाब हमें बताइए।

उत्तर- 1. क्योंकि ऐस्कीमोज उत्तरी ध्रुव में रहते हैं और पेंग्विन दक्षिण ध्रुव में। 2. एवरेस्ट की खोज से पहले भी एवरेस्ट ही दुनिया की सबसे ऊंची चोटी थी। यह एक अलग बात है कि मनुष्य को इसकी ऊंचाई का पता बाद में चला। 3. जॉनी 4. इंजन का शोर 5. बड़ा आसान है, ऐसी कल्पना करना छोड़ दीजिए। 6. अंग्रेजी में पांच लिखिए और उसे दो-दो अक्षरों में विभाजित कीजिए-f(iv)e 7.दोनों सच बोल रहे हैं। दरअसल, वह वकील जज की बहन है। 8. ऑपरेशन थिएटर में मौजूद सर्जन उस लड़के की मां थी। 9. क्योंकि वह दिनेश की मम्मी है। 10. सिर्फ दिनेश क्योंकि बाकी सभी लोग तो मेले से वापस आ रहे थे।

राजी बगलोल!

बहुत पुरानी बात है। एक नगर में एक सीधाँसादा, मोटा, नाटा और कुछ अजीबो-गरीब शक्ल-ओ-सूरत का एक व्यक्ति था। उसके इस खास व्यक्तित्व को उसकी दाढ़ी और भी अजब बना देती थी। उसका नाम था राजी बगलोल। वह अपने गांव में ही रहना पसंद करता था, किसी भी रिश्तेदार से मिलने नहीं जाता था।

एक बार काफी कोशिशों के बाद उसकी मौसी उसे अपने घर बुलाने में कामयाब रहीं। अब भई! राजी पहुंचे, तो उनका स्वागत भी बड़ा ही आलीशान तरीके से किया गया। तली हुए पकवानों का नाश्ता मिला राजी को। शर्माते कुछ सकुचाते से उसने पहला टुकड़ा खाया। मुंह में जाते ही उसके स्वाद से जैसे राजी की सारी शर्म-ओ-हया कहीं गायब ही हो गई। धीरे-धीरे सारी तश्तरी का नाश्ता राजी के पेट में उतर गया। चूंकि यह पहले कभी न खाई थी, सो इसे बनाने का तरीका उसने पूछ ही लिया। मौसी ने वे पकवान बनाने की विधि कागज पर लिखकर उसे दे दी।

राजी बगलोल ने कागज को बहुत जतन से कुर्ते की जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो पकवानों की सामग्री खरीदी। उसे हाथ में लिए वह अपने गांव की तरफ जा रहा था कि तभी एक चील की नजर उस पर पड़ी। चील ने जोर से झपट्टा मारा और सारा सामान लेकर उड़ गई।

पहले तो इस आकस्मिक हमले से राजी बगलोल घबरा गया। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा तो ठठाकर हंस पड़ा। वहां मौजूद कुछ लोग यह सब देख रहे थे। उनको यह देखकर बड़ी हैनारी हुई कि राजी बगलोल जार-जोर से हंस रहा है मानो कोई बहुत खुशी की घटना घटी हो।

'तुम हंस क्यों रहे हो?' उत्सुकतावश एक आदमी ने उससे पूछा।

उसने खुशी-खुशी कहा, 'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूं। उसने मेरा सारा सामान तो छीन लिया मेरे हाथ से, लेकिन उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में है! अब वह चील करेगी क्या?' यह कहकर वह फिर से हंसने लगा।

सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात से सहयोग मांगा

दमिश्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से सहयोग मांगा है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रपति नाहयान को फोन किया। दिसंबर में बशर अल-असद शासन के पतन के बाद मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को फोन करने वाले अहमद अल-शरा पहले नेता हैं। वह विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले प्रशासन के कमांडर-इन-चीफ हैं। अल-शरा और अल नाहयान ने सीरिया और यूएई के बीच संबंधों को इस तरह से मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की जो दोनों देशों के सामान्य हितों को पूरा करे। साथ ही यूएई सीरिया में स्थिरता प्राप्त करने और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में नए सीरियाई प्रशासन के कदमों का समर्थन करे। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, अल-शरा और अल नाहयान ने सीरियाई-अमीराती समन्वय के महत्व और सीरियाई लोगों को युद्ध के कारण बनी मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने में समर्थन देने के प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया। अल-शरा और अल नाहयान ने सतत विकास हासिल करने और सीरियाई राज्य के फिर से पुनर्निर्माण के लिए सीरियाई लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अल नाहयान ने जोर देकर कहा कि यूएई सीरिया की स्वतंत्रता और संप्रभुता का समर्थन करता है। इससे पहले अहमद अल-शरा ने शुक्रवार दोपहर दमिश्क के पीपुल्स पैलेस में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि छह जनवरी को सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी अबू धाबी का दौरा कर चुके हैं। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने कहा है कि उनका देश लड़ाई से थक चुका है। सीरिया से किसी पड़ोसी या पश्चिम के देशों को कोई खतरा नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

फैसला सुनकर हंस पड़े इमरान खान बहन का दावा

लाहौर। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान अल-कादिर ट्रस्ट केस पर शुक्रवार को आए अदालत के फैसले को सुनकर हंस पड़े। उनकी बहन अलीमा खान ने यह दावा किया। अलीमा के अनुसार, उनके भाई ने कहा कि उन्होंने सब कुछ अल्लाह के ऊपर छोड़ दिया है। अलीमा खान ने शनिवार को लाहौर में एक अदालत के बाहर मीडिया से कहा कि जब पीटीआई संस्थापक ने फैसला सुना, तो वह हंसे और कहा कि उन्होंने अपना मामला अल्लाह को सौंप दिया है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को 14 साल और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को सात साल जेल की सजा सुनाई है। 72 वर्षीय इमरान खान को लगभग 200 मामलों में आरोपी बनाया गया है। वह अगस्त 2023 से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं। पीटीआई का दावा है कि संघीय सरकार के इशारे पर अल-कादिर ट्रस्ट केस में सजा का फैसला आया है। संघीय सरकार उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। इमरान खान ने अपनी सजा के बाद जेल के अंदर बनाए गए अस्थाई अदालत कक्ष के अंदर संवाददाताओं से कहा, मैं न तो कोई सौदा करूंगा और न ही कोई राहत मांगूंगा।

दिसानायके चीन से लौटे श्रीलंका, 15 समझौते, 10 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का भरोसा

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके चीन की चार दिवसीय सरकारी यात्रा पूरी कर स्वदेश लौट आए। श्रीलंका के अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति की यात्रा बेहद सफल रही। इस दौरान दोनों देशों के बीच 15 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। चीन और वहां की कंपनियों से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का भरोसा राष्ट्रपति दिसानायको को दिया गया है। डेली मिरर के अनुसार, चीन सरकार और वहां के उद्योगपतियों ने श्रीलंका में लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। सिनोपेक ने हंबनटोटा में 200,000 बैरल की क्षमता वाली अत्याधुनिक तेल रिफाइनरी में 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। इससे श्रीलंका के लिए विदेशी भंडार को बढ़ावा मिलेगा। इसके उत्पादन को निर्यात के लिए नियोजित किया गया है। परिणामस्वरूप इससे विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि होगी। इसके अलावा आर्थिक और तकनीकी सहयोग, निवेश और आर्थिक सहयोग कार्यसमूह की स्थापना, चीन में कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच, मीडिया और पर्यटन प्रचार पर सहयोग पर चीनी सरकार से 500 मिलियन आरएमबी (20 अरब रुपये) का अनुदान प्राप्त होगा। दोनों देश कोलंबो पोर्ट सिटी और हंबनटोटा पोर्ट एकीकृत विकास सहित सभी प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

इजराइल गाजा में संघर्ष विराम प्रस्ताव पर सहमत, सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में 24 मंत्रियों की हां, 8 की ना

यरुशलम। इजराइल आखिरकार गाजा में संघर्ष विराम पर सहमत हो गया। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता से तैयार संघर्ष विराम प्रस्ताव पर यहां इजराइल सुरक्षा कैबिनेट की बैठक शुक्रवार शाम शुरू हुई। यह बैठक शनिवार सुबह खत्म हुई। 24 मंत्रियों ने इसके पक्ष और आठ ने विरोध में मतदान किया। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि यह रविवार से लागू होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने संक्षिप्त बयान में पुष्टि की कि सरकार ने सात घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद समझौते को मंजूरी दे दी। हिब्रू मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि 24 मंत्रियों ने इसके पक्ष में और आठ ने विरोध किया। चैनल-12 ने इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ हर्जी हलेवी के हवाले से कहा, आईडीएफ जानता है कि जरूरत पड़ने पर भारी ताकत के साथ लड़ाई में कैसे लौटना है। समझौते के पहले चरण में इजराइल और हमास को दूसरे चरण की शर्तों के संबंध में बातचीत करनी है। इस दौरान शेष जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप कड़ाके की ठंड के बीच लेंगे शपथ उद्घाटन समारोह खुले में नहीं रोटुंडा में होगा

वाशिंगटन, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण का समारोह भीषण ठंड के कारण सोमवार को कैपिटल के बाहर नहीं अंदर रोटुंडा में होगा। यह 60वां उद्घाटन शपथ ग्रहण समारोह है। शपथ ग्रहण से संबद्ध संयुक्त कांग्रेस समिति उद्घाटन समारोह (जेसीसीआईसी) ने कहा कि निर्वाचित राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह का उद्घाटन चार दशक में पहली बार घर के अंदर आयोजित किया जाएगा।

साठवें उद्घाटन शपथ ग्रहण समारोह पर जारी वक्तव्य में जेसीसीआईसी के प्रवक्ता ने कहा कि निर्वाचित राष्ट्रपति ने स्थान परिवर्तन का अनुरोध किया है। उनके आग्रह का सम्मान करने पर खुशी हो रही है। ट्रंप ने कहा, ठंड की वजह से मैंने प्रार्थनाओं और अन्य भाषणों के अलावा उद्घाटन भाषण को यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल रोटुंडा में देने का आदेश दिया है।

आखिरी बार 1985 में पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के दूसरे शपथ ग्रहण पर तेज ठंड के कारण उद्घाटन समारोह को घर के अंदर स्थानांतरित किया गया था। तब दोपहर को तापमान -23 से -29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। ट्रंप के शपथ ग्रहण के समय सोमवार को वाशिंगटन का तापमान -7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

कैपिटल वन एरेना में लगेगी स्क्रीन

ट्रंप ने कहा कि उनके समर्थक समारोह को कैपिटल वन एरेना के अंदर स्क्रीन पर देख सकते हैं। कैपिटल वन एरेना वाशिंगटन शहर में एक पेशेवर बास्केटबॉल और हॉकी स्थल है। यहां एक साथ 20,000 लोग बैठ सकते हैं। राष्ट्रपति परेड के दौरान पेंसिल्वेनिया एवेन्यू से व्हाइट हाउस तक जाने वाले मार्चिंग बैंड का जश्न कैपिटल वन एरिना में ही होगा। ट्रंप ने कहा कि वह शपथ लेने के बाद मैदान में भीड़ का अभिवादन स्वीकार करेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह को देखने लिए 2,20,000 से अधिक लोगों ने टिकट खरीदे हैं। व्यवस्था में बदलाव होने से इनका शामिल हो पाना मुश्किल है। बताया गया है कि ट्रंप समारोह के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर रविवार को कैपिटल वन एरेना के अंदर अपने समर्थकों को संबोधित कर सकते हैं।

उद्घाटन समारोह की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रवक्ता एलेक्सी वर्ली ने कहा कि अमेरिकी गुप्त सेवा ट्रंप की उद्घाटन समिति और शपथ ग्रहण समारोह के प्रभारी कांग्रेस समिति के साथ मिलकर काम कर रही है। खराब मौसम के मद्देनजर सुरक्षा योजनाओं को आवश्यकतानुसार अनुकूलित किया जाएगा।

ऐसी ठंड...रूह कांप जाए

साल 2009 में बराक ओबामा के शपथ ग्रहण समारोह के समय भी तापमान ठंडा था। नौवें अमेरिकी राष्ट्रपति विलियम हेनरी हैरिसन ने चार मार्च, 1841 को कड़ाके की ठंड के बीच बिना टोपी और ओवरकोट के सबसे लंबा उद्घाटन भाषण दिया था। इसके बाद उन्हें निमोनिया हो गया। पद ग्रहण करने के एक महीने बाद उनकी मृत्यु हो गई।

उनका राष्ट्रपति पद अमेरिकी इतिहास में सबसे छोटा कार्यकाल है। चार मार्च, 1873 को तत्कालीन राष्ट्रपति यूलिसिस एस ग्रांट के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह के दौरान बिना ओवरकोट के बाहर खड़े कई कैडेट और मिडशिपमैन गिर गए थे। हवा इतनी तेज थी कि ग्रांट के संबोधन को मंच पर उनके करीबी लोग तक नहीं सुन सके। चार मार्च, 1873 को वाशिंगटन डीसी का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ था।

मां की बाइबल होगी साथ

जेसीसीआईसी के प्रवक्ता ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के दौरान अपनी मां की दी गई बाइबल और लिंकन बाइबल का इस्तेमाल करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर कैपिटल विजिटर सेंटर 18 जनवरी से 20 जनवरी तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। बताया गया है कि ट्रंप की मां ने 1955 में न्यूयॉर्क के जमैका में फर्स्ट प्रेस्बिटेरियन चर्च में प्राइमरी स्कूल की पढ़ाई के दौरान उन्हें बाइबल दी थी। इसके कवर पर ट्रंप का नाम लिखा है।

बाइबल का पहली बार इस्तेमाल 04 मार्च, 1861 को 16वें राष्ट्रपति (अब्राहम लिंकन) के शपथ ग्रहण समारोह में किया गया था। उसके बाद से अब तक इसका इस्तेमाल केवल तीन बार किया गया है। बराक ओबामा अपने दोनों शपथ ग्रहण समारोह और ट्रंप 2017 में अपने प्रथम शपथ ग्रहण समारोह में लिंकन बाइबल का इस्तेमाल कर चुके हैं। जेसीसीआईसी ने कहा कि उप राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए जेडी वेंस अपनी नानी की पारिवारिक बाइबल का इस्तेमाल करेंगे।

अराकान आर्मी ने म्यांमार से बांग्लादेश आ रहे तीन मालवाहक जहाजों को रोका

ढाका, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

म्यांमार के विद्रोही गुट अराकान आर्मी ने म्यांमार के यांगून से बांग्लादेश के टेकनाफ भूमि बंदरगाह आ रहे तीन मालवाहक जहाजों को गुरुवार दोपहर से रोक रखा है। इन जहाजों में 50,000 हजार बैग हैं। इनमें सूखी मछली, सुपारी, कॉफी और अन्य सामान है। तीनों मालवाहक जहाजों को शुक्रवार रात 10:30 बजे तक नेफ नदी के मुहाने पर अराकान आर्मी के घेरे में देखा गया।

अराकान आर्मी ने टेकनाफ मार्ग पर रोके गए तीनों मालवाहक जहाजों को अभी तक नहीं छोड़ा है। चालक दल के सदस्यों और अन्य अभी भी अराकान आर्मी की हिरासत में हैं।

टेकनाफ लैंड पोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी यूनाइटेड लैंड पोर्ट लिमिटेड के महाप्रबंधक मोहम्मद जसीमुद्दीन चौधरी ने कहा कि अराकान आर्मी ने तीन मालवाहक जहाजों को तलाशी लेने के बहाने बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर नाइखोंग क्षेत्र के पास नेफ नदी के मुहाने पर रोका। अराकान आर्मी ने अभी भी म्यांमार के मालवाहक जहाजों को रिहा नहीं किया है।

टेकनाफ भूमि बंदरगाह के एक अधिकारी ने पहचान न उजागर करने का आग्रह करते हुए बताया कि जब से अराकान आर्मी ने रखाइन राज्य के माउंगडॉ टाउनशिप पर नियंत्रण किया है, तब से कोई भी मालवाहक जहाज टेकनाफ भूमि बंदरगाह पर नहीं आया है। अराकान आर्मी ने गुरुवार को तीन मालवाहक जहाजों को हिरासत में ले लिया है।

टेकनाफ कस्टम एंड फॉरवर्डिंग एजेंट एसोसिएशन के महासचिव एहतेशामुल हक बहादुर ने कहा कि अराकान आर्मी ने म्यांमार से टेकनाफ भूमि बंदरगाह आ रहे तीन मालवाहक जहाजों को नेफ नदी के बीच में अपने नियंत्रण में ले लिया है। उनको अभी तक छोड़ा नहीं गया है।

टेकनाफ-2 में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आशिकुर रहमान ने कहा कि किसी ने भी हमें इस बारे में आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया है।

मगर उन्होंने सुना है कि अराकान आर्मी ने तीन मालवाहक जहाजों को रोककर तलाशी ली है। टेकनाफ के उप जिला कार्यकारी अधिकारी (यूएनओ) शेख एहसानुद्दीन ने भी कहा कि उन्होंने भी यही बात सुनी है। बंदरगाह प्राधिकरण से किसी ने भी उन्हें सूचित नहीं किया है।

पुतिन से मिले मसूद

मास्को में रुसी राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन से मिले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजिस्किन।

नेपाल के नागरिकों से चीनी कंपनी के थाईलैंड, कंबोडिया, लाओस व म्यांमार में आकर्षक नौकरी के झांसे में न पड़ने की अपील

काठमांडू, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

थाईलैंड स्थित नेपाली दूतावास ने सभी नेपाली नागरिकों के लिए एक सूचना जारी करते हुए किसी भी चीनी कंपनी के द्वारा आकर्षक नौकरी के झांसा में नहीं पड़ने की अपील की है। नेपाली नागरिकों के इन देशों में नौकरी के लिए लाखों रुपए कमीशन देकर आने और गैरकानूनी काम में फंसाने की घटना के बाद नेपाल दूतावास ने अपील जारी की है।

नेपाली दूतावास ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि चीनी कंपनी के झांसे में पड़कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार जैसे देशों में 17 नेपाली नागरिकों के फंसे होने की सूचना के कई महीने बाद शुक्रवार को सिर्फ एक नेपाली नागरिक को वहां से बचाया जा सका है।

दूतावास के बयान में कहा गया है कि बैंकाक पुलिस की मदद से बचाए गए नेपाली नागरिक म्यांमार की सीमा से लाया गया है। इस व्यक्ति के मुताबिक उसके जैसे 16 अन्य नेपाली नागरिक जो एक चीनी मैनपावर एजेंट के नौकरी के ऑफर में यहां आए थे, उन सभी के पासपोर्ट, पैसे, एटीएम कार्ड और मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए और इन सभी को लाओस, म्यांमार और कंबोडिया के दूरदराज इलाके में रख कर इनसे गैर कानूनी काम करवाया जा रहा है।

इसे देखते हुए बैंकॉक में नेपाली दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से आकर्षक नौकरी के झांसे में पड़ कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और थाईलैंड सहित देशों की यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है। दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से कानूनी दिशा-निर्देशों का पालन करने और केवल वैध श्रम परमिट के साथ विदेशी रोजगार की तलाश करने का अनुरोध किया। नेपाल में कानूनी रूप से कड़ाई के बाद सोशल मीडिया के जरिए थाईलैंड, कंबोडिया, म्यांमार और लाओस में रहे चीनी मैनपावर कंपनी इस तरह के विज्ञापन धड़ल्ले से दे रही हैं।

अमेरिकी में चीन की कंपनी को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट से टिकटॉक पर प्रतिबंध को हां

वाशिंगटन, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक की विदाई का रास्ता साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा। रविवार को कानून लागू होने पर इसे ऐप स्टोर से हटा दिया जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में टिकटॉक लोकप्रिय ऐप है। अमेरिका में 170 मिलियन से अधिक लोग इसका का प्रयोग करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आमराय से यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के बाइडेन प्रशासन के प्रतिबंध कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि प्रावधान किसी भी तरह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

व्हाइट हाउस ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि बाइडेन प्रशासन रविवार को प्रतिबंध लागू नहीं करेगा और इसे ट्रंप प्रशासन पर निर्णय लेने के लिए छोड़ देगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वह टिकटॉक पर निर्णय लेने से पहले स्थिति की समीक्षा करेंगे। फैसले के बाद टिकटॉक ने कहा कि हाउस और न्याय विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सके कि ऐप पर प्रतिबंध क्यों जरूरी है। वह भी तब, जब 170 मिलियन से अधिक अमेरिकी इसका प्रयोग करते हैं। दुर्भाग्य से टिकटॉक 19 जनवरी को अंधेरे में गुम हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रतिबंध के चुनौतीपूर्ण प्रावधान महत्वपूर्ण सरकारी हित को आगे बढ़ाते हैं। इनका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से कोई लेना-देना नहीं है। अदालत ने कहा कि अब टिकटॉक या तो इसे बेच देगा या प्रतिबंध का सामना करेगा। चीन के इस ऐप के अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच प्राप्त करने से रोकने के लिए ऐसा जरूरी है। कानून के अनुसार टिकटॉक को या तो अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा या 19 जनवरी से अमेरिकी ऐप स्टोर और होस्टिंग सेवाओं से अलग होना होगा।

उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अदालत से कानून के कार्यान्वयन को रोकने का आग्रह किया था। ट्रंप 20 जनवरी को दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह अपेक्षित था और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। सनद रहे सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में टिकटॉक को जीवन का अविभाज्य हिस्सा घोषित करने से भी इनकार कर दिया है।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, बाइटडांस ने अमेरिका में इस लड़ाई को जनता के माध्यम से लड़ने की योजना बनाई है। टिकटॉक ऐप खोलने की कोशिश करने वालों को एक पॉप-अप संदेश के साथ स्वागत किया जाएगा। इसमें उन्हें नए कानून के बारे में जानकारी वाली एक वेबसाइट पर निर्देशित किया जाएगा।

कई उपयोगकर्ताओं ने प्रतिबंध की प्रत्याशा में टिकटॉक से अपने वीडियो और डेटा को डाउनलोड करना शुरू कर दिया है। साथ ही चीन के स्वामित्व वाले रेडनोट सहित अन्य प्लेटफार्मों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा कि बाइडेन प्रशासन कानून को रविवार से लागू नहीं करेगा। वह इसे आने वाले ट्रंप प्रशासन पर छोड़ देगा। टिकटॉक के सीईओ शॉ च्यू ने एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्हें डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा है। हम उनका समर्थन पाकर आभारी और प्रसन्न हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज डेनिस लॉ का 84 साल की उम्र में निधन

मैनचेस्टर, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज स्ट्राइकर और बैलन डीओर जीतने वाले एकमात्र स्कॉटिश फुटबॉलर डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। द किंग और द लॉमैन के नाम से मशहूर लॉ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 11 साल बिताए, जहाँ 404 मैचों में 237 गोल करके वे वेन रूनी और सर बॉबी चार्लटन के बाद क्लब की सर्वकालिक स्कोरिंग सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

एबरडीन में जन्मे लॉ ने इटली के टोरिनो में रिकॉर्ड-तोड़ कदम उठाने से पहले हडर्सफ़ील्ड टाउन के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। उन्होंने मैनचेस्टर सिटी में भी कुछ समय बिताया और मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापस लौटे, जहाँ उन्होंने एक फ़ुटबॉल आइकन के रूप में अपनी स्थिति को मज़बूत किया। लॉ ने स्कॉटलैंड के लिए 55 मैच खेले और 30 अंतरराष्ट्रीय गोल किए, जिससे वे देश के इतिहास में संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर बन गए।

खेल के अग्रणी, लॉ तीन बार ब्रिटिश ट्रांसफर रिकॉर्ड बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उनका प्रभाव मैदान से परे था, और उन्होंने क्लब और देश दोनों के लिए एक अमिट विरासत छोड़ी। 2021 में, लॉ ने अल्जाइमर रोग और संवहनी मनोभ्रंश के अपने निदान का खुलासा किया।

उनके परिवार ने एक बयान जारी किया और कहा, यह बहुत भारी मन से है कि हम आपको बताते हैं कि हमारे पिता डेनिस लॉ का दुखद निधन हो गया है। उन्होंने एक कठिन लड़ाई लड़ी लेकिन आखिरकार अब वह शांति से हैं। हम उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहते हैं जिन्होंने अतीत में और हाल ही में उनकी भलाई और देखभाल में योगदान दिया। हम जानते हैं कि लोगों ने उनका कितना समर्थन किया और उन्हें कितना प्यार दिया और उस प्यार की हमेशा सराहना की गई। धन्यवाद।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अपने पूर्व स्टार को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें स्ट्रेटफ़ोर्ड एंड का राजा कहा और उन्हें क्लब के सबसे महान और सबसे प्रिय खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया।

यूनाइटेड ने कहा, उन्हें हमेशा क्लब के सबसे महान और सबसे प्रिय खिलाड़ियों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। उनकी प्रतिभा, भावना और खेल के प्रति प्रेम ने उन्हें एक पीढ़ी का नायक बना दिया। हमारी गहरी संवेदनाएँ डेनिस के परिवार और कई दोस्तों के साथ हैं। उनकी याद हमेशा ज़िंदा रहेगी।

लॉ के करिश्मे, कौशल और प्रचुर गोल स्कोरिंग क्षमता ने उन्हें दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उनकी विरासत पीढ़ियों तक कायम रहेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन : टेलर फ्रिट्ज़ को हराकर चौथे दौर में पहुंचे गेल मोनफिल्स

मेलबर्न। फ्रांस के स्टार टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स 38 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले रोजर फेडरर के बाद दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को नंबर 4 वरीय टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-5, 7-6 (1), 6-4 से हराया। मोनफिल्स ने 19वें ऑस्ट्रेलियाई ओपन में छठी बार चौथे दौर में जगह बनाई। मोनफिल्स से भिड़ने से पहले फ्रिट्ज़ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में केवल आठ गेम गंवाए थे। लेकिन मोनफिल्स ने अपने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और धमाकेदार सर्विस के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को शिकस्त दी। 41वें स्थान पर काबिज मोनफिल्स ने मैच जीतने के बाद कहा, रणनीति बेसलाइन को थामे रखने और निश्चित रूप से गति को बदलने की थी। लाइन के नीचे कुछ बड़े शॉट लगाए और अपने फोरहैंड से कुछ शेप का इस्तेमाल किया, अपने बैकहैंड से कुछ स्लाइस किया और अच्छी सर्विस की। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं अभी टूर्नामेंट में आगे बढ़ूंगा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन या इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मोनफिल्स अपने लंबे करियर में कभी भी किसी मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

उत्तराखंड की मेजबानी में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की उल्टी गिनती शुरू

नई दिल्ली। 38वें राष्ट्रीय खेलों की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड सरकार द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन दुनिया भर में भारतीय एथलीटों को उजागर करने के साथ-साथ अगली पीढ़ी को अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर अपने-अपने क्षेत्रों में महानता हासिल करने के लिए प्रेरित करने का वादा करता है। 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्देश्य खेलों की एकीकृत शक्ति का जश्न मनाना, विविध संस्कृतियों और परंपराओं को एक साथ लाना और सबसे बढ़कर एथलेटिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। खेल न केवल शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करेंगे बल्कि प्रतिस्पर्धा की साझा भावना के माध्यम से पूरे देश में एकता को भी प्रेरित करेंगे। प्रेस, आगंतुकों, मेहमानों और एथलीटों के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने के साथ, तैयारियाँ चल रही हैं। खेलों का एक प्रमुख आकर्षण बहुप्रतीक्षित मशाल रिले होगा, जो इस आयोजन की भावना का प्रतीक है। स्थिरता के लिए खेलों की प्रतिबद्धता के अनुरूप, आयोजकों ने एक मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम लागू किया है और पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए पुनः प्रयोज्य बोतलों के साथ स्वच्छ जल पहल पर सहयोग किया है। खेलों का एक अनूठा और आकर्षक तत्व शुभंकर मौली होगा।

विराट कोहली, केएल राहुल ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैचों से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम को सूचित किया कि वे छोटी-मोटी चोटों से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वे रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन के दूसरे दौर में क्रमशः अपनी घरेलू टीमों दिल्ली और कर्नाटक के लिए भाग नहीं ले पाएंगे। कोहली गर्दन में दर्द से पीड़ित हैं। कोहली ने बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ को बताया कि उन्होंने 8 जनवरी को एक इंजेक्शन लिया था, लेकिन फिर भी उनकी गर्दन में दर्द है, जिसके कारण उन्हें राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के आगामी मुकाबले से बाहर होना पड़ा। 36 वर्षीय कोहली ने रणजी में आखिरी बार नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उन्हें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने दोनों पारियों में 14 और 42 रन पर आउट कर दिया था। 155 प्रथम श्रेणी मैचों में, विराट ने 258 पारियों में 37 शतक और 39 अर्द्धशतक के साथ 48.23 की औसत से 11,479 रन बनाए हैं, जिसमें 254* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। दूसरी ओर, केएल राहुल कोहनी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वह बेंगलुरू में पंजाब के खिलाफ कर्नाटक के अगले दौर के मैच से बाहर हो गए हैं।

जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल, सिराज बाहर

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए शनिवार दोपहर (18 जनवरी) को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या सभी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इन तीनों ने आखिरी बार 2023 विश्व कप में वनडे प्रारूप में हिस्सा लिया था। 15 सदस्यीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे जबकि शुभमन गिल उपकप्तान होंगे। हालांकि मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे।

कप्तान रोहित शर्मा ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम बुमराह के बारे में निश्चित नहीं हैं, कि वह खेलेंगे या नहीं। इसलिए हम ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो आगे और पीछे दोनों जगह गेंदबाजी कर सके। शमी के बारे में सभी जानते हैं कि वह नई गेंद से क्या करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मोहम्मद सिराज को टीम से बाहर होना पड़ा। लेकिन हमारे पास निर्धारित भूमिकाओं के लिए उपयुक्त खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अर्शदीप ने बहुत ज़्यादा वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन वह पिछले कुछ समय से सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में हैं। इसलिए हम अनुभवहीनता के बारे में चिंतित नहीं हैं। आप सभी को खुश नहीं कर सकते। दिन के अंत में, आप उस टीम को चुनते हैं जो आपको गेम जिता सकती है।

बुमराह को भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दौर में पीठ में दर्द की शिकायत थी, इस अभियान में उन्होंने 151.2 ओवर फेंके और 13.06 की औसत से 32 विकेट लिए। वह मोहम्मद शमी के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। शमी 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, लेकिन तब से अपने बाएं अकिलीज़ टेंडन की सर्जरी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। अर्शदीप सिंह तीसरे तेज गेंदबाज हैं।

पांड्या की वापसी के बाद भारत के पास ऑलराउंडर की अच्छी टीम है। रवींद्र जडेजा एक और खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आखिरी बार 14 महीने पहले वनडे खेला था, लेकिन अपने बाएं हाथ के कौशल के साथ बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करते हैं। अक्षर पटेल, जिन्हें श्रीलंका में भारत के सबसे हालिया वनडे असाइनमेंट में चुना गया था, एक और खिलाड़ी हैं जो टीम के संतुलन को जोड़ने में सक्षम हैं।

हार्निया की सर्जरी के बाद बाहर रहने वाले कुलदीप यादव की टीम में वापसी से भारत के स्पिन आक्रमण को एक बड़ा बढ़ावा मिला है। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला का पहला टेस्ट खेला, इसके बाद वह कमर की चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गए।

इस प्रारूप में 58.20 की शानदार औसत रखने वाले गिल को शीर्ष क्रम में अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है, क्योंकि चयनकर्ताओं ने यशस्वी जायसवाल को टीम में दूसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में चुनने का फैसला किया है। हालांकि जायसवाल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की है और बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्होंने अभी तक इस प्रारूप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 203 रन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत 54 है।

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। वे अपना अभियान 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेंगे। वे अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड वनडे के लिए भारत की टीम-रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

अपडेट: इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे।

33 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चमके मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी

मुरादाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

33 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मुरादाबाद मंडल के सीनियर खिलाड़ियों ने गोल्ड व सिल्वर मेडल प्राप्त किए हैं। सभी विजेता खिलाड़ियों का शनिवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्टस स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में स्वागत अभिनंदन किया गया।

प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रदीप कुमार सक्सैना व उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक ने बताया कि 14 व 15 जनवरी को लालपुर स्टेडियम वाराणसी में यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित हुई।

जिसमें जनपद मुरादाबाद के सीनियर खिलाड़ियों में कमलेश सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर की स्टीपल चेज रेस में गोल्ड मैडल प्राप्त किया, यशपाल सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर स्टीपल चेज रेस में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: स्विएटेक ने राडुकानू को हराकर चौथे दौर के लिए किया क्वालीफाई

मेलबर्न। पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने शनिवार को एम्मा राडुकानू को हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन्स के बीच हो रहे मुकाबले में स्विएटेक ने राडुकानू को आसानी से 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्विएटेक ने रॉड लेवर एरिना में राडुकानू के नौ के मुकाबले 24 विजयी शॉट लगाए। स्विएटेक ने सिर्फ़ 12 अनफोर्स्ड एरर किए। मैच जीतने के बाद स्विएटेक ने कहा, मैंने कुछ शॉट खेले, जिनके बाद मुझे लगा कि मैं इस तरह के शॉट खेलने की अभ्यस्त हूँ, और इसीलिए मैंने के मैच का भरपूर आनंद लिया। मैं वास्तव में आश्वस्त महसूस कर रही थी, इसलिए, अंत में, मैं और भी अधिक प्रयास कर सकती थी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेलते हुए सर्बिया के नोवाक जोकोविच।

7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ी करेंगे प्रतिभाग

जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने दी जानकारी

मुरादाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने शनिवार को बताया कि 19 व 20 जनवरी को लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित मिनी स्टेडियम 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद जनपद से 30 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इस चैम्पियनशिप में देशभर से लगभग तीन हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे है।

जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के 30 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, इसमें सबजूनियर बालक वर्ग में विभु राज, विवान शर्मा, निलय चौधरी, विराज कपूर, अक्षत सूर्यांश, वंश, शाहज़ेब खान व सबजूनियर बालिका वर्ग में मिस्टी चंद्रवंशी, अदिति सैनी, देवांशी का चयन हुआ है। कैडेट बालक वर्ग में आशीष सिंह, वासु भाटिया, अक्षत कश्यप, आयुष सूर्यांश व कैडेट बालिका वर्ग में अनायदा, आदूषी का चयन हुआ है। जूनियर बालक वर्ग में लवकुश यादव, कैफ खान, मोहम्मद अयान व बालिका वर्ग में आलिया पाशा का चयन हुआ है, सीनियर बालक वर्ग में निखिल कुमार, रायन सागर, वैभव सक्सेना, रोहित कुमार व बालिका वर्ग में कशिश मालिक, यशोदा थापा का चयन हुआ है।

शारजाह वॉरियर्स की टीम में इरादे की कभी कमी नहीं होगी : कोच जेपी डुमिनी

शारजाह, 18 जनवरी (एजेंसियां)।

श्रीलंकाई बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो की शानदार पारी की बदौलत शारजाह वॉरियर्स ने शारजाह में दुबई कैपिटल्स को हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इस सीजन में अपना पहला घरेलू मैच खेल रहे शारजाह वॉरियर्स ने 201 रनों का लक्ष्य 5 विकेट और 11 गेंद शेष रहते सफलतापूर्वक हासिल किया।

मैच के बाद शारजाह वॉरियर्स के कप्तान टिम साउथी ने आईएलटी20 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, इस तरह के स्कोर का पीछा करना और फर्नांडो की पारी अविश्वसनीय थी। सुबह विमान से उतरना और ऐसा करना विशेष है। फर्नांडो हमारे लिए शानदार था।

कप्तान ने आगे कहा, सुधार करने के लिए बहुत सी चीजें हैं, क्षेत्ररक्षण और गेंद के साथ, जो जीत के बाद हमेशा करना आसान होता है। यह एक अच्छा विकेट था, अगर आपने गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन किया तो यह अच्छा था लेकिन अगर आप थोड़ा चूक गए, तो यह एक अलग कहानी है। कुछ खिलाड़ी शानदार थे और जब दूसरे खिलाड़ी आकर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह टीम की गहराई को दर्शाता है।

कोच जेपी डुमिनी ने कहा, फील्डिंग हमारे खेल का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम काम कर सकते हैं। हम सामूहिक रूप से फील्डिंग में बड़ा प्रयास करने की कोशिश करते हैं। इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करना चाहते हैं और फील्डिंग कुछ ऐसा है जिसमें हम निश्चित रूप से बेहतर होना चाहते हैं।

अविष्का फर्नांडो, जिन्होंने 27 गेंदों में 8 छक्के और 6 चौके की मदद से 81 रन बनाए,ने कहा, अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और की पारी के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं। विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, 200 रन का पीछा करते समय विचार सकारात्मक थे, यह स्वाभाविक रूप से हुआ और इसके लिए मैं आभारी हूं। मुझे एहसास नहीं हुआ कि मैंने सबसे तेज 50 रन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

आईएलटी20 के इतिहास में सबसे तेज 50 रन बनाने वाले अविष्का ने अपने कोच डुमिनी से खूब प्रशंसा अर्जित की। डुमिनी ने कहा, वह कल रात विमान से उतरा और उसके बाद टीम से परिचित हुआ। और जिस तरह से उसने आकर खेला, उसका आत्मविश्वास न केवल उसके चरित्र को दर्शाता है, बल्कि उसकी क्षमता को भी दर्शाता है। और उसे हमारे वातावरण में सहज महसूस कराना कुछ ऐसा है जिसके लिए हम (शारजाह वारियर्स) प्रयास करते हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से सबसे खास पारियों में से एक थी जिसे हमने देखा है।

शारजाह वारियर्स को 200 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करना था। लेकिन कोच ने समझाया कि टीम की बातचीत चीजों को सरल रखने की दिशा में अधिक थी।

उन्होंने कहा, टीम के साथ बातचीत काफी हल्की-फुल्की रही। हम जानते थे कि यह एक अच्छी पिच है, और हमें बस अपनी क्षमता के अनुसार खेलना था, और मुझे लगता है कि हमने ऐसा किया। इस लाइनअप में इरादे की कभी कमी नहीं होगी, और अब हमें बस निरंतरता खोजने की जरूरत है। शारजाह वारियर्स का अगला मुकाबला रविवार को शारजाह में एमआई एमिरेट्स से होगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

आरबीआई का एफडी, लॉकर और बचत खाते में नॉमिनेशन पर बैंकों को सर्कुलर जारी

नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को नॉमिनी को लेकर निर्देश जारी किए हैं। देश के बैंकों और एनबीएफसी में हजारों करोड़ रुपये की राशि पड़ी है, जिनके दावेदार नहीं हैं।

आरबीआई की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार सभी बैंकों का दायित्व होगा कि वे अपने हर पुराने और नए ग्राहकों से नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी करवाएं। अभी भी बड़ी संख्या में बैंकों में जमा खाते के नॉमिनी उपलब्ध नहीं है। बैंकों में नॉमिनेशन की प्रगति की रिपोर्ट को हर तिमाही में दक्ष पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बैंकों में खाता ओपन करने के फॉर्म में बदलाव करने को कहा गया है, जिसमें ग्राहकों के लिए नॉमिनी के विकल्प को अनिवार्य करना जरूरी होगा।

एफडी या सेविंग अकाउंट में नॉमिनी न होने से परिजन कानूनी झंझट में पड़ जाते हैं

सर्कुलर के अनुसार जिन लोगों की एफडी या सेविंग अकाउंट में नॉमिनी नहीं रहते उनकी मौत के बाद उनके परिजन अपना हक़ प्राप्त करने के लिए कानूनी झंझट का सामना करते हैं। इसलिए सभी लोगों को अपने खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए। सर्कुलर में बैंकों और एनबीएफसी को अपने सभी ग्राहकों को नॉमिनेशन के लाभ की जानकारी देने को कहा गया है। इसके साथ ही कस्टमर सर्विस कमिटी को बैंकिंग संस्थानों में खाताधारकों के नॉमिनेशन की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

घरेलू मांग में तेजी से आर्थिक वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद

घरेलू मांग में तेजी लौटने से देश की आर्थिक वृद्धि में मजबूती आने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जारी किया बुलेटिन, जिसमें कहा गया कि देश की अर्थव्यवस्था अनेक वर्षों के बाद फिर से उच्चारित हो सकती है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति की बढ़ती स्तिथि को लेकर सतर्क रहने की भी जरूरत है। बुलेटिन में दिखाया गया है कि विभिन्न देशों में अर्थव्यवस्था की स्थिति भिन्न-भिन्न है। अमेरिका में गति कम हो रही है, जबकि यूरोप और जापान में मध्यम सुधार देखने को मिल रहा है। भारत में ग्रामीण मांग में तेजी आ रही है, जिसे कृषि संभावनाओं से समर्थन मिल रहा है। आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ-साथ खाद्य मुद्रास्फीति की ऊंची बनने के नुकसान को भी मन में रखना जरुरी है। बुलेटिन ने ग्रामीण मांग, सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुधार, और विनिर्माण क्षेत्र के जोखिम जीते जा रहे हैं इस पर केंद्रीय बैंक ने ध्यान दिया है। विश्व की आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद में भारत की बढ़ती गति और मांग के नजरिये से जोख़िम और निवेश के फैसलों पर विचार करने की जरूरत है। यहां तक कि पूंजीगत व्यय में सुधार और अच्छी कृषि संभावनाएं भी भारत की आर्थिक वृद्धि में मददगार साबित हो सकती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान से...

फिर से देश में इंट्री की इजाजत दे दी है। दिलचस्प यह है कि जियाउल हक पाकिस्तानी पासपोर्ट पर बांग्लादेश लौटा, जिसकी मुहम्मद यूनुस ने इजाजत दी। यूनुस प्रशासन ने वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी हटा दी है। 29 दिसंबर 2024 को जियाउल हक ने औपचारिक रूप से सभी आरोपों से बरी होने और मोस्ट वांटेड सूची से नाम हटाने के लिए आवेदन किया। उसके वकील ने कानून और गृह मंत्रालय सहित विभिन्न सरकारी निकायों को आवेदन प्रस्तुत किए, जिसमें उसकी सजा को रद्द करने और उसके सिर पर रखे गए इनाम को वापस लेने की मांग की गई। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा उसे पकड़ने के लिए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रखे जाने के बावजूद, जियाउल ने इनाम वापस लेने के लिए याचिका दाखिल की है।

यूनुस प्रशासन का कट्टर इस्लामवादी तत्वों को दोषमुक्त करता जा रहा है। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी को पहले रिहा किया गया था। बाद में उसने भारत में जेहाद का आह्वान किया और भारत के खिलाफ गजवा-ए-हिंद के कार्यान्वयन की हिमायत की। इन कार्रवाइयों ने यह पुख्ता किया है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी इस्लामिक चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र बन रहा है। इससे आतंकवाद विरोधी प्रतिबद्धता कमजोर हो रही है।

बांग्लादेश एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहां राजनीतिक उथल-पुथल, आर्थिक अस्थिरता और बढ़ते उग्रवाद का अभूतपूर्व संगम देखने को मिल रहा है। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद, देश अराजकता में डूब गया है, जिसमें इस्लामी ताकतें प्रमुखता हासिल कर रही हैं और अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। इस उथल-पुथल के बीच, देश की भविष्य की दिशा, अंतरराष्ट्रीय अभिनेताओं की भूमिका और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए संभावित परिणामों के बारे में सवाल उठते हैं। 5 अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री शेख हसीना के बलपूर्वक निष्कासन और उनके देश छोड़ने के बाद, बांग्लादेश इस्लामवादियों और जेहादियों के अशांत चंगुल में फंस गया है, जिसमें अल कायदा, इस्लामिक स्टेट और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई शामिल है। पूर्व में बांग्लादेश की सुधरती अर्थव्यवस्था आज तेजी से गर्त में जा रही है। बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला रेडिमेड गारमेंट उद्योग पूरी तरह चरमरा गया है। कपड़ों का निर्यात अभूतपूर्व दर से लगातार घटता जा रहा है। यह खतरनाक प्रवृत्ति परिधान उद्योग में लगभग 6.5 मिलियन श्रमिकों की नौकरी खाने के लिए बिल्कुल तैयार है। पहले से ही आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्रों में लाखों लोग बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। मुद्रास्फीति 17 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बैंक नकदी संकट से जूझ रहे हैं। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों ने मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग को तबाह कर दिया है। श्रमिक वर्ग के कई लोगों के लिए, दिन में एक बार का भोजन भी जुटाना लगभग असंभव चुनौती बन गया है।

इन भयावह वास्तविकताओं से ध्यान हटाने के लिए, मोहम्मद यूनुस और उसके सहयोगी हिंदू विरोधी, ईसाई विरोधी, भारत विरोधी और खिलाफत के एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, उनका शासन बांग्लादेश में इस्लामी विद्रोह का महिमामंडन करने और शेख हसीना और उनके परिवार पर वित्तीय अपराधों सहित कई आरोपों की बौछार करने के लिए भारतीय आउटलेट सहित अंतरराष्ट्रीय मीडिया में रिपोर्ट और लेख प्रकाशित करने में भारी निवेश कर रहा है। यूनुस की पीआर टीमें उन्हें बांग्लादेश के नेता के रूप में पेश करने के लिए स्थानीय और वैश्विक मीडिया में लगातार साक्षात्कार भी आयोजित कर रही हैं।

शासन में अपने अनुभव की कमी को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के बावजूद, यूनुस जल्दबाजी में जॉर्ज सोरोस और क्लिंटन के प्रतिनिधियों को आकर्षक ऊर्जा क्षेत्र के सौदे दे रहे हैं। इसने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को चौंका दिया है, खासकर तब जब 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हों। दुनिया जानती है कि मुहम्मद यूनुस हिलेरी क्लिंटन, बिल क्लिंटन, बराक ओबामा, जो बाइडेन और षडयंत्रकारी धनपशु जॉर्ज सोरोस का मोहरा है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रति मुहम्मद यूनुस का खुला तिरस्कार भी पूरी दुनिया जानती है। ट्रंप प्रशासन इस तथ्य की अनदेखा नहीं कर सकता कि मुहम्मद यूनुस संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस जैसे कई देशों में ग्रामीण अमेरिका सहित 37 से अधिक वाणिज्यिक उद्यमों के संचालक हैं।

2024 के दिवाली उत्सव के दौरान, ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों की निंदा की, और देश को अराजकता में धकेलने के लिए बाइडेन-हैरिस प्रशासन को दोषी ठहराया। ट्रंप के सख्त संदेश के बावजूद, यूनुस और उनके साथियों ने हिंदुओं, ईसाइयों, बौद्धों और स्वदेशी समुदायों के खिलाफ अपने उत्पीड़न को तेज कर दिया है। यह अवज्ञा इस विश्वास को दर्शाती है कि वे बाइडेन, ओबामा, क्लिंटन और सोरोस जैसे लोगों द्वारा सशक्त बने हुए हैं।

20 जनवरी को राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण को बांग्लादेश के लिए संभावित मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीद है कि ट्रंप प्रशासन बाइडेन-हैरिस युग की कई नीतियों को पलट देगा, जिनकी आलोचना वैश्विक स्तर पर कट्टरपंथी इस्लामी ताकतों के उदय को सक्षम करने के लिए की गई है। कथित तौर पर ट्रंप के एजेंडे में अवैध प्रवास और इस्लामी-जेहादी ताकतों के खिलाफ सख्त कदम उठाना शामिल है। कई मुस्लिम बहुल देशों, जिनमें बांग्लादेश भी शामिल है, पर यात्रा प्रतिबंध फिर से लागू किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रंप से क्लिंटन से जुड़े वित्तीय अपराधों की जांच करने की उम्मीद है, जिसमें मोहम्मद यूनुस के साथ उनके संबंध शामिल हो सकते हैं।

मोहम्मद यूनुस और उनके इस्लामवादी सहयोगी बांग्लादेश को कुछ हफ्तों के भीतर एक इस्लामी गणराज्य या खलीफात में बदलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके प्रयास अंततः विफल हो सकते हैं। भारत के सक्रिय सहयोग से ट्रंप यूनुस शासन के खिलाफ निर्णायक कदम उठा सकते हैं। ऐसी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप यूनुस को मोहम्मद मुर्सी या मुअम्मर गद्दाफी के समान परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

20-25 मिनट देर...

उन्होंने कहा, रेहाना और मैं बच गए, हम केवल 20-25 मिनट के अंतराल से मौत से बच गए। मुझे लगता है कि 21 अगस्त को हुई हत्याओं से बचना, कोटालीपारा में हुए विशाल बम विस्फोट से बचना या पांच अगस्त 2024 को जीवित बचना अल्लाह की इच्छा है। अगर अल्लाह की इच्छा न होती, तो मैं अब तक जिंदा नहीं बची होती। शेख हसीना ने कहा, आपने बाद में देखा कि कैसे मुझे मारने की योजना बनाई गई थी। मैं पीड़ित हूं, मैं अपने देश के बिना हूं, मैं घर के बिना हूं, मेरा सब कुछ जला दिया गया है। लेकिन, अल्लाह की दया है कि मैं अभी भी जिंदा हूं, क्योंकि अल्लाह चाहता है कि मैं कुछ और करूं।

बजट सत्र में...

राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। संसद 10 मार्च को पुनः आरंभ होगी और 4 अप्रैल तक चलेगी।

आयकर अधिनियम-1961 की व्यापक समीक्षा के लिए सीतारमण द्वारा बजट घोषणा के अनुसरण में, सीबीडीटी ने समीक्षा की देखरेख करने और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया था, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को अधिक कर निश्चितता मिलेगी। इसके अलावा, अधिनियम के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के लिए 22 विशेष उप-समितियां स्थापित की गईं। चार श्रेणियों में जनता से सुझाव और सूचनाएं आमंत्रित की गईं हैं। ये श्रेणी हैं- भाषा का सरलीकरण, मुकदमेबाजी में कमी, अनुपालन में कमी, और अनावश्यक/अप्रचलित प्रावधान।

आयकर विभाग को अधिनियम की समीक्षा के संबंध में हितधारकों से 6,500 सुझाव प्राप्त हुए हैं। प्रावधानों और अध्यायों को काफी हद तक कम किया जाएगा और अप्रचलित प्रावधानों को हटा दिया जाएगा। आयकर अधिनियम, 1961, जो प्रत्यक्ष करों व्यक्तिगत आईटी, कॉरपोरेट कर, प्रतिभूति लेनदेन कर, उपहार और सम्पत्ति कर के अलावा- के अधिर-ोपण से संबंधित है, में वर्तमान में लगभग 298 धाराएं और 23 अध्याय हैं। सरकार की कोशिश इन धाराओं और अध्यायों में लगभग 60 प्रतिशत की कटौती करने की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई 2024 के अपने बजट भाषण में कहा था कि समीक्षा का उद्देश्य अधिनियम को संक्षिप्त, सुस्पष्ट, पढ़ने और समझने में आसान बनाना है। इससे विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी, जिससे करदाताओं को कर निश्चितता मिलेगी। इससे मुकदमेबाजी में उलझी मांग में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा था कि इसे छह महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है।

एक लाख हो...

के साथ-साथ पुरानी कर प्रणाली से मुक्ति पाने की थी। शीर्ष स्तर पर इसी आम बजट में पुरानी कर प्रणाली को खत्म करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। अगर इस आम बजट में इस आशय की घोषणा नहीं हुई तो अगले साल पेश होने वाले आम बजट में निश्चित रूप से पुरानी कर प्रणाली को खत्म करने की घोषणा की जाएगी।

आम बजट के प्रावधानों के जरिए सरकार का ध्यान वित्तीय घाटे को कम और नियंत्रित करने की भी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय घाटे का लक्ष्य 4.9 फीसदी निर्धारित किया गया था। इस आम बजट में इसे 4.5 फीसदी तक नियंत्रित रखने का नया लक्ष्य तय किया जा सकता है। आम बजट में सरकार का फोकस नई कर प्रणाली है। सरकार कर मुक्त आय का दायरा बढ़ाने और 20 प्रतिशत कर के दायरे को 12-15 लाख से बढ़ाकर 12-20 लाख करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा सरकार की योजना मानक कटौती का दायरा 75 हजार रुपए से बढ़ा कर एक लाख रुपए करने की है। गौरतलब है कि बीते साल जुलाई में पेश मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पूर्ण बजट में कर मुक्त आय (3 लाख) की सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया था। हालांकि तब 5 फीसदी आय कर वाले स्लैब को 3 से 6 लाख से बढ़ाकर 3 से 7 लाख रुपए कर दिया गया था। तब मानक कटौती का दायरा 50 हजार से बढ़ा कर 75 हजार रुपए किया गया था। कर राहत का संकेत सरकार के बृहस्पतिवार को अचानक 8वां वेतन आयोग गठित करने के फैसले से भी मिला। अगले साल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मियों के वेतन में 30 से 40 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। ऐसे में बिना कर राहत के केंद्रीय कर्मियों को कोई विशेष लाभ नहीं होगा। इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में औसत प्रदर्शन के बाद सरकार ने मध्य वर्ग और निम्न मध्य वर्ग को राहत देने की योजना बनाई थी।

न्यायालय ने...

सुनवाई शुरू हुई थी। कोर्ट के निर्देश पर इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पहले ही आर-ोपपत्र दाखिल कर चुकी है। आज मामले की सुनवाई के लिए प्रदर्शनकारी अदालत परिसर के बाहर जमा थे। सियालदह अदालत परिसर में सुरक्षा कड़ी की गई थी। कोलकाता पुलिस ने प्रवेश को नियंत्रित करने और सभी उपस्थित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई बैरिकेड्स भी लगाए थे।

अदालत के फैसले से पहले पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने खुद कहा था कि वह रात के दो बजे तक जागकर मॉनिटर कर रही थीं। मैं जानना चाहता हूं कि उनका इसमें क्या हित था। ममता ने कहा था कि सिर्फ मुख्य आरोपी ही नहीं, सभी दोषी सामने आएंगे। मरहूम डॉक्टर के पिता ने कहा, आरोपियों को सजा मिलने पर हमें कुछ राहत मिलेगी। जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता, तब तक हम अदालत का दरवाजा खटखटाते रहेंगे। हम देश के लोगों से भी समर्थन मागेंगे। उन्होंने कहा, जो भी उचित सजा होगी वह अदालत तय करेगी। सीबीआई पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, इस मामले में सीबीआई ने कुछ नहीं किया। यहां संतुष्टि का कोई सवाल ही नहीं है। हमने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कई सवाल उठाए। हमने कोर्ट से इसका जवाब मांगा है। हमने सीबीआई से जवाब नहीं मांगा, लेकिन कोर्ट ने सारी जिम्मेदारी सीबीआई को सौंप दी। एक वरिष्ठ वकील ने कहा, यह सिर्फ एक मामला नहीं है, यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। एक स्थानीय निवासी ने पूछा, क्या उसे (आरोपी) अधिकतम सजा मिलेगी?

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त 2024 की है। वह मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थी। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर गहरे वार के निशान थे। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे।

कैसे पकड़ा गया...

मेडिकल छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। यह प्रदर्शन लंबे समय तक जारी भी रहे और मामले में दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की गई। इस घटना के करीब 162 दिन बाद सियालदाह की अदालत ने मामले में आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना पिछले साल 8-9 अगस्त की दरम्यानी रात को हुई थी। 31 वर्षीय मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थी। जूनियर डॉक्टर गुरुवार को अस्पताल में रात की ड्यूटी कर रही थी। रात 12 बजे के बाद उन्होंने दोस्तों के साथ डिनर भी किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। अगले दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट से पता चला कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी।

10 अगस्त की सुबह महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के आरोप में संजय रॉय नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार भी कर लिया गया। तब एक अज्ञात पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की गतिविधियां काफी संदिग्ध हैं और ऐसा लगता है कि वह सीधे तौर पर अपराध में शामिल है। इससे पहले जांच के दौरान पुलिस ने अस्पताल में सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए थे। उस वक्त रात करीब 2.30 बजे आरोपी को कॉरिडोर में टहलते हुए देखा गया था। संजय के शुरुआती बयान में विरोधाभास पाया गया था। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने पहले कहा कि वह उन मरीजों के बारे में पूछताछ करने गया था जिन्हें उसने भर्ती कराया था। लेकिन जब पुलिस ने मरीजों से पूछताछ की तो पता चला कि संजय पिछले तीन दिनों से उनके पास नहीं आया। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की।

रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय रॉय को रात ढाई बजे से तीन बजे के बीच दूसरी और तीसरी मंजिल के कॉरिडोर के सीसीटीवी में देखा गया था। चेस्ट सेक्शन के पास लगे सीसीटीवी में भी वह दिख रहा है। वहां किसी और के घूमने की कोई तस्वीर नहीं थी। सीसीटीवी तस्वीरें नर्सों और अन्य अस्पताल कर्मचारियों को दिखाई गईं। नर्सों और अन्य स्टाफ ने बताया कि यह व्यक्ति मरीजों को भर्ती करने के लिए अस्पताल आता है। पुलिस के हाथ टूटे हुए ब्लूटूथ हेडफोन का तार लगा। पुलिस ने सीसीटीवी में देखा कि जब संजय आरजी कर अस्पताल में दाखिल हुआ तो ब्लूटूथ हेडफोन उसके गले में था। लेकिन जब वह अस्पताल से बाहर निकला तो हेडफोन उसकी गर्दन पर नहीं था। ब्लूटूथ हेडफोन का एक टूटा हुआ तार चौथी मंजिल के सेमिनार कक्ष में गिर गया। जांच करने पर पता चला कि यह सिविक वालंटियर संजय रॉय का था।

जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में आरजी कर मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट में पीड़िता के माता-पिता की तरफ से दायर याचिका और कुछ अन्य जनहित याचिकाओं में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई। इसके बाद हाईकोर्ट ने केस को सीबीआई को सौंप दिया। 14 अगस्त को कोलकाता पुलिस ने आधिकारिक तौर पर संजय रॉय को सीबीआई की कस्टडी में भेज दिया। सीबीआई ने संजय रॉय के खिलाफ मामले में 45 पन्नों की चार्जशीट दायर की। केंद्रीय एजेंसी ने रॉय को मामले में इकलौता दोषी करार देने के लिए 11 सबूत मुहैया कराए।

12 नवंबर को जूनियर डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले की सुनवाई सियालदाह की अदालत में शुरू हुई। चार्जशीट दाखिल होने में देरी की वजह से सियालदह कोर्ट ने मामले में आरोपी बनाए गए अभिजीत मंडल और संदीप घोष को जमानत दे दी थी। एक महीने बाद यानी 13 दिसंबर को भी अभिजीत मंडल और संजय रॉय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं हुई, जिसके चलते उनकी जमानत बढ़ा दी गई। आखिरकार इस साल 9 जनवरी को आरोपी संजय रॉय को लेकर सुनवाई पूरी हुई। इसमें 50 गवाहों के बयान सुने गए। अब 18 जनवरी को कोर्ट ने मामले में संजय रॉय को दोषी ठहराया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा...

कार्यवाहक उप उच्चायुक्त को तलब कर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भारत सीमा पर अपराध-मुक्त माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तस्करी, मानव व्यापार और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सीमा पर बाड़ लगाने, प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और मवेशी बाड़ जैसे उपाय किए जा रहे हैं। यह सभी प्रयास सुरक्षा और पारस्परिक समझौतों के तहत किए जा रहे हैं। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि सीमा पर बाड़बंदी का उद्देश्य सीमा अपराधों को रोकना है। प्रवक्ता जायसवाल ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश इन सुरक्षा उपायों को समझते हुए भारत के साथ सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता तस्करी, मवेशी व्यापार और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों को रोकना है। यह सभी कार्य पहले से मौजूद समझौतों और प्रोटोकॉल के तहत किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी ...

और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ऐतिहासिक है। यह एक बड़ी समस्या थी, लेकिन राज्य सरकारों, अधिकारियों और ग्राम पंचायत के हजारों सहयोगियों की कोशिशों से लाखों लाभार्थियों को स्वामित्व योजना का लाभ मिला। पीएम मोदी ने कहा, 21वीं सदी में दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, स्वास्थ्य समस्याएं और आपदाएं प्रमुख हैं, लेकिन दुनिया एक और बड़ी चुनौती से जूझ रही है और वो है सम्पत्ति का अधिकार। कई वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र ने एक अध्ययन किया था, जिसमें कई देशों में सम्पत्ति के अधिकारों का अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में पता चला कि दुनिया के कई देशों में लोगों के पास उनकी सम्पत्ति के कानूनी दस्तावेज ही नहीं हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा था कि अगर गरीबी को कम करना है तो लोगों को सम्पत्ति का अधिकार देना बेहद जरूरी है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है और हमारी स्थिति भी अन्य देशों जैसी ही है। गांवों में लोगों के पास लाखों-करोड़ों रुपए की सम्पत्ति है, लेकिन उनके पास इसके कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। ऐसे में मालिकाना हक को लेकर विवाद होते हैं। कई जगहों पर ताकतवर लोग गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लेते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामित्व कार्ड बांटने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थियों से बात भी की। उन्होंने कहा कि इस योजना से लोगों को ऋण और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों को इस संबंध में कुछ कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन कुछ खास नहीं किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि दलित, पिछड़े वर्ग और आदिवासी इस कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, कानूनी सम्पत्ति अधिकार मिलने के बाद लाखों लोगों ने ऋण लिया है। उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल अपना कारोबार शुरू करने में किया है। इनमें से कई किसान हैं, जिनके लिए ये सम्पत्ति कार्ड वित्तीय सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामित्व और भू-आधार गांवों के विकास की नींव बनेंगे।

स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को बढ़ाने की दृष्टि से 24 अप्रैल, 2020 को (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर) प्रधानमंत्री की ओर से शुरू की गई थी। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल तरीके से तैयार किया जाता है, जिससे भूमि विवादों को कम किया जा सके। गौरतलब है कि योजना के तहत 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जो लक्ष्य का 92 फीसदी है। वहीं, 1.53 लाख गांवों के लिए करीब 2.25 करोड़ सम्पत्ति कार्ड तैयार किए गए हैं।

मुश्किल हालात में...

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को 19वें ननी पालकीवाला मेमोरियल लेक्चर में भारतीय विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने बीते 10 वर्षों में भारतीय कूटनीति के दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस वक्त बाजार संसाधनों और वित्तीय संस्थानों को हथियार बनाए जाने की चुनौती का सामना कर रही है। साथ ही भारत की कोशिश ज्यादा से ज्यादा दोस्त बनाने और समस्याओं को कम करने की है। विदेश मंत्री ने कहा, मुश्किल परिस्थितियों में भी अपने विकास की रफ्तार को बनाए रखना भारत के लिए बड़ी चुनौती है। इसके लिए आंतरिक विकास के साथ ही आधुनिकीकरण करने और बाहरी जोखिम को कम करने की जरूरत है। घरेलू स्तर पर हमने स्थिर राजनीतिक स्थायित्व, समावेशी विकास और लगातार सुधारों से बेहतर काम किया है। हालांकि हमें उत्पादन, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा पर और ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही मजबूत सहयोग संबंध बनाने की भी जरूरत है ताकि हम और प्रतिस्पर्धी बन सकें।

विदेश मंत्री ने कहा, रणनीतिक स्वायत्तता बेहद जरूरी है। भारत को अहम और उभरती हुई प्रौद्योगिकी तकनीक के विकास में पीछे नहीं रहना चाहिए। भारत गैर पश्चिम हो सकता है, लेकिन रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए ये ध्यान रखा जाना चाहिए कि भारत पश्चिम विरोधी न बने। भारत की दुनिया में छवि एक विश्वबंधु देश, सहयोगी और दोस्त की है। हमारी कोशिश है कि दोस्तों की संख्या को बढ़ाया जाए और समस्याओं को कम से कम किया जाए। भारत के हितों को ध्यान में रखकर ही ये किया जा सकता है। विदेश मंत्री ने भारत की कूटनीतिक सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि ध्रुवीकृत दुनिया में भारत की मतभेदों को पाटने की क्षमता सबके सामने आई है। बीते दशक में हमने कई मोर्चों पर प्रगति की है। अपने रिश्तों को विविध तौर पर बेहतर किया है। साथ ही क्षेत्रीय देशों के साथ भी संबंधों को सुधारा गया है। भारत की कूटनीतिक क्षमता विस्तार हुआ है और खाड़ी देशों, अफ्रीका और कैरेबियाई देशों में इसका फल भी मिला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति में रूस की काफी अहमियत है। कई उतार-चढ़ाव के बावजूद 1945 से दोनों देशों के रिश्ते स्थिर रहे हैं। दशकों से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में भी रूस की अहम भूमिका रही है। रूस अब अपना फोकस एशिया की तरफ कर रहा है, ऐसे में भारत और रूस के संबंध मजबूत होना स्वाभाविक है। भारत और रूस के मजबूत संबंध वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता के लिए जरूरी हैं। दोनों देशों में कनेक्टिविटी की भी अपार संभावना है। रूस यूक्रेन युद्ध में भी भारत ने हमेशा बातचीत और कूटनीति से विवाद सुलझाने की बात कही है। युद्ध के मैदान से कभी भी कोई विवाद नहीं सुलझ सकता।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों की मदद पूरी उदारता के साथ कर रहा है। जिसके तहत पड़ोसी देशों को आर्थिक मदद, ऊर्जा सहायता, रेल और सड़क संपर्क की मदद दी जा रही है। पड़ोसी देशों के साथ भारत का कारोबार, निवेश भी बढ़ा है। विदेश मंत्री ने कहा कि श्रीलंका को साल 2023 में भारत ने चार अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी थी। बांग्लादेश के हालात पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक घटनाक्रम के चलते परिस्थितियां जटिल हुई हैं। पाकिस्तान एक अपवाद रहा है और हमारे पड़ोस में अभी भी सीमा पार आतंकवाद एक समस्या बना हुआ है, लेकिन ये कैंसर अब पाकिस्तान को ही नुकसान पहुंचा रहा है। पूरे महाद्वीप के साझा हित हैं कि पाकिस्तान अब इस दृष्टिकोण को छोड़ दे।

पगड़ीधारी सिख ...

धर्मांतरण अधिक संख्या में और अधिक तेजी से बढ़ा है। पंजाब के तरनतारन में पिछले 10 साल में ईसाई समुदाय की जनसंख्या 6,137 से बढ़कर 12,436 हो गई यानी दस वर्षों में 102 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी तरह गुरदासपुर जिले में पिछले 5 वर्षों में ईसाई समुदाय की जनसंख्या में 4 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है।

वैसे तो ईसाई मिशनरियां देश भर के सुदूर इलाकों में पहुंचकर गरीब और लाचार लोगों को अपने निशाने पर ले रही हैं, लेकिन पंजाब और भी चिंता का कारण इसलिए है क्योंकि यहां उनके द्वारा धर्मांतरण का खेल खुलेआम चल रहा है। यहां खुलेआम चंगाई सभा होती है। ऐसे-ऐसे पादरियों के कार्यक्रम कराए जाते हैं जो फूंक मारकर मृत व्यक्ति में जान डालने का दावा करते हैं। इसके बाद भ्रम पैदा करके सिखों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा जाता है। इन मिशनरियों का प्रभाव पटियाला से लेकर पठानकोट तक फैला है। ईसाई मिशनरियों ने राज्य के 23 जिलों को अपने जाल में जकड़ रखा है और अपना साम्राज्य लगातार फैलाते जा रहे हैं। सिखों के बीच पैठ बनाने के लिए उन सभाओं में पगड़ी पहने लोग दिखते हैं जिससे आम सिखों को लगे कि वो सभा कराने वाले कोई अलग नहीं हैं।

ये सभी ईसाई पादरी गैर-ईसाई जनता को धर्मांतरण के जाल में फंसाने के लिए बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित करते हैं। प्रशासन बाकायदा इन्हें इसके लिए अनुमति देता है। इन्हें सुरक्षा मिलती है। बैनर, पम्फलेट, सोशल मीडिया कैंपेन के जरिए इनका प्रचार होता है और आखिर में कार्यक्रम वाली जगह पर हजारों की भीड़ जुटती है। इस भीड़ को रिझाने के लिए कार्यक्रम में बैंड वाले होते हैं जो पादरी की हर बात के बाद उसे प्रभावी दिखाने के लिए बैंड बजाते हैं। लय में ऐसे गाने गाए जाते हैं कि भीड़ ईसाई धर्म के गीतों पर नाचने लग जाए।

इसी तरह के सारे खेल के बाद भीड़ से किसी को निकालकर दावा किया जाता है कि वो पादरी न केवल बड़ी से बड़ी बीमारी ठीक कर सकता है बल्कि भूतों को भगा सकता है। पादरियों के इन्हीं लुभावने वादों के कारण कुछ लोग कार्यक्रम में तो कुछ कार्यक्रम के बाद ईसाई धर्म में परिवर्तित हो जाते हैं। जानकार अचंभा होगा कि पंजाब में धर्मांतरण के व्यापार में शामिल ईसाई पादरियों में अधिकांश धर्मांतरण के बाद ईसाई बने पादरी हैं। हालांकि, न तो इन लोगों ने नाम बदला है और न पहचान। सिख पादरी आज भी पगड़ी लगाते हैं और हाथ में बाइबल का संदेश देते घूमते हैं। उनकी ऐसी हरकतों का नतीजा ये होता है कि आम सिख भी उनकी सभा में उन्हें अपना समझकर पहुंचता है।

कुछ अर्सा पहले शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए चिंता दिखाई थी और सिखों को धर्मांतरण से बचाने के लिए घर-घर अंदर धर्मसाल अभियान आरंभ किया था। इनका उद्देश्य था कि ईसाई प्रचारक जिस प्रक्रिया द्वारा सिखों को बरगला रहे हैं, अब उसी का इस्तेमाल सिख धर्म को बचाने के लिए किया जाएगा। एसडीपीसी का मानना था कि कुछ पादरी जानबूझकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पंजाब में चल रही इतनी बड़ी साजिश अकूत विदेशी फंडिंग के बूते चल रही है। पंजाब में चल रहे धर्मांतरण के खेल के लिए अमेरिका, कनाडा समेत कई अन्य ईसाई मुल्कों से फंडिंग हो रही है। इसके अलावा पाकिस्तान से भी सिखों को गुमराह करने के लिए फंडिंग की जा रही है। आज पंजाब में सबसे अधिक चर्चित पादरी बजिंदर सिंह है, जो खुद को ईसा मसीह का प्रोफेट बताता है। इसके यूट्यूब पर 30 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं और वीडियो पर लाखों में व्यूज भी आते हैं। हाल में इसी पादरी के आगे गिरते हुए बॉलीवुड अभिनेता राजपाल सिंह को देखा गया था।पास्टर बजिंदर सिंह के अलावा पंजाब में जो पादरी सक्रिय होकर धर्मांतरण को बढ़ावा दे रहे हैं उनमें अमृत संधू, कंचन मित्तल, रमन हंस, गुरनाम सिंह खेड़ा, हरजीत सिंह, सुखपाल राणा, फारिस मसीह जैसे कुछ बड़े नाम हैं। ये लोग जनता के बीच अपनी पैठ सोशल मीडिया के जरिए बनाते हैं। इनके अनुयायियों में हर वर्ग के लोग हैं। सवाल उठने पर ये दावा करते हैं कि ये लोग सिर्फ प्रार्थना कराते हैं, लेकिन सवाल फिर वही है कि अगर चंगाई सभाओं और मिशनरी के अन्य कार्यक्रमों में सिर्फ प्रार्थना होती है तो लोग धर्मांतरित कैसे होते हैं।

घर में शंख रखना होता है शुभ

जानें इसके नियम, मां लक्ष्मी की बरसेगी कृपा

सनातन धर्म में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना में विशेष चीजों को शामिल किया जाता है। इनमें शंख भी शामिल है। धार्मिक मान्यता के अनुसार,समुद्र मंथन के समय शंख की उत्पत्ति हुई थी। इसी वजह से शंख का पानी जगत के पालनहार भगवान विष्णु के आशीर्वाद के समान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि शंख के जल को नहाने के पानी में ड़ालकर स्नान करने से व्यक्ति को तीर्थ यात्रा के फल की प्राप्ति होती है। घर में शंख को रखने के लिए नियम का पालन करना चाहिए। ऐसा न करने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

शंख से जुड़े नियम

अगर आप शंख को घर ला रहे हैं, तो इससे पहले शंख से जुड़े नियम के बारे में जानकारी का होना बेहद जरूरी होता है।

शंख को जमीन पर भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। इसको रखने के लिए साफ कपड़े का इस्तेमाल करना चाहिए।

मंदिर में शंख को रखते समय एक बात का खास ध्यान रखें कि शंख का खुला भाग ऊपर की तरफ होना चाहिए।

मंदिर में शंख को रखने से पहले गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें।

शंख को हमेशा लाल रंग के कपड़े में लपेटकर तांबे या पितल की प्लेट में ही रखना चाहिए।मान्यता है कि इन नियम का पालन करने से जातक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

शंख बजाने के धार्मिक फायदे

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव की पूजा के दौरान शंख का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वहीं, भगवान विष्णु की उपासना में शंख को बजाना अधिक शुभ माना गया है।

पूजा के समय शंख बजाने से घर और मंदिर का वातावरण शुद्ध होता है नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है।

शंख की आवाज लोगों को पूजा-पाठ के लिए प्रेरित करती है।

मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं।

तनाव की समस्या से छुटकारा मिलता है और स्मरण शक्ति बढ़ती है।

मन को शांति प्राप्त होती है।

कहां रखें शंख

शास्त्रों में शंख रखने के नियम के बारे में भी बताय गया है। मंदिर में शंख को श्रीहरि की मूर्ति के दाईं तरफ रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा उत्तर पूर्व या उत्तर दिशा में भी शंख को रखा जा सकता है। शंख के आसपास साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। तभी पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

घर में भूलकर भी खाली न रखें यह वस्तुएं वरना मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इस शास्त्र में व्यक्ति के जीवन से जुड़ी सभी तरह की परेशानियों के समाधान के बारे में बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र के उपाय करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और घर में खुशियों का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ चीजों का भूलकर भी खाली नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही धन की कमी भी हो सकती है।

अन्न के भंडार- किचन में कभी भी ऐसे बर्तन को खाली नहीं रखना चाहिए, जिसमें चावल और आटा जैसी चीजों को रखा जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इन चीजों का खाली रखने से मां अन्नपूर्णा नाराज हो सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि अन्न के भंडार भरे रहने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। हर दिन विधिपूर्वक मां अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना करें। इससे मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है और अन्न के भंडार कभी खाली नहीं होते हैं।

पानी की बाल्टी- इसके अलावा बाथरूम में खाली बाल्टी रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बाथरूम में खाली बाल्टी रखने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में समस्या आती है। अगर आप बाथरूम के लिए बाल्टी खरीद रहे हैं, तो इस दौरान बाल्टी के रंग का खास ध्यान रखें। बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी को रखना अच्छा माना जाता है।

पर्स और तिजोरी- एक बात खास ध्यान रखें कि तिजोरी और पर्स को कभी भी खाली न रखें। इस तरह की गलती करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। इसलिए पर्स और तिजोरी में हमेशा एक सिक्का जरूर रखें।

पूजा का कलश -पूजा-अर्चना के दौरान कलश का प्रयोग किया जाता है। ऐसे में कभी भी कलश को खाली नहीं रखना चाहिए। इसमें जल भरकर रखें। कलश को खाली रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है। कलश में तुलसी के पत्ते ड़ालकर रखें। ऐसा करने से हमेशा देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है।

तरक्की में आ रही बाधाएं होंगी दूर सुबह उठकर करें करदर्शन मंत्र

हमारे बढ़े-बुजुर्ग हमेशा ये सीख देते हैं कि सुबह जल्दी उठना चाहिए, क्योंकि इससे काफी लाभ होता है। सुबह उठना आध्यात्मिक तौर पर अच्छा समझा जाता है, क्योंकि यह आपको पूरे दिन सकारात्मक रखता है। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि सुबह जल्दी उठकर आपको क्या करना चाहिए, जिससे जीवन में आने वाली हर रुकावट दूर हो जाए।

करें इस मंत्र का जप

कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती,
करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम्'

यह मंत्र आपके जीवन में चमात्कारिक बदलाव लेकर आएगा। आपको सुबह उठकर अपने हथेलियों को देखकर इस मंत्र का जाप करना है। उसके बाद हथेलियों को पूरे चेहरे पर फेरना है। ऐसा कर आपकी समस्याएं धीरे-धीरे खत्म होना शुरू जाएंगी।

अच्छा होगा पूरा दिन

सुबह उठकर अपने ईष्ट देव को सबसे पहले याद करें। उनकी स्तुति करें, जिससे आपका पूरा दिन तनाव से दूर रहेगा। आपके मन को शांति मिलेगी। सुबह के समय किसी भी तरह के मानसिक तनाव से दूर रहें। यह आपके दिन को खराब कर देगा।

जीवन की बाधाएं होंगी दूर

सुबह जल्दी उठने के लिए अपने आलस को खत्म करना चाहिए। यह आपके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। सुबह स्नान करने के बाद भगवान की पूजा करनी चाहिए। यह आपको मानसिक रूप से मजबूत करेगा। उसके बाद अपने घर के बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए, जिससे काम आ रही बाधाएं खत्म हो जाएं।

इस काम से जीवन में आएगी समृद्धि

हिंदू धर्म में गाय का दर्जा मां के बराबर माना गया है। ऐसे में उनकी सेवा सबसे पड़ा पुण्य का काम है। सुबह खाना बनाते समय उनके लिए रोटी जरूर निकाल लें। गाय को को खाना खिलाने से सभी देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। स्कंद पुराण में इस बात का जिक्र है कि पक्षियों को दाना डालने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

बुरा वक्त आने से पहले दिखते हैं यह संकेत चाणक्य ने बताई पूरी बात

आचार्य चाणक्य द्वारा लिखा गया नीतिशास्त्र, काफी लोकप्रिय है। आचार्य द्वारा दी गई सीख को लोग आज भी जीवन में अपनाते हैं। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में कुछ ऐसे संकेत का जिक्र किया है, जो बुरा वक्त आने से पहले व्यक्ति को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप इस संकेतों की पहचान कर लेंगे, तो जीवन में आने वाली समस्याओं से बच सकते हैं।

अगर किसी व्यक्ति के घर में अचानक से कांच टूट जाता है, या फिर बार-बार कांच टूट रहा है, तो यह भी एक अच्छा संकेत नहीं माना जाता। इस संकेत को लेकर कहा जाता है कि आपके जीवन में जल्द ही कोई परेशानी आने वाली है। इसी के साथ टूटे हुए कांच में अपना चेहरा भी नहीं देखना चाहिए। इससे आपको बुरे परिणाम मिल सकते हैं।

मिलता है ये संकेत

अगर आपके घर में लगा तुलसी का पौधा अचानक से सूखने लगे, तो यह एक अच्छा संकेत नहीं माना जाता। यह घर में किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा होने का संकेत देता है। साथ ही इससे घर में आर्थिक परेशानी भी बढ़ने लगती है।

आ सकती है बड़ी परेशानी

अगर किसी व्यक्ति के घर में बिना वजह ही लड़ाई-झगड़े बढ़ने लगते हैं और आपसी प्रेम धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, तो यह एक चिंता का विषय है। साथ ही यह जीवन में कोई बड़ी परेशानी आने की ओर भी इशारा करता है। इसलिए लड़ाई-झगड़ों को बढ़ाने की जगह आपको उन्हें आराम से सुलझाना चाहिए।

नहीं होता अच्छा संकेत

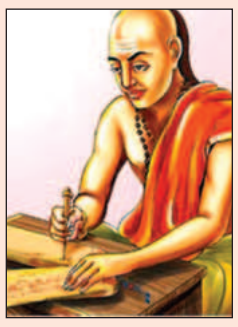

क्या कहते हैं चाणक्य

आचार्य चाणक्य यह भी कहते हैं कि, जिस घर में देवी-देवताओं का सम्मान या पूजा-पाठ नहीं होता, वहां कभी भी लक्ष्मी जी वास नहीं करतीं। जिसके कारण व्यक्ति को आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है। इसी के साथ, जहां बड़े-बुजुर्गों का सम्मान नहीं किया जाता या उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता, उस घर का भी बुरा वक्त नजदीक होता है। इसलिए अपनी इस आदत में तुरंत सुधार कर लेना चाहिए।

आखिर गंगा नदी में क्यों करते हैं अस्थि विसर्जन?

सनातन धर्म में व्यक्ति की मृत्यु के बाद विधिपूर्वक अंतिम संस्कार किया जाता है। गरुड़ पुराण के अनुसार, इसे एक विशेष अनुष्ठान माना जाता है। इस ग्रंथ में मृत्यु के बाद की स्थिति के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है। जैसे- नरक, स्वर्ग।

अंतिम संस्कार करने के बाद उसकी राख और हड्डियों को पवित्र नदी में बहाने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है।

अस्थि विसर्जन करने के लिए गंगा नदी को महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अस्थि विसर्जन गंगा नदी क्यों किया जाता है और क्या है इसके पीछे की वजह? अगर नहीं पता, तो चलिए इस आर्टिकल में बताएंगे अस्थि विसर्जन के कारण के बारे में।

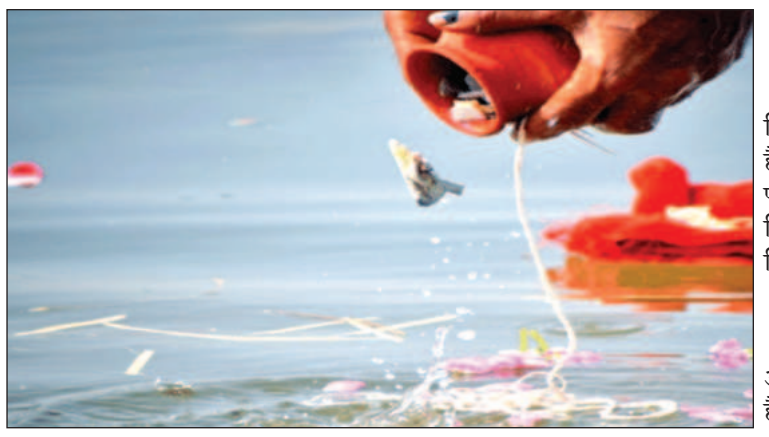

इस वजह से किया जाता है अस्थि विसर्जन

गरुड़ पुराण के अनुसार, व्यक्ति की मृत्यु के बाद अस्थि विसर्जन जरूर करना चाहिए। इसे धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल किया जाता है। जब व्यक्ति के शरीर से आत्मा निकल जाती है, तो वह अपने नए जीवन में चली जाती है।

शरीर पांच तत्वों से मिलाकर बना है, जैसे- पृथ्वी, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी। अंतिम संस्कार करने के बाद इन्हीं पांच तत्वों में शरीर मिल जाता है। इसके बाद 3 दिनों के अंदर तक अस्थियों को चुना जाता है और 10 दिन के भीतर गंगा नदी में विसर्जन कर दिया जाता है।

क्यों किया जाता है गंगा नदी में अस्थि विसर्जन

गरुड़ पुराण के अनुसार, गंगा नदी में अस्थि विसर्जन करने से मृतक व्यक्ति को स्वर्ग मिलता है। क्योंकि भागीरथ मां गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाए थे। इसी वजह से गंगा नदी में अस्थि विसर्जन करने से मृतक व्यक्ति को स्वर्ग लोक मिलता है।

अस्थि विसर्जन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

अंतिम संस्कार करने के बाद तीसरे, सातवें, और नौवें दिन अस्थियों को इकट्ठा किया जाता है।

इसके बाद दस दिनों के भीतर गंगा जैसी पवित्र नदी में विसर्जन करने का विधान है।

गंगा में अस्थि विसर्जन करने से मृतक व्यक्ति को ब्रह्मलोक मिलता है।

अस्थि विसर्जन करते समय मृतक व्यक्ति की आत्मा की शांति प्राप्ति के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।इस दौरान नीचे दिए गए मंत्र का जप करना चाहिए।

ॐ सर्व पितृ देवताभ्यो नमः ।

मंत्र: ॐ सर्व पितृ देवताभ्यो नमः।

नमः स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नमः

षटतिला एकादशी पर करें इन वस्तुओं का दान, होगा लाभ ही लाभ

षटतिला एकादशी तिथि को विष्णु जी के पूजन के लिए अति उत्तम माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी हर महीने शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन मनाई जाती है, मान्यता है कि जो इस तिथि पर कठिन व्रत और विधिपूर्वक आराधना करते हैं, उन्हें विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। इसके साथ ही जीवन के हर से छुटकारा मिलता है।

कहा जाता है कि इस दिन दान करने से घर में बरकत का वास रहता है, तो चलिए यहां जानते हैं कि इस तिथि पर क्या दान करना शुभ माना जाता है?

षटतिला एकादशी पर करें ये दान

तिल – षटतिला एकादशी पर तिल का दान करना बेहद ही विशेष माना जाता है। इस दिन तिल का दान करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है। साथ ही जीवन में आने वाली मुश्किलों से छुटकारा मिलता है।

गर्म कपड़े – इस तिथि गर्म कपड़े का दान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

अनाज – इस दिन गरीबों को अनाज का दान करना सबसे पुण्य का काम माना जाता है। कहते हैं कि इससे अन्न और धन दोनों में बरकत मिलती है।

धन – इस शुभ तिथि पर धन का दान करने से सुख और समृद्धि में अपार वृद्धि होती है। इसके साथ ही समाज में यश बढ़ता है।

षटतिला एकादशी शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 24 जनवरी को शाम 07 बजकर 25 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 25 जनवरी को रात 08 बजकर 31 मिनट पर होगा। हिंदू धर्म में कोई भी तिथि सूर्योदय के बाद मान्य होती है। इसलिए 25 जनवरी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

एकादशी पर किए गए ये काम, कर सकते हैं आपको कंगाल!

षटतिला एकादशी का हिंदुओं के बीच बहुत बड़ा महत्व है। इस दिन लोग भगवान विष्णु की आराधना करते हैं। माघ महीन के कृष्ण पक्ष की 11वीं तिथि को षटतिला एकादशी मनाई जाती है। इस साल यह एकादशी 25 जनवरी को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि इस दिन का व्रत रखने और पूजा-अर्चना करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। साथ ही सभी पापों का नाश होता है।

षटतिला एकादशी के नियम

षटतिला एकादशी पर तामसिक भोजन जैसे - शराब, मांस, मछली, प्याज, लहसुन और अनाज का सेवन करने से बचना चाहिए।

इस दिन फलहारी चीजें जैसे - फल, दूध, मेवा, मिष्ठान, सिंघाड़े के आटा, कुट्टू और आलू आदि का सेवन कर सकते हैं। इस दिन चावल खाने की पूरी तरह से मनाही है।

षटतिला एकादशी पर तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचें, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है।

एकादशी व्रत से एक दिन पहले ही तुलसीपत्र तोड़कर रख लेना चाहिए।

आशीर्वाद और सौभाग्य के लिए इस दिन 'श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे। हे नाथ नारायण वासुदेवाय।।' या किसी अन्य भगवान विष्णु के मंत्र का जाप करना चाहिए।

इस दिन भगवान कृष्ण और नारायण को तुलसी पत्र के साथ ही भोग लगाएं।

इस शुभ मौके पर श्री हरि की कृपा प्राप्ति के लिए कमल का फूल उन्हें जरूर चढ़ाएं।

एकादशी व्रत से एक दिन पहले सिर धो लें, क्योंकि इस तिथि पर बाल नहीं धोना चाहिए।

इस शुभ तिथि पर भक्तों के लिए दिन में सोना मना है, खासकर जब वे उपवास कर रहे हों।

इस दिन झूठ बोलने और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने से भी बचना चाहिए। इस मौके पर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

विष्णु जी पूजा मंत्र

ॐ विष्णवे नमः।।

श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे हे नाथ नारायण वासुदेवाय।।

ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।

मौनी अमावस्या के इन उपायों से प्रसन्न होंगे पूर्वज

पंचांग के अनुसार, माघ माह में मौनी अमावस्या का पर्व 29 जनवरी को मनाया जाएगा। इस अमावस्या को माघ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना करने से जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहता है। साथ ही पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान, दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति को सभी पापों से छुटकारा मिलता है। ऐसी मान्यता है कि पितृ दोष की समस्या में व्यक्ति को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ज्योतिष मौनी अमावस्या के दिन कुछ उपाय करने की सलाह देते हैं। जानते हैं मौनी अमावस्या पर किए जाने वाले उपाय के बारे में।

माघ अमावस्या शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ अमावस्या की तिथि 28 जनवरी को रात 07 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 29 जनवरी को शाम यानी 06 बजकर 05 मिनट पर होगा। ऐसे में मौनी अमावस्या का पर्व 29 जनवरी को मनाया जाएगा।

पितृ दोष होगा दूर

पितृ दोष को खत्म करने के लिए माघ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करें। साथ ही विशेष चीजों का भोग लगाएं। ऐसा करने से पितृ दोष दूर होता है और जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

प्रसन्न होंगे पूर्वज

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मौनी अमावस्या के दिन देवी-देवता और पितृ गंगा में स्नान करते आते हैं। ऐसे में आप मौनी अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र नदी स्नान करें। माना जाता है कि ऐसा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और पूर्वज प्रसन्न होते हैं। यदि किसी वजह से गंगा स्नान करना संभव नहीं है, तो आप घर पर नहाने के पानी में गंगाजल ड़ालकर स्नान करें। इससे गंगा स्नान का फल प्राप्त होगा।

धन में होगी वृद्धि

माघ अमावस्या के दिन गुड़, तिल, घी, धन या फिर गर्म कपड़े का दान करें। मान्यता है कि इन चीजों का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और धन में वृद्धि होती है। इसके अलावा व्यक्ति के रुके हुए काम पूरे होते हैं और बिजनेस में सफलता हासिल होती है।

200 करोड़ के मालिक हैं सुपरस्टार जैकी श्रॉफ

मूंगफली और सिगरेट बेची तो कभी चिपकाए फिल्मों के पोस्टर

मां के साथ दिख रहा यह बच्चा बॉलीवुड का सुपरस्टार है। इसका स्टारडम सलमान और शाहरुख से कम नहीं है। इसने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी है। अगर आप नहीं पहचान पाए हैं तो चलिए हम बताते हैं। इनका बेटा भी बॉलीवुड पर राज करता है।इन्होंने अपने समय की लगभग सभी बड़ी हीरोइनों के साथ बतौर हीरो काम किया है। अगर अब भी आप नहीं पहचान पाए हैं तो हम आपको बता दें ये बच्चा कोई और नहीं, बल्कि जग्गू दादा हैं। जी हां,

बॉलीवुड जैकी श्रॉफ इस तस्वीर में अपनी मां के साथ नजर आ रहे हैं। जैकी श्रॉफ का पूरा नाम जय किशन श्रॉफ हैं।

जैकी श्रॉफ बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं। उनका असली नाम जयकिशन काकूभाई श्रॉफ है। वह लगभग 9 भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुके हैं। सुभाष घई ने उन्हें अपनी फिल्म 'हीरो' में कास्ट किया और उन्हें जैकी नाम दिया। इसमें उनकी हीरोईन मीनाक्षी शेषाद्रि थीं। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और रातों रात स्टार बन गए। उन्होंने फिल्मों में लगभग हर तरह के रोल किए। कम ही लोगों को पता कि फिल्मों में आने से पहले जैकी ट्रक ड्राईवर हुआ करते थे।

जैकी श्रॉफ बॉलीवुड के उन एक्टर्स में से हैं, जिन्होंने मेहनत से इंडस्ट्री में जगह बनाई। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण जैकी श्रॉफ ने पढ़ाई छोड़ दी थी। जैकी श्रॉफ एक्टर बनने से पहले मुंबई की चॉल में रहते थे। सुभाष घई की 'हीरो' से डेब्यू करने और स्टार बन जाने के बाद भी वह कई साल तक उसी चॉल में रहे। जैकी श्रॉफ ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मेकर्स उन्हें अपनी फिल्म में साइन करने के लिए उनके टॉयलेट के बाहर भी लगाए खड़े रहते थे।

जवाब में जैकी श्रॉफ ने बातचीत में कहा, 'हां, वो चॉल में आते थे और मुझे स्क्रिप्ट सुनाते थे। वो मेरे घर में उल्टे रखे ड्रम्स पर बैठ जाते थे, जिन्हें मैं कुर्सी की तरह इस्तेमाल करता था। अगर मुझे टॉयलेट या जाना होता तो वो लोग वहीं बैठकर मेरा इंतजार करते थे और फिल्में साइन कराते थे। मेरी पहली फिल्म हीरो के रिलीज होने के 4-5 साल बाद भी मैं उस चॉल में रहा। मुझे वहां अच्छा लगता था।

राज बब्बर की बेटी जूही की तस्वीर वायरल

खूबसूरती ऐसी पीछे छोड़ सकती है ऐश्वर्या-सुष्मिता!

बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस ऐसी हैं भी हैं, जो साइड रोल कर भी छा जाती हैं। रही बात खूबसूरती की तो वो लीड एक्ट्रेस से भी कुछ कम नहीं होती हैं। इनमें से एक नाम है बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और राजनेता राज बब्बर की बेटी जूही बब्बर, जो आज भी फिल्मों एक्टिव हैं। जूही बब्बर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फैमिली पर खुलासा कर सुर्खियां बटोर ली हैं। जूही ने अपने पिता राज बब्बर की पहली और दूसरी पत्नी दोनों पर शॉकिंग खुलासे किए हैं। जूही ने बताया है कि उन्हें पिता की दूसरी शादी के बारे में से ही पता था।

जूही का वर्कफ्रंट

जूही ने साल 2003 में सिंगर सोनू निगम के अपोजिट फिल्म काश आप हमारे होते से डेब्यू किया था। इसके बाद साल 2005 में जिम्मी शेरगिल के साथ पंजाबी फिल्म यारा नाल बहारें में नजर आईं। वहीं, उंस।।।लव।। फॉरएवर (2006), इट्स माय (2013), मनोज वाजपेयी संग अय्यारी (2018), हंसल मेहता की फराज (2023) और पिछली बार सलमान खान की भांजी अलिज़ेह अग्निहोत्री की डेब्यू फिल्म फर्रे (2023) में नजर आई थीं। टीवी की बात करें तो जूही ने एक शो 'घर की बात है' किया है, जिसे शाहरुख खान ने प्रोड्यूस था। जूही एक थिएटर आर्टिस्ट रह चुकी हैं, वहीं, बतौर डायरेक्टर एक फिल्म पुकार (2007) डायरेक्ट की थी।

जूही की पर्सनल लाइफ

जूही ने लखनऊ में पैदा हुई हैं। जूही ने दो शादी रचाई है। पहली शादी स्क्रीनप्ले राइटर बिजॉय नंबियार से 27 जून 2007 को रचाई और दो बाद 2009 में इनका तलाक हो गया। इसके बाद जूही को टीवी एक्टर और सावधान इंडिया के होस्ट रहे अनूप सोनी से प्यार हुआ। दोनों की मुलाकात एक प्ले में हुई थी, जिसे जूही की मां नादिरा ने प्रोड्यूस किया था। वहीं, अनूप उस वक्त शादीशुदा थे और दो के पिता थे। वहीं, अनूप ने पहली पत्नी से तलाक ले साल 2011 में जूही से शादी रचा ली। इस शादी से जूही और अनूप को साल 2012 में एक बेटा हुआ।

मिशन ग्रे हाउस के साथ बड़े पर्दे पर नई शुरुआत के लिए तैयार है पूजा शर्मा

पूजा शर्मा ने 2024 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में पोपटलाल की प्रेमिका की भूमिका निभाकर अपने लिए लोगों से बहुत प्यार और फैन्स का सपोर्ट प्राप्त किया। अब वह फिल्म मिशन ग्रे के साथ बड़े पर्दे पर अपनी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं।पूजा, जो अपने सीए फाइनल सेकंड ग्रुप की परीक्षा देने के लिए मुंबई आई थीं, उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी।अपने मॉडलिंग और अभिनय करियर की शुरुआत के बारे में हुए पूजा ने कहा, मैं मॉल में खरीदारी कर रही थी और एक कास्टिंग वाले ने मुझे किसी प्रसिद्ध सोप के ऑडिशन के लिए इंटरव्यू देने के लिए संपर्क किया, वे रैंडम पब्लिक इंटरव्यू लेते हैं। अगले दिन, उसने मुझे यह कहते हुए बुलाया कि अगर आप ऑडिशन राउंड करती हैं और एड के लिए चुनी जाती हैं, तो आपको प्रति दिन चालीस हज़ार का पेमेंट किया जाएगा शूट के लिए। मैं हैरान थी की सीए में भी प्रति दिन इतने पैसे तो कहा ही मिलेंगे।टीएमकेओसी के अलावा पूजा छोटी सरदारनी, जौहरी, दस जून की रात जैसे लोकप्रिय और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं।

मिशन ग्रे हाउस में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहीं पूजा ने कहा, मैं बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए उत्साहित हूं और यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं कियारा की भूमिका निभा रही हूं, जो एक पुलिस है और अभिनेता राजेश शर्मा की बेटी है, जो एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी हैं। मैं फिल्म में हीरो की अच्छी दोस्त हूं। फिल्म की कहानी कुछ इस तरह है कि मैंने अपने पिता को ग्रे हाउस में रहस्यमयी हत्याओं के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए दोनों को एक खतरनाक मिशन पर भेजने के लिए राजी किया और हम इस रहस्य को कैसे सुलझाते हैं।

धवन ने शुरू की बॉर्डर 2 की शूटिंग

बॉवरुण धवन ने आखिरकार अपनी आगामी देशभक्ति एक्शन फिल्म बॉर्डर 2 के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग का पहला चरण उत्तर प्रदेश के झांसी हो रहा है। फिल्म में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिलहाल वे लोग शूटिंग में शामिल नहीं हुए हैं।झांसी के सैन्य छावनी क्षेत्र में स्थापित बॉर्डर 2 का उद्देश्य अपनी मनोरंजक कहानी, एक्शन सीन्स के साथ सच्ची घटनाओं को पर्दे पर दिखाना इंस्टाग्राम पर निर्माताओं ने बॉर्डर 2 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वरुण निर्माता भूषण कुमार और निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता को ग्रे टी-शर्ट और नीली जींस पहने देखा जा सकता है।

इस आउटफिट को ब्लैक लेदर जैकेट के साथ पहना और मूंछों वाला लुक दिया। उन्होंने कुमार और दत्ता के साथ फिल्म का क्लैपबोर्ड पकड़ा।निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्शन, धैर्य और देशभक्ति! अभिनेता वरुण धवन ने निर्माता भूषण कुमार और निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना निर्देशक अनुराग सिंह के साथ झांसी के सुंदर छावनी क्षेत्रों में बॉर्डर 2 यात्रा शुरू की। 23 जनवरी, 2026- एक अविस्मरणीय गाथा के लिए तैयार हो जाइए।हालांकि, सनी देओल, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी आने वाले महीनों में फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। इससे पहले अगस्त 2024 वरुण ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट में बॉर्डर 2 का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने लिखा था, जेपी सर और भूषण कुमार द्वारा निर्मित बॉर्डर 2 में एक भूमिका निभाना मेरे करियर का एक बहुत ही खास पल है। और मुझे सनी पाजी के काम करने का मौका मिला, जो इसे और भी शानदार बनाता है। मैं भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म बनाने का वादा करते हुए एक वीर जवान की कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए उत्साहित हूं। मैं आपकी शुभकामनाओं का इंतजार कर रहा हूं। जय हिंद।

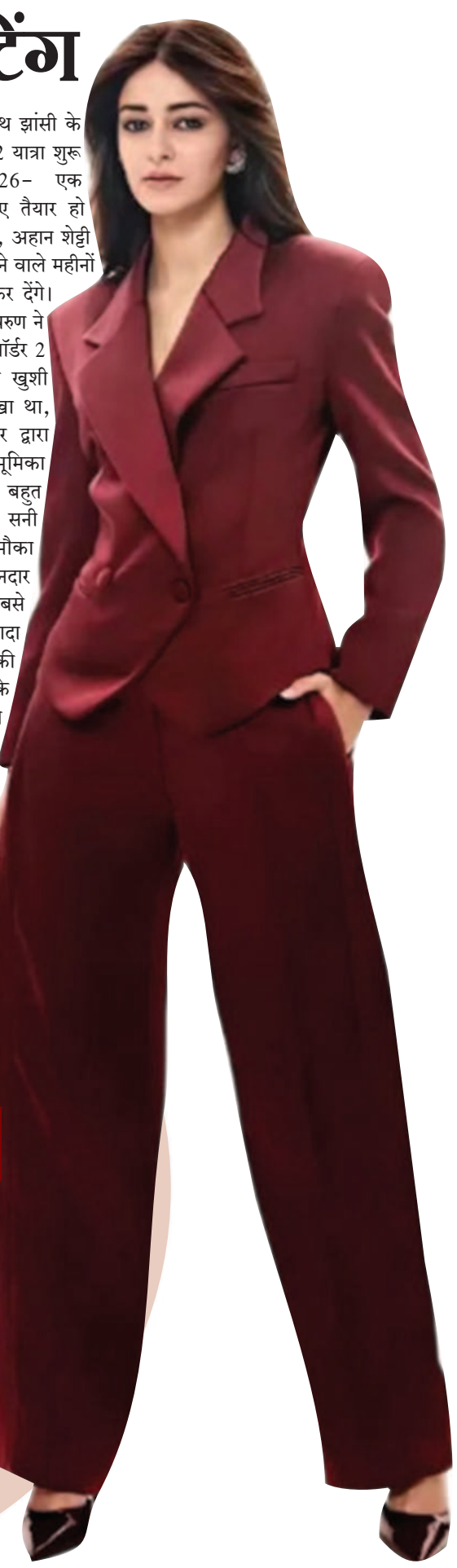

21 साल की उम्र में अनुष्का शंकर को मिला था अपने करियर का पहला ग्रैमी नॉमिनेशन

फेमस सितार वादक और कम्पोजर अनुष्का शंकर को इस बार ग्रैमी अवॉर्ड्स में दो नामांकन मिला है। बेस्ट न्यू एज, एम्बियन्ट या एल्बम कैटेगरी के तहत अनुष्का के सोलो एल्बम चैप्टर 2 को नामांकित किया गया है। इसके अलावा उन्हें बेस्ट ग्लोबल परफॉर्मेंस की श्रेणी में उनके 'ए रॉक समवेयर' भी नामांकित किया गया है, जिसमें उन्होंने जैकब कोलियर और वरीजाश्री वेणुगोपाल के साथ कोलैब किया है। भारतीय संगीत के इतिहास लीजेंडरी सितार वादक रविशंकर की बेटी अनुष्का शंकर को अब तक ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए कुल 11 बार नामांकित किया जा चुका है। एनडीटीवी से खास बातचीत के दौरान उन्होंने ग्रैमी नॉमिनेशन का अपना अनुभव शेयर किया।

प्रतिष्ठित ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए अनुष्का शंकर को तक 11 बार नामांकित किया जा चुका है। हालांकि अब तक वह एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई हैं। खास बात यह है कि अनुष्का शर्मा को पहली बार ग्रैमी में एक साथ दो नामांकन मिला है। साथ ही यह तीसरा मौका है जब अनुष्का और उनकी नोरा को एक ही समय में ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नामांकित किया गया है। एनडीटीवी से खास बातचीत के दौरान अनुष्का शंकर ने कहा कि वह काफी खुश और उत्साहित हैं। हालांकि, पहले नॉमिनेशन की खुशी और एक्साइटमेंट काफी ज्यादा थी लेकिन ग्रैमी के लिए नामांकित होना बेहद स्पेशल दो ग्रैमी अवॉर्ड और लाइफ टाइम अचिवमेंट अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय पंडित रवि शंकर की बेटी अनुष्का शंकर ने महज 21 साल की उम्र में पहला ग्रैमी नॉमिनेशन हासिल किया था। 2002 में पहली बार वर्ल्ड म्यूजिक कैटगरी में नामांकित होने अनुष्का सबसे युवा कलाकार थी। साथ ही वह इस कैटेगरी में नामांकित होने वाली पहली भारतीय महिला भी थी। इसके बाद भी अनुष्का शंकर को कई और ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नामांकित किया जा चुका है। 2006 में एल्बम राइज, 2013 में ट्रैवलर, 2015 में ट्रेसेज ऑफ यू, 2016 होम, 2017 में लैंड ऑफ गोल्ड, 2021 में लव लेटर्स और 2023 में बिटवीन अस के लिए उन्हें ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकित किया गया था।

बॉसी लुक में अनन्या पांडे ने बरपाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का ब्लेजर और कोट-पेंट सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।खुले बाल, मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनके इस लुक पर से फैंस नजरें हटाने का नाम नहीं ले रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर फैंस दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके स्टाइल को काफी फॉलो करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को जरूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आप-को यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आप-को हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होंगें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुःखी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 19 जनवरी 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 07:33 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 05:31 तक
योग : अतिगंड रात्रि 01:56 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:33 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:06 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:56 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रवि हस्त अमृत सिद्धि योग सायं 05:32 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को मिले स्वामित्व कार्ड एवं पट्टे

जयपुर,18 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए एवं लाभार्थियों से संवाद किया। प्रदेश में लगभग 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड एवं पट्टें वितरित किए गए तथा श्रीगंगानगर जिले की लाभार्थी रचना से प्रधानमंत्री ने संवाद भी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनकी आवासीय संपत्तियों के कानूनी दस्तावेज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना की शुरुआत की गई थी तथा इस योजना के तहत अब तक गांवों में लगभग 2.25 करोड़ लोगों के संपति कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से ऋण लिया है तथा अपने गांवों में छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं। जिससे छोटे और मध्यम किसान परिवारों के लिए संपत्ति कार्ड आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बन गए हैं। साथ ही, कानूनी प्रमाण पत्र मिलने से कई परिवार अवैध कब्जों और लंबे समय तक चलने वाले अदालती विवादों के संकट से मुक्त हो रहे हैं।

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ग्राम स्वराज को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है और स्वामित्व योजना ने ग्राम विकास के नियोजन और क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने कहा कि संपत्ति कार्ड से भूमि स्वामित्व के विवादों का हल होने के साथ ही, पंचायत की भूमि और चरागाह क्षेत्रों की पहचान एवं आपदा प्रबंधन आसान हो जाएगा, जिससे ग्राम पंचायतें भी आर्थिक रूप से सशक्त बनेगी।

गांवों तक पहुंच रही बुनियादी सुविधाएं

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 2.5 करोड़ से अधिक परिवारों को बिजली, 10 करोड़ से अधिक शौचालय, 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन, पिछले पाँच वर्षों में 12 करोड़ से अधिक परिवारों को नल का पानी उपलब्ध कराया गया है एवं 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिनसें से अधिकांश गांवों में है। उन्होंने कहा कि दशकों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे परिवार अब इन सुविधाओं के प्राथमिक लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने सुदूर सीमावर्ती गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं में गांव और गरीब को केन्द्र में रखकर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है, क्योंकि गांवों के मजबूत व आत्मनिर्भर होने से ही देश आत्मनिर्भर एवं विकसित होगा। शर्मा ने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्राम सुशासन और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों को उनके अधिकार प्रदान करने की दिशा में यह दूरदर्शी कदम है, जिससे गांवों का समग्र विकास एवं ग्रामीण परिवारों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो रहा है।

स्वामित्व योजना-ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण की ऐतिहासिक पहल : राज्यवर्धन राठौड़

दौसा,18 जनवरी (एजेंसियां)।

जिले में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण और प्रॉपर्टी कार्ड वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इसे ग्रामीण भारत के लिए सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

कर्नल राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह योजना न केवल संपत्ति पर कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, बल्कि आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि इस योजना का अधिकतम लाभ उठाकर अपने गांव और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। ड्रोन और आधुनिक तकनीकों से गांवों का सर्वेक्षण कर डिजिटल रिकॉर्ड बनाए गए हैं, जिससे संपत्ति विवादों में कमी आएगी और ग्रामीण अपने दस्तावेज़ों के जरिए बैंकों से लोन प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर है।

400 केवी ग्रिड सब स्टेशन हिंडौन में 500 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर स्थापित

जयपुर,18 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के वर्ष 2027 तक प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने एवं किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के क्रम में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विद्युत प्रसारण निगम ने हिंडौन के गुढ़ापोल गांव स्थित 400 केवी ग्रिड सबस्टेशन में 500 एमवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया है ।इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से 400 ग्रिड सबस्टेशन हिंडौन की क्षमता 630 MVA से बढ़कर 1130 MVA हो गई है, इस ट्रांसफार्मर को स्थापित करने में एक महीने से अधिक का समय लगा है । इससे पूर्व 132 घत डबल सर्किट छोकरवाडा भुसावर लाइन का भी निर्माण पूर्ण कर चालू कर दिया गया है।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि ट्रांसफार्मर से शुरू की गई बिजली आपूर्ति से करौली ,धौलपुर, गंगापुर व भरतपुर जिलों के लोगों को फायदा मिलेगा,किसानों को दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति हो सकेगी एवं ओवरलोड से आ रहे विद्युत फाल्ट की समस्या का भी समाधान हो सकेगा। उक्त दोनों कार्यों को पूर्ण करने में लगभग 50 करोड रुपए का व्यय किया गया है। डिडेल ने बताया कि हिंडौन के अलावा मेड़ता, बीकानेर, अजमेर,भड़ला व रामगढ़ इत्यादि महत्वपूर्ण स्थानो पर 500 MVA के और पूरे राजस्थान में 200 MVA व 160 MVA के अनेक ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे जिससे ग्रिड की स्थिरता बनी रहे।

वेदांता की नंद घर पहल

महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

जयपुर,18 जनवरी (एजेंसियां)।

एक ऐतिहासिक कदम के तहत, वेदांता की सामाजिक प्रभाव शाखा, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ) की प्रमुख पहल, नंद घर ने राजस्थान सरकार के साथ एमओयू किया है। इस एमओयू के तहत राज्य में 25,000 नंद घर स्थापित किए जाएंगे। यह एमओयू राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव, महेंद्र सोनी और नंद घर, वेदांता के सीईओ, शशि अरोड़ा के बीच किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री, दिया कुमारी उपस्थित रहीं।

यह साझेदारी राज्य की महिलाओं और बच्चों के लिए एक उज्जवल और स्वस्थ भविष्य बनाने के लिए नंद घर और राजस्थान सरकार के बीच एक साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। राजस्थान सरकार ने हमेशा कुपोषण से मुक्ति और प्रारंभिक बाल शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन पहलों को प्राथमिकता दी है जो महिलाओं के सशक्तिकरण और आगामी पीढ़ी के विकास को प्रोत्साहित करती हैं। यह सहयोग इन लक्ष्यों को साकार करने और राज्य में समग्र विकास की नींव रखने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।शशि अरोड़ा, सीईओ-नंद घर, ने कहा,अब तक 15 राज्यों में 7000 से अधिक नंद घर स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 2,80,000 बच्चों और 2,10,000 महिलाओं को लाभ मिला है। मैं राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने हमें राज्य में 25,000 नंद घर स्थापित करने का अवसर दिया। इसके माध्यम से, हमारा लक्ष्य अवसर प्रदान करना, जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना और यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण भारत में हर महिला और बच्चे को आगे बढ़ने का मौका मिले, जिससे एक उज्जवल और मजबूत राजस्थान का मार्ग प्रशस्त हो सके।

25,000 नंद घरों के माध्यम से ग्रामीण राजस्थान को बदलने का संकल्प

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ) और राजस्थान सरकार के बीच हुए इस एमओयू का उद्देश्य राजस्थान सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप 25,000 नंद घरों का विकास करना है। नंद घर बच्चों और महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए तकनीकी रूप से उन्नत केंद्र हैं। आफ बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को सुधारने, पोषण संबंधी चुनौतियों को हल करने, और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्ध है।

अश्व अनुसंधान केंद्र की सफलता, भीमथड़ी घोड़े पर भारत का राजपत्र जारी

बीकानेर,18 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के प्रभागाध्यक्ष डॉ एस सी मेहता के नेतृत्व में किए गए शौध कार्य के परिणाम स्वरूप देश को घोड़ों की आठवीं नस्ल के रूप भीमथड़ी घोड़ा मिला, इस कार्य के परिणाम स्वरूप भारत सरकार ने इस नस्ल के लिए गजट नोटिफिकेशन यानी भारत का राजपत्र जारी किया। अब यह भारत की घोडों की आठवीं गजट नोटि फाईड नस्ल हो गई है।

इस संबंध में आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें डॉ. एस सी मेहता एवं रणजीत पंवार को पारिषद के महानिदेशक एवं सेक्रेटरी, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा डॉ हिमांशु पाठक, देश के पशु पालन कमिश्नर डॉ. अभिजीत मित्रा, उप महानिदेशक पशु विज्ञान डॉ राघवेन्द्र भट्ट, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं उपकुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त एवं राष्ट्रीय पशु अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के निदेशक डॉ बी पी मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक, सहायक महानिदेशक, प्रभागाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं गणमान्य जन उपस्थित थे।

इस सम्बन्ध मे डॉ. मेहता ने बताया कि राजपत्र जारी होने से इस नस्ल को पालने वालों के अधिकार सुनिश्चित हो जाते हैं, इस पर समिति या संस्था बनाकर कार्य किया जा सकता है एवं इस से सरकार की कई योजनाओं से वित्तीय सहायता मिलने मे भी आसानी रहती है। डॉ. मेहता ने आगे बताय कि इस दिशा मे कार्य भी आरंभ किया जा चुका है एवं इस नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आल इंडिया भीमथड़ी हॉर्स एसोसिएशन का गठन रणजीत पंवार की अध्यक्षता में किया जा चुका है। डॉ. मेहता ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि क्षत्रपति शिवाजी राव महाराज की विरासत को हम लगभग चार सौ वर्षों बाद पुनर्स्थापित कर पाए एवं इसके संरक्षण एवं संवर्धन का मार्ग प्रशस्त कर पाए।

कुंभ नगरी पहुंच संगम स्नान करेंगे विधानसभा अध्यक्ष

चंडीगढ़,18 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण 7 फरवरी को कुंभ नगरी प्रयागराज पहुंच संगम स्नान करेंगे। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के विधायकों को भी निमंत्रण भेजा है। विधान सभा अध्यक्ष की ओर से प्रदेश के विधायकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अगर वे कुंभ में शामिल होने के इच्छुक हैं तो 20 जनवरी तक अपनी सहमति विधान सभा सचिवालय को भिजवा दें। विधायकों को यात्रा का खर्च स्वयं वहन करना होगा।विधान सभा

सचिवालय विधायकों के लिए प्रयागराज में व्यवस्था प्रदान करने में सहयोग करेगा। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से कुंभ भारतीय संस्कृति का बड़ा पर्व है। महाकुंभ में लाखों श्रद्धालु इस पावन स्नान के लिए पहुंचते हैं।

फरीदाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर

विपुल गोयल ने नितिन गडकरी से मुलाकात कर उठाए बड़े मुद्दे

चंडीगढ़,18 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस बैठक में फरीदाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर पांच अहम मुद्दे उठाए गए, जिन पर केंद्रीय मंत्री ने सहमति जताई। ये प्रस्ताव क्षेत्र के विकास, ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए अहम माने जा रहे हैं।

बदरपुर बॉर्डर से आश्रम चौक तक 8.5 किलोमीटर लंबे मार्ग को सिग्नल फ्री बनानाफरीदाबाद और दिल्ली के बीच बदरपुर बॉर्डर से आश्रम चौक तक 8.5 किलोमीटर लंबे मार्ग को सिग्नल फ्री बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस योजना के तहत ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान होगा और लोगों को आसानी से दिल्ली आने-जाने की सुविधा मिलेगी।आंकड़े बताते हैं कि इस मार्ग पर प्रतिदिन ढाई लाख से अधिक वाहन चलते हैं, जिसके कारण यहां लगातार ट्रैफिक जाम लगा रहता है।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद सेक्टर-37 से बदरपुर

बॉर्डर को केएमपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) एक्सप्रेस-वे से सीधा जोड़ने का प्रस्ताव रखा। इससे ट्रकों और भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने की जरूरत खत्म हो जाएगी और औद्योगिक क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। इंडस्ट्री रिपोर्ट के मुताबिक इससे फरीदाबाद के उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक्स लागत में 20-25 फीसदी की कमी आने की उम्मीद है।

बाटा और बड़खल के पश्चिमी क्षेत्र को पूर्वी क्षेत्र (पुराना फरीदाबाद, सेक्टर और ग्रेटर फरीदाबाद) से जोड़ने के लिए एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को सौंपने का सुझाव दिया गया।इसके साथ ही इस एलिवेटेड रोड को एफएनजी (फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद) एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का भी प्रस्ताव रखा गया है। इससे बड़खल क्षेत्र के लोग नोएडा और गाजियाबाद आसानी से पहुंच सकेंगे।

परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार इस कनेक्टिविटी से यात्रा का समय 30-40 फीसदी कम हो सकता है।

दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़े सेक्टर-28 और ओल्ड फरीदाबाद की तर्ज पर स्मार्ट रोड बनाने का काम एनएचएआई को सौंपने की बात कही गई है।स्मार्ट रोड में बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग, सीसीटीवी सर्विलांस, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और ग्रीन बेल्ट का विकास शामिल है।स्मार्ट रोड प्रोजेक्ट से शहर की सुरक्षा 40 फीसदी बढ़ने और ट्रैफिक कंट्रोल में 35 फीसदी सुधार होने की उम्मीद है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

संविधान सम्मेलन में पहुंचे राहुल गांधी, कांग्रेसियों ने प्रदेश अध्यक्ष का ही कर दिया विरोध

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल कांग्रेस पटना पहुंच चुके हैं। पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वह बापू सभागार के लिए निकले हैं। वह संविधान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। करीब दो घंटे रुकने के बाद वह कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम जाएंगे। यहां पर पहले नवनिर्मित इंदिरा भवन का उद्घाटन कर चाबी सौपेंगे। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। बिहार प्रदेश कांग्रेस की ओर से इसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। राहुल गांधी करीब छह घंटे पटना में रुकेंगे।

कांग्रेस नेता शकील अहमद ने बताया कि बिहार में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में कांग्रेस के

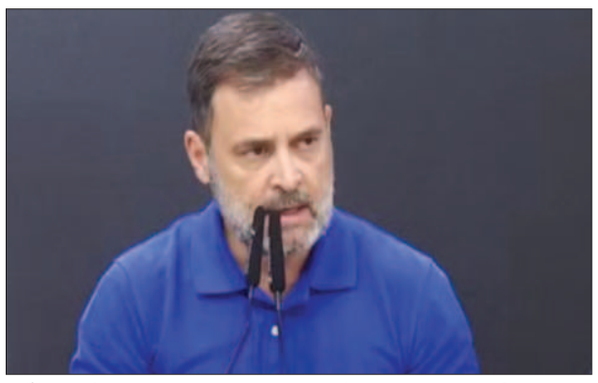

सर्वमान्य नेता राहुल गांधी आ रहे। इसको लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। पूरे राज्य से कांग्रेसी इस कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। कांग्रेसी इस कार्यक्रम में नजर आ सकते हैं। वहीं भाजपा के पोस्टर वाले सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी के बिहार दौरान से भाजपा वाले बैखला गए हैं। इसलिए इस तरह की पोस्टर लगा रहे।

इधर, राहुल गांधी के कार्यक्रम स्थल के बाद कई कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह का विरोध किया। उनका कहना है कि अखिलेश कुमार सिंह हमारा नेता नहीं है जब बीजेपी का है। यह दलाल है। राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय किसान कांग्रेस राजकुमार शर्मा ने कहा कि जब से अखिलेश प्रसाद सिंह कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना है तब से हमारा दो विधायक भाजपा में भाग गया। हमारा पांच सीनियर प्रवक्ता भाजपा में भाग गया। कई सीनियर वर्कर भाजपा में चले गए। सैकड़ों लोगों को इन्होंने अपने तानाशाही के बल पर पार्टी से निष्कासित कर दिया। यही नहीं थी जमीन बेच दिया टिकट भेज दिया। पद बेच दिया गया। डेलीगेट बेच दिया। ऐसे में इसको हटाने की बात ना की जाए तो क्या रखने की बात की जाए? नवादा का ऑफिस और जमीन दोनों बेच दिया।

वहीं राष्ट्रीय संयोजक, अखिल भारतीय किसान कांग्रेस अखिलेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि इन्होंने पार्टी को हाईजैक कर लिया है, पार्टी को बेच देगा। इसने नवादा का पार्टी कार्यालय सहित पूरी जमीन 11-12 कट्ठा बेच दिया। नालंदा के इस्लामपुर में भी है।

वहां की जमीन बेचवाना चाहते थे लेकिन कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण जमीन खरीदने वाले जमीन छोड़कर भाग गए। सुनील सिंह आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पर जितने भी कार्यकर्ता जुटे हैं इसमें अधिकांश भाजपा के कार्यकर्ता हैं। राहुल गांधी के कार्यकर्ता सम्मेलन में 75 फ़ीसदी जो लोग हैं वह भाजपा के कार्यकर्ता हैं। अखिलेश सिंह ने अपनी अपनी इज्जत बचाने के लिए पैसे पर खरीद के इन लोगों को यहां बुलाया है। लेकिन, अखिलेश सिंह की इज्जत बचने वाली नहीं है।

जमीनी विवाद में सगा भाई बना खून का प्यासा

भाई पर करता रहा ताबड़तोड़ चाकू से हमला, दर्दनाक मौत

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में जमीनी विवाद को लेकर एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां सगे भाई ने अपने भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

घटना के संबंध में बताया गया कि दरौंदा थाना क्षेत्र के चकरी मठिया गांव में पुराने जमीन को लेकर पहले तो दोनों सगे भाइयों में कहासुनी हुई, फिर गाली गलौज शुरु हुई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि एक भाई ने दूसरे भाई पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

दूसरा भाई जबतक कुछ समझ पाता चाकू उसके शरीर एवं पेट में लग चुके थे। कुछ ही देर में एक भाई खून से लथपथ हो गया। परिजनों ने इलाज हेतु आनन फानन में घायल को महराजगंज अनुमंडल अस्पताल में भर्ती

कराया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राम ईश्वर भारती के पुत्र जयनाथ भारती के रूप में हुई है।

वहीं इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। हत्या के बाद मृतक के परिजन काफी दहशत में हैं। मृतक जयनाथ भारती कि पत्नी का कहना है कि वह परिवार के इकलौते कमाने वाले इंसान थे। मृतक जयनाथ भारती के एक पुत्र एवं 4 पुत्रियां है। परिजनों को अब इंसाफ का इंतजार है।

हत्या के मामले में दरौंदा थाना प्रभारी छोटन कुमार ने बताया कि राजेश भारती के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जायेगा। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

गया बार एसोसिएशन के चुनाव के पूर्व निर्वाचन पदाधिकारी के चयन पर हंगामा

गया (एजेंसियां)।

गया बार एसोसिएशन के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। इस चुनाव को निष्पक्ष तरीके से संचालन के लिए शुक्रवार को जीबीए की एक बैठक एसोसिएशन के सेंट्रल हॉल में हुई। बैठक में निर्वाचन पदाधिकारी के चयन को लेकर अधिवक्ताओं ने दो अधिवक्ताओं के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसमें एक भीम बाबू और दूसरा रतन कुमार सिंह का नाम आया। इसके बाद एसोसिएशन के पिछले आठ सालों के आय-व्यय का ब्यौरा मांगा गया।

निवर्तमान कमेटी की तरफ से इसका ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। जिसे अधिवक्ताओं के एक गुट ने स्वीकृति प्रदान कर दी, जबकि दूसरे गुट के अधिवक्ताओं ने इसे अस्वीकार करते हुए कथित लूट की संज्ञा देते हुए हंगामा शुरू करने लगे। इस बीच आय-व्यय के ब्यौरे को निवर्तमान कमेटी (जिसे विरोधी गुट अमान्य कमेटी मान रहे हैं) ने पारित कर दिया। इसके पश्चात निष्पक्ष और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव को संचालित करने के लिए एक निर्वाचन पदाधिकारी के चयन के लिए वरीय अधिवक्ता भीम बाबू और रतन सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा गया।

निवर्तमान कमेटी के समर्थक अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता भीम बाबू को निर्वाचन पदाधिकारी के नाम को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस पर रतन सिंह के समर्थक अधिवक्ताओं ने इनके निर्वाचन पदाधिकारी बनाने को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। यहां तक कि माइक छीनने का आरोप लगाते हुए इसे अलोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाने की बात होने लगी।

निवर्तमान कमेटी ने भीम बाबू को निर्वाचन पदाधिकारी चुन लिए जाने की बात बताई। जबकि रतन सिंह के समर्थक अधिवक्ताओं ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि भीम बाबू को जिस कमेटी ने निर्वाची पदाधिकारी घोषित किया है वो कमेटी ही अमान्य व गैरकानूनी है।

बता दें कि निवर्तमान कमेटी की ओर से कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं किया गया है। गया बार एसोसिएशन के नाम से बने व्हाट्सएप ग्रुप पर भीम बाबू के निर्वाचन पदाधिकारी के चुन लिए जाने की बात कही गई है, लेकिन अधिकृत रूप से किसी तरह के प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं किया गया है।

वहीं रतन सिंह अधिवक्ता को निर्वाचन पदाधिकारी बनाए जाने के समर्थन में करीब पांच दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं ने संयुक्त हस्ताक्षर करते हुए भीम बाबू को निर्वाचन पदाधिकारी बनाए जाने का विरोध किया है।

गवर्नर के ओएसडी के ड्राइवर का बेटा निकला मोबाइल स्नैचर, राजभवन के सरकारी क्वार्टर में रहते हैं सभी आरोपी

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में बढ़ती मोबाइल और चेन स्नैचिंग की घटनाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सचिवालय थाना पुलिस ने मोबाइल छिनैती करने वाले चार शातिर स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पकड़े गए स्नैचरों में एक आरोपी गवर्नर के ओएसडी (विशेष कार्याधिकारी) के ड्राइवर का बेटा है। ये सभी आरोपी राजभवन के सरकारी क्वार्टर में रहते हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 27 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनमें एक एप्पल का महंगा फोन और 26 एंड्रॉइड फोन शामिल हैं। इसके अलावा,

स्नैचिंग में इस्तेमाल होने वाली दो महंगी बाइक भी जब्त की गई हैं। सचिवालय एसडीपीओ-1 डॉ. अनु कुमारी ने बताया कि राजधानी में मोबाइल और चेन स्नैचिंग की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। इसे रोकने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान पुलिस को यह सफलता मिली।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे चोरी किए गए मोबाइल फोन को पटना के बाकरगंज इलाके में एक दुकानदार को बेचते थे।

ये मोबाइल 1000 से 2000 रुपये की कीमत पर बाजार में बेचे जाते थे। पुलिस अब इस मोबाइल दुकानदार की तलाश में छापामारी कर रही है, लेकिन फिलहाल वह फरार है।

जांच के दौरान पता चला कि गिरफ्तार स्नैचरों में से एक गवर्नर के ओएसडी के ड्राइवर का बेटा है। यह जानकारी मिलने के बाद मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। आरोपियों के राजभवन के सरकारी क्वार्टर में रहने के चलते इस घटना ने प्रशासन को भी झकझोर दिया है।

आरोपियों ने कबूल किया कि वे महंगी बाइकों का इस्तेमाल कर स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। इनकी तेज रफ्तार और चकमा देने की क्षमता पुलिस को इन तक पहुंचने से रोकती थी। फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जब्त किए गए मोबाइल फोन और बाइक की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरी किए गए मोबाइल फोन कहां-कहां बेचे गए और उनके खरीदार कौन हैं। एसडीपीओ अनु कुमारी ने कहा कि आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही फरार मोबाइल दुकानदार को गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीम बनाई गई है।

इस घटना के बाद से राजभवन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की अपील की है। यह मामला न केवल अपराधियों की हिम्मत को उजागर करता है, बल्कि सरकारी क्वार्टरों में रहने वालों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

अदालत में सरेंडर करने पहुंचा मंत्री का भाई पीनू डॉन गिरफ्तार

पुलिस को देख लगाई थी दौड़

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में चर्चित शिवपूजन महतो के अपहरण कांड और हथियार के बल पर जमीन रजिस्ट्री कराने के मुख्य आरोपी पीनू डॉन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीनू डॉन मंत्री रेणु देवी का भाई है।

कांड के मुख्य आरोपी पीनू डॉन को पकड़ने में एसडीपीओ विवेक दीप ने अहम भूमिका निभाई है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उसे 500 मीटर दौड़कर गिरफ्तार किया है। पीनू डॉन कोर्ट में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान पीनू डॉन ने कोर्ट में सरेंडर करने की कोशिश की थी। लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव भी देखा जा रहा है, क्योंकि आरोपी का संबंध राज्य की मंत्री रेणु देवी से है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने सुबह ही पीनू डॉन के तीन ठिकानों पर इश्तिहार चिपकाने की कार्रवाई की थी। पीनू डॉन कई दिनों से फ़रार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। शिवपूजन अपहरण कांड ने राज्य में काफी चर्चाएं बटोरी थीं और पीनू डॉन इस मामले में मुख्य आरोपी है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है। उम्मीद की जा रही है कि पीनू डॉन से पूछताछ के बाद अन्य खुलासे हो सकते हैं। यह मामला राज्य की राजनीति और कानून व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

महिलाओं के लिए निगम क्षेत्र में बनेगा पिंक शौचालय मुख्य चौक-चौराहों पर लगेंगे वाटर एटीएम

सहरसा (एजेंसियां)।

नए साल में सहरसा नगर निगम सामान्य बोर्ड की पहली बैठक शुक्रवार को निगम सभागार में महापौर बैन प्रिया की अध्यक्षता में हुई। महापौर ने कहा कि आज की बैठक वर्ष 2025 की पहली बैठक है। जो वर्ष 2025 की नगर निगम सहरसा के विकास की दशा एवं दिशा तय करेगी। उन्होंने कहा कि गत वर्ष हम लोग लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं कर पाए, जिसके बहुत सारे कारण रहे।

महापौर बैन प्रिया ने कहा कि वर्ष के अंत में ही सही हम लोगों ने नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इनमें मुख्य रूप से लगभग 150 योजनाओं का क्रियान्वयन, रोशनी व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए निगम क्षेत्र में 155 हाई मास्ट लाइट का अधिष्ठापन, सफाई एजेंसी का चयन, डस्टबिन, एलईडी डिस्प्ले, साइनेज बोर्ड और शहर की सुरक्षा-व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए मुख्य चौक-चौराहों पर सीसीटीवी लगवाने के लिए कार्य किया गया है।

साथ ही उन्होंने बताया कि नवगठित वार्डों में लगभग नौ हजार स्ट्रीट लाइट,

निगम की पांच जगहों पर प्रवेश द्वार, तीस जगहों पर बस शेल्टर, तीन सौ हैंड ठेला, पांच जगहों पर हाई मास्ट तिरंगा, अधिष्ठापित पोलों पर तिरंगा लाइट और निगम पार्षदों के लिए लैपटॉप देने का कार्य सहित अन्य कई महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर है जो इस महीने के अंत तक पूरे कर लिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत हम लोग 2,658 लाभुकों को प्रथम किस्त, 119 लाभुकों को द्वितीय किस्त, 2,450 लाभुकों को तृतीय किस्त और चतुर्थ किस्त दिए हैं। इससे पूर्ण आवास की संख्या 500 से बढ़कर 2,450 हुई है जो जनवरी के अंत तक 3,200 का लक्ष्य पूरा कर हो जाएगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी दो के तहत 1,805 लाभार्थी, नेतृत्व निर्माण लाभुकों 510 किफायती आवास निर्माण की सूची विभाग को भेजी गई है। इसमें नगर निगम के सफाई कर्मियों को प्राथमिकता दी गई है और पांच हजार सभी पुराने तथा नए वार्डों के लाभार्थी की सूची भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी दो के लाभार्थी को कुल दो लाख पचास हजार रुपये की राशि दी जाएगी।

महापौर ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बहुत सारे महत्वपूर्ण कार्य किए जाने हैं। प्रत्येक वार्ड में वार्ड कार्यालय भवन बनाया जाएगा, जिनमें पार्षद कक्ष, कर्मियों के लिए कक्ष और सभा कक्ष कुल तीन कक्ष होंगे। इसके लिए वार्डों में पूर्व से बने सामुदायिक भवन, विवाह भवन या अन्य कोई सरकारी भवन जिसका उपयोग नहीं हो रहा है, उसका उपयोग वार्ड कार्यालय भवन के लिए किया जाएगा। उसका जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

अगर पूर्व से बना हुआ भवन उपलब्ध नहीं हुआ तो सरकारी जगह चिन्हित कर नया वार्ड कार्यालय भवन बनाया जाएगा। अगर जगह उपलब्ध नहीं होती है तो किराया निर्धारित कर किराए पर वार्ड कार्यालय भवन लेने की योजना है, ताकि वार्डों का समुचित विकास हो सके। पुराने वार्ड जिसमें पूर्व में ईईएसएल के द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, उन वार्डों में विभागीय पत्र के तहत स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। सॉलिड वेस्ट मैनेजेंट से संबंधित कार्य क्रियान्वित किया जाएगा। निगम पार्षदों एवं प्रशासनिक कार्यालयों से प्राप्त पत्र के तहत आवश्यकता अनुसार हाई मास्ट लाइट खरीदकर लगाई जाएंगी। शहर सुंदर दिखे इसके लिए 1,500 डेकोरेटिव लाइट्स लगाई जाएंगी। स्ट्रीट लाइट सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए एजेंसी का चयन किया जाएगा।

जल जीवन हरियाली के तहत पोखर एवं तालाबों का सौंदर्यकरण किया जाएगा। जलजमाव से निपटने हेतु 10 डिवाटरिंग पंप का खरीदा जाएगा। दस चिन्हित जगहों पर डीलक्स शौचालय एवं महिलाओं के लिए पिंक शौचालय तथा मुख्य चौक-चौराहों पर पेय जल हेतु वाटर एटीएम लगाया जाना है।

नगर निगम क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण के कारण सड़कें सिकुड़ती जा रही है, जिससे जाम की विकराल समस्या उत्पन्न हो रही है। सरकारी जगहों का मनवाने ढंग से अतिक्रमण कर उपयोग किया जा रहा है, जिसे मुक्त करवाने हेतु अतिक्रमण प्रबंधन टीम गठित करते हुए एक अभियान चलाया जाएगा। फुटपाथ दुकानदारों को बसाने हेतु वेंडिंग जोन बनाया जाएगा इसके लिए जल्द ही सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे लालू-राबड़ी

पटना (एजेंसियां)।

मिशन 2025 विधानसभा समेत कई मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक पटना के होटल मौर्या में चल रही है। बैठक में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के साथ उनकी उनकी पत्नी राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, प्रदेश अध्यक्ष राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, सांसद मीसा भारती, पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव, वरीय नेता अब्दुल बारी सिद्दकी, शिवानंद तिवारी समेत कई वरीय नेता पहुंचे। वहीं कार्यक्रम के बाद बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें बिहार को शीर्ष राज्यों में ले जाएंगे। यही हमलोगों का पहला लक्ष्य है। हमारे पास सबको साथ लेकर बिहार को आगे ले जाने का विजन और ब्लूप्रिंट है।

इधर, चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले कुछ दिनों से राजद कार्यालय नहीं गए प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नहीं दिखे। इतना ही नहीं उनके बेटे और सांसद सुधाकर सिंह भी बैठक में शामिल नहीं हुए। जबकि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सभी वरीय नेताओं को शामिल होने का निर्देश पूर्व में ही दिया जा चुका था। पिता-पुत्र के नहीं आने के बाद सियासी गलियारे में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। राजद की ओर से बताया गया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी में करीब 85 सदस्य शामिल हुए हैं। वहीं करीब 200 राज्य और जिला स्तर के नेता भी पूरे बिहार से इस कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। बताया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव समेत कई मुद्दों पर इस बैठक बातचीत चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com